खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 19 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-316

प्रधानमंत्री मोदी जारी करेंगे पीएम-किसान योजना की किस्त

गुजरात में 49 लाख किसानों को मिलेगा लाभ

अहमदाबाद,18 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20 किस्तें जारी कर चुकी है, जिसके बाद किसानों को 21वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार है। इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 नवंबर को तमिलनाडु के कोयंबटूर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी एक कार्यक्रम के दौरान देश भर के किसानों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे और पीएम किसान सम्मान योजना के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। वहीं, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, कृषि मंत्री जीतू वघानी और कृषि राज्य मंत्री रमेश कटारा उपस्थित रहेंगे।

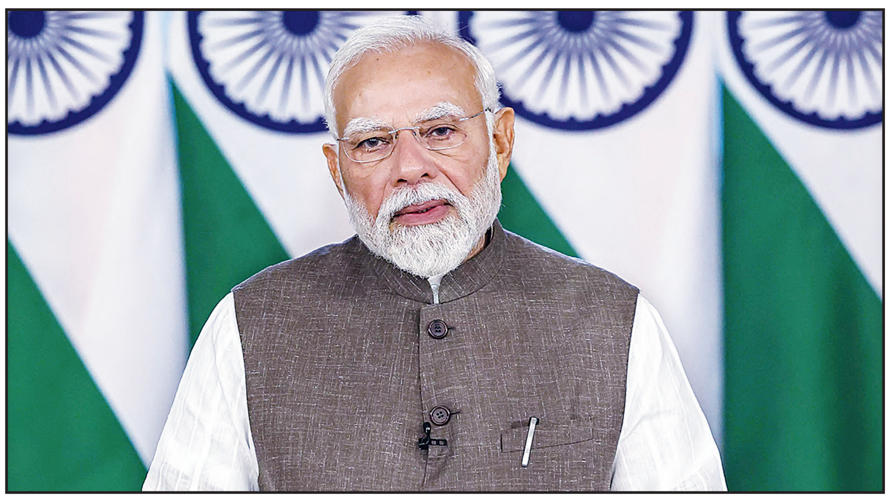

इस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री पीएम-किसान के साथ-साथ विभिन्न कृषि और बागवानी योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता और स्वीकृति पत्र वितरित करेंगे। कृषि मंत्री जीतू वघानी ने विवरण साझा करते हुए कहा कि 21वीं किस्त के तहत देश भर के 9 करोड़ से अधिक किसानों को 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता मिलेगी।

इसमें से गुजरात के 49.31 लाख से अधिक किसान परिवारों को 986 करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाएंगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अलावा सभी आईसीएआर संस्थान, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र भी स्थानीय कार्यक्रमों की मेजबानी करेंगे और प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण करेंगे। इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में किसानों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। बता दें कि पीएम-किसान योजना ने भारत भर के 11 करोड़ से ज़्यादा किसान परिवारों को 20 किस्तों के माध्यम से 3,91,000 करोड़ रुपए से अधिक की आर्थिक मदद प्रदान की है।

गुजरात के किसानों को भी इससे काफी लाभ हुआ है, जिन्हें पिछली किस्तों के माध्यम से 21,000 करोड़ रुपए से अधिक प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) भारत सरकार द्वारा छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई एक राष्ट्रव्यापी आर्थिक मदद योजना है। इस पहल का उद्देश्य किसानों के लिए कृषि और घरेलू जरूरतों को पूरा करने, उनके वित्तीय तनाव को कम करने और प्रमुख कृषि मौसमों से पहले उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए एक स्थिर आय सुनिश्चित करना है।

महाराष्ट्र: पीएमएलए मामले में नवाब मलिक के खिलाफ आरोप तय, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया 'निर्दोष'

मुंबई,18 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक के खिलाफ भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े धन शोधन के एक मामले में आरोप तय किए। मलिक ने खुद को निर्दोष बताया। सांसदों-विधायकों के मामलों के विशेष न्यायाधीश सत्यनारायण नवंदर ने मलिक और अन्य आरोपियों के निर्दोष होने की दलील सुनने के बाद उनके खिलाफ आरोप तय किए और उन्हें पढ़कर सुनाया।इस मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और उनके परिवार के सदस्यों की ओर से संचालित कंपनियां आरोपी हैं। अब सभी आरोपियों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के संबंधित प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। मलिक के खिलाफ ईडी का मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। इब्राहिम एक नामित वैश्विक आतंकवादी और 1993 के मुंबई सीरियल बम विस्फोटों का एक प्रमुख आरोपी है। ईडी ने इस मामले में मलिक को फरवरी, 2022 में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से मिली मेडिकल जमानत पर हैं।

सेना प्रमुख ने किया अग्रिम चौकियों का दौरा, सिक्किम के मुख्यमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली,18 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना सीमावर्ती इलाकों व अग्रिम सैन्य चौकियों पर निगरानी के लिए आधुनिक ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। खास बात यह है कि निगरानी में इस्तेमाल होने वाले ये ड्रोन स्वदेशी हैं और भारत में ही विकसित किए गए हैं। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को सिक्किम की अग्रिम चौकियों पर इन ड्रोन सिस्टम्स के प्रदर्शन का आंकलन किया। थल सेना प्रमुख, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को ब्लैक कैट डिविजन की अग्रिम चौकियों का दौरा किया है। सिक्किम में मौजूद रहे सेनाध्यक्ष ने यहां जवानों की परिचालन तैयारियों का प्रत्यक्ष आकलन किया। इस दौरान उन्हें सैन्य फॉर्मेशन की ऑपरेशनल रेडीनेस तथा क्षमता-वृद्धि के लिए की गई विभिन्न पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अग्रिम सैन्य चौकियों पर पहुंचने के दौरान सेना प्रमुख ने स्वदेशी तौर पर विकसित किए गए ड्रोन सिस्टम का प्रदर्शन भी देखा। विभिन्न श्रेणियों के ये ड्रोन सिस्टम अग्रिम सैन्य चौकियों के आस-पास व अन्य क्षेत्रों में निगरानी रखने की क्षमता और ऑपरेशनल प्रभावशीलता को मजबूत कर रहे हैं। सेना प्रमुख ने यहां कठिन एवं दुर्गम पहाड़ी इलाकों में तैनात जवानों से बातचीत की और उनके अद्भुत पेशेवर कौशल, दृढ़ संकल्प तथा कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की।सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सिक्किम यात्रा के दौरान यहां मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से उनके आधिकारिक निवास पर मुलाकात भी की। बैठक में पूर्वी सेना के कमांडर इंचार्ज, त्रिशक्ति कोर के जीओसी तथा ब्लैक कैट डिविजन के जीओसी भी उपस्थित थे।सेना प्रमुख व अन्य वरिष्ठ सैन्य कमांडरों से वार्ता के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना प्रमुख का यह दौरा सिक्किम के अग्रिम इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। दोनों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, रणभूमि-दर्शन, मिलिट्री-सिविल फ्यूजन, तथा सिक्किम के पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार एवं भारतीय सेना द्वारा रणभूमि-दर्शन, सिविल प्रशासन, मिलिट्री-सिविल फ्यूजन, और सिविल डिफेंस उपायों के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरा राज्य भारतीय सेना के अनुशासन, समर्पण, और राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा में निभाई जा रही अहम भूमिका के लिए उनका आभारी है।गौरतलब है कि पिछले दिनों रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। 15 से 17 नवंबर उन्होंने अग्रिम इलाकों का व्यापक दौरा किया। रक्षा सचिव की इस यात्रा का उद्देश्य सीमा क्षेत्रों में सैन्य तैयारियों, सुरक्षा स्थिति, तथा अवसंरचना विकास परियोजनाओं की प्रगति का जमीनी मूल्यांकन करना था। वह पिथौरागढ़ स्थित फॉरवर्ड इलाके में पहुंचे थे। यहां उन्हें परिचालन मामलों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

उज्जैन के आसपास किसानों की जमीन पर निर्माण की गतिविधि स्वीकार नहीं : राकेश टिकैत

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बुधवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन के आसपास किसानों की जमीन पर जारी निर्माण पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन पर जारी निर्माणधीन गतिविधियों को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध हो रहा है। किसान इसका विरोध कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कोई और नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) का किसान संगठन भारतीय किसान संगठन कर चुका है। ध्यान देने वाली बात है कि इससे पहले भी यह संगठन किसान आंदोलन की अगुवाई कर चुका है और कई मुद्दों पर हमारा साथ दे चुका है। उन्होंने कहा कि जब कभी भी किसानों के ऊपर कोई संकट आया तो आरएसएस का किसान संघ हमारे साथ खड़ा रहा। उसने हमारे मुद्दों को लेकर सुर में सुर मिलाने का काम किया। यह हमारे लिए कई बार राहत का सबब बनकर उभरा है, जिसकी हम तारीफ करते हैं। राकेश टिकैत ने कहा कि आज भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का किसान संगठन हमारे साथ खड़ा है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि जब कभी-भी किसान भाइयों के बीच किसी भी प्रकार का संकट पैदा होगा, तो वो हमारे साथ खड़े होंगे। हमारे मांगों को लेकर पुरजोर तरीके से केंद्रीय स्तर पर पहुंचान की कोशिश करेंगे। हम किसान संगठन के इस रुख का स्वागत करते हैं।उन्होंने कहा कि आरएसएस का किसान संगठन पहले भी ट्रैक्टर मार्च निकाल चुका है। अभी मौजूदा समय में वहां पर सिंहस्थ के नाम पर किसान भाइयों की जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है। अगर किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है, इन जमीनों का अधिग्रहण करके वहां पर होटल, धर्मशाला और मठ का निर्माण किया जाएगा तो इससे लोगों के बीच में किसी भी प्रकार के रोजगार का साधन विकसित नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मेरा यही कहना है कि अगर आपको किसानों की जमीन को अधिग्रहण करना है, तो इससे पहले उन्हें उचित मुआवजा दें ताकि उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके। लेकिन, मौजूदा समय में जिस तरह से किसानों के हितों पर कुठाराघात करते हुए उनकी जमीन हथियाई जा रही है, वो बिल्कुल गलत है। इसकी हम निंदा करते हैं और इसके खिलाफ जिस तरह से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, उसका हम स्वागत करते हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इसे लेकर व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

भारत मौत की सजा पाई शेख हसीना का प्रत्यर्पण क्यों नहीं करेगा, बांग्लादेश से टकराव के मूड में मोदी सरकार

ढाका,18 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की एक अदालत ने शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अत्याचार के कथित आरोपों में मौत की सजा सुनाई है। हालांकि, इस मामले में सुनवाई के दौरान शेख हसीना ने न तो अपना पक्ष रखा और ना ही उनकी तरफ से कोई वकील पेश हुआ। इसके बाद शेख हसीना के कट्टर विरोधी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने उनके लिए मौत की सजा तय कर दी। पिछले साल जुलाई-अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेशी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसक कार्वाई की थी। इसके बाद उनके खिलाफ हिंसा भड़क गई और शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। वह तब से भारत में शरण ली हुई हैं और यहीं से समय-समय पर अपने समर्थकों को संबोधित भी करती हैं।बांग्लादेश ने कई बार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है। हालांकि, भारत ने बांग्लादेश के इस प्रस्ताव को मानने की अनिच्छा दिखाई है। हसीना के रहने के कारण ही दोनों देशों के संबंधों में तनाव है। हालांकि भारत हसीना के बाद के ढाका के साथ साझेदारी बनाने के लिए उत्सुक है। इस बीच कई भू-राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि वे ऐसे परिदृश्य की कल्पना नहीं कर सकते जिसमें भारत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंप दे।

बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना, शेख मुजीबुर रहमान की सबसे बड़ी बेटी हैं, जिन्होंने 1971 में पाकिस्तान से आज़ादी की लड़ाई का नेतृत्व किया था।

अमेरिका से भारत लाया जा रहा बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का आरोपी, आईजीआई एयरपोर्ट पर विशेष टीमें तैनात

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुख्य साजिशकर्ता माने जा रहे गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। वह बुधवार सुबह करीब 10 बजे दिल्ली पहुंच जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां उसकी प्रत्यर्पण यात्रा पर नजर बनाए हुए हैं और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर कई विशेष टीमों की तैनाती कर दी गई है। अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से औपचारिक रूप से डिपोर्ट किया जा चुका है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि उसकी रवानगी और दिल्ली पहुंचने की प्रक्रिया तय हो चुकी है। अनमोल, कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई है और कई राज्यों में उसके खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। फिलहाल चर्चा इस बात पर चल रही है कि कोर्ट में पेशी के बाद उसे किस एजेंसी की हिरासत में दिया जाएगामृतक नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को भी अमेरिकी अधिकारियों की ओर से ईमेल मिला है। ईमेल में उन्हें बताया गया कि अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से डिपोर्ट कर दिया गया है।

नीतीश की शपथ से पहले डिप्टी सीएम पर सस्पेंस, बिहार में कौन बनेगा उपमुख्यमंत्री?

पटना,18 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में सीएम की कुर्सी फिक्स है। नीतीश कुमार को हिलाने वाला फिलहाल कोई नहीं है। उनके जूनियर पार्टनर बदलते रहते हैं। बीजेपी ने 'डिप्टी' के ओहदे को लेकर कई प्रयोग किए हैं। नए-नए लोगों को मौका दिया गया। सुशील मोदी को छोड़कर कोई रिपीट नहीं हुआ। जब-जब नीतीश कुमार के साथ पार्टनरशिप में बीजेपी की सरकार बनी, डिप्टी सीएम बदले गए। अबकी बार क्या होगा, सियासी गलियारे में जबर्दस्त अटकलें लगाई जा रही है। NDA की प्रचंड जीत के बाद 20 नवंबर को नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी जोरों पर है।

हालांकि, इस शपथ ग्रहण से पहले राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा उपमुख्यमंत्री के पद को लेकर हो रही है। भाजपा के हिस्से में आने वाले इस महत्वपूर्ण पद को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। रेस में कई प्रमुख नाम चल रहे हैं। भाजपा आलाकमान इस बार जातीय समीकरणों, वरिष्ठता और प्रशासनिक अनुभव को ध्यान में रखते हुए इस पद पर अंतिम मुहर लगाएगा, जिससे उपमुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर सस्पेंस बना हुआ है।सम्राट चौधरी: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे और मौजूदा डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी अपनी मजबूत सांगठनिक पकड़ और ओबीसी चेहरा होने के कारण प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।विजय सिन्हा: विधानसभा अध्यक्ष के रूप में सफल कार्यकाल और मौजूदा डिप्टी सीएम अगड़ी जाति का प्रतिनिधित्व करने वाले विजय सिन्हा भी इस पद के लिए महत्वपूर्ण दावेदार हैं।प्रेम कुमार: गया टाउन से लगातार नौ बार विधायक और कई विभागों के मंत्री रहे वरिष्ठ नेता डॉ प्रेम कुमार के नाम पर भी विचार किया जा रहा है, जिनका लंबा विधायी और प्रशासनिक अनुभव है।

यूपी में बड़ा हादसा:

पुल पर दो बसें आमने सामने टकराईं, एक नेपाली महिला की मौत, 35 घायल, 23 की हालत गंभीर

धौरहरा,18 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के लखीमपुर खीरी स्थित ईसानगर थाना क्षेत्र के रंजीत नगर पुल पर शिमला जा रही मिनी बस की सामने से आ रही दूसरी बस से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे दोनों बसों में सवार करीब 35 यात्री घायल हो गए। जबकि एक नेपाली नागरिक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची ईसानगर और खमरिया पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी खमरिया और धौरहरा भेजा। ईसानगर थाना क्षेत्र के रंजीत नगर पुल पर रूपैडिया बहराइच और श्रावस्ती से सवारियां लेकर मिनी बस शिमला जा रही थी, जो लखनऊ से धौरहरा वापस आ रही एक प्राइवेट बस जो धौरहरा आ रही थी आमने सामने टकरा गई। दोनों बसों में सवार करीब 35 यात्री घायल हो गए। सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष ईसानगर निर्मल तिवारी और खमरिया कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ओपी राय, प्रभारी निरीक्षक धौरहरा शिवाजी दुबे,सीओ धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह ने एम्बुलेंस की मदद से घायल जलवर्षा (55) जय वर्षा (50) आरती(25) रामावती (55) और उमाकांत (30) तीन अज्ञात घायलों को धौरहरा सीएचसी भेजा। जहां डाक्टर ने सभी की गंभीर घायल देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं खमरिया सीएचसी लाए गए 30 घायलों में प्रशांत जंगी (16), आशा (30), सुदीपन (35), चंपा (40), संगीता (42), धन माया (40), राजबहादुर कुशरी (35), दीपा (13) निवासी गण नेपाल राष्ट्र सहित 15 नेपाली नागरिक हैं। एक नेपाली महिला की सीएचसी खमरिया में मौत हो गई। जबकि गंभीर 15 घायलों को लखीमपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। एक नेपाली अज्ञात महिला की मौत हो गई है जबकि 17 घायलों का इलाज चल रहा है। शेष मामूली घायल थे जो आसपास के सीएचसी में इलाज कराने के बाद चले गए है।

दिल्ली विस्फोट से एक हफ्ते पहले अपने घर आया था फिदायीन डॉ.उमर नबी, भाई को थमाया था अपना फोन

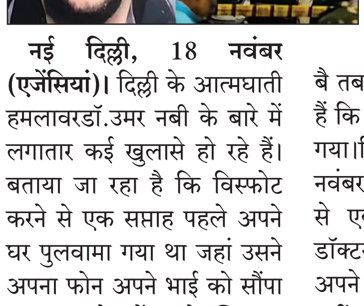

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के आत्मघाती हमलावरडॉ.उमर नबी के बारे में लगातार कई खुलासे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि विस्फोट करने से एक सप्ताह पहले अपने घर पुलवामा गया था जहां उसने अपना फोन अपने भाई को सौंपा था। इस फोन में उसके खिलाफ कई अहम सबूत मिल सकते हैं। एनडीटीवी ने अपने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

एनडीवी को अपने सूत्रों के हवाले से से यह भी पता चला है कि जिस फोन को उमर ने अपने भाई को सौंपा उसी में उसने सुसाइड बॉम्बिंग वाला वीडियो रिकॉर्ड किया था। मंगलवार को जब से डॉक्टर नबी का एक वीडियो सामने आया बै तब से अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह वीडियो कब सूट किया गया।रिपोर्ट के मुताबिक 10 नवंबर को दिल्ली में ब्लास्ट करने से एक महीने पहले आतंकी डॉक्टर उमर नबी पुलवामा में अपने परिवार के घर गया था। वहीं जब वह फरीदाबाद जाने लगा तो अपने दो फोनों में से एक अपने भाई को दे दिया था। बता दें कि आतंकी उमर नबीअल फलाह विश्वविद्यालय में जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत था।

कार्टून कॉर्नर

भोजन शाला निर्माण के विशिष्ट सहयोगी बनने पर महेंद्र कुमार चोपड़ा का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय साधुमार्गी शांत क्रांति श्रावक संघ की कर्नाटक शाखा के जयपुर में नव निर्माणाधीन नवकार भवन में भोजन शाला निर्माण के विशिष्ट सहयोगी बनने पर पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कुमार चोपड़ा का सम्मान किया। गोडवाड भवन के अतिथि भवन के सभागार में आयोजित विशेष सभा में संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लूणावत एवं वरिष्ठ सदस्य बाबूलाल दक ने चोपड़ा को साफा पहना कर शाल माला से सम्मानित करते हुए उनके अनुदान की प्रशंसा की। संघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि चोपड़ा ने पूर्व में भी दुर्ग छत्तीसगढ़ में भी नवकार भवन निर्माण में अच्छा सहयोग दिया था। शांत क्रांति संघ के तत्वावधान में संघ के भवनों की नवकार भवन नाम से पहचान है। संघ नायक आचार्य विजयराज जी द्वारा इस वर्ष को पौषध आराधना वर्ष घोषित करने के संदर्भ में कर्नाटक शाखा ने ज्यादा से ज्यादा पौषध का प्रचार और प्रेरणा का संकल्प लिया। इस वर्ष दिसंबर में सामूहिक पौषध और पारणा कराने का निर्णय लिया। महेंद्र चोपड़ा पारणा लाभार्थी रहेंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि कर्नाटक के अनेक क्षेत्रों का दौरा कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। सभा में प्रांतीय कार्याध्यक्ष धर्मीचंद कांठेड़, गौतमचंद ओस्तवाल, गौतमचंद गुगलिया, गौतमचंद छाजेड़, प्रसन्नचंद सेठिया, राजेंद्र कोठारी, कांतिलाल गुगलिया, मनोज गुगलिया उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

गुरु भगवंतों को कमंडल अर्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन बेंगलूरु नॉर्थ की टीम द्वारा पूज्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी को हासन के पास कमंडल अर्पण किए गए। ये कमंडल दक्षिण अफ्रीका से अजय जैन (दिल्ली) द्वारा मंगवाए गए थे तथा दिल्ली में तैयार करवाकर बेंगलूरु भेजे गए। इस वर्ष आपका चातुर्मास श्रवणबेलगोला में संपन्न हुआ। कमंडल सुपूर्द करने के अवसर पर जीतों श्रमण आरोग्यम के संयोजक दिनेश खीवेंसरा, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश लोढ़ा तथा जीतों सदस्य रूपचंद कुमट एवं कांतिलाल गुगलीया उपस्थित रहे। सभी ने विहार सेवा का लाभ लिया तथा गुरु भगवंतों से अहिंसा धर्म पर विस्तृत चर्चा की। गुरु भगवंतों ने जीतों के इस सेवाभावी कार्य की सराहना करते हुए सभी को धर्म संदेश प्रदान किया और मंगल आशीर्वाद दिया। विहार सेवा में रविन्द्र पाटिल एवं उनकी टीम का निरंतर सहयोग गतिमान है। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने बताया कि आगामी फरवरी माह में महाराष्ट्र में पूज्य विद्यासागर जी का आचार्य पद पर पदारोहण होने जा रहा है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अय्यप्पा स्वामी देवस्थान उल्लाल में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने वहां पहुंचकर दर्शन किए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान अय्यप्पा स्वामी के दर्शन कर अन्नदान सेवा दी एवं श्रद्धालुओं का जत्था, जो सबरीमालै के लिए रवाना हुआ, को शुभकामनाएं अर्पित की।

श्री अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा 2 का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में राष्ट्रीय उपाध्यक्षा आरती जैन के नेतृत्व में श्री अखिलभारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा 2 का गठन किया गया। सर्वसम्मति से चेयरपर्सन मीना मेहता एवं अध्यक्षा पद पर अनिता गोलिया, उपाध्यक्षा रेनू पालरेचा, मंत्री डिम्पल छाजेड़, सहमंत्री नीरू गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष सीमा बोथरा, प्रचार प्रसार मंत्री प्रियंका दफ्तरी को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभ सुरीश्वरी जी का मंगल आशीर्वाद संदेश भी प्राप्त हुआ।

अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा की चेयरपर्सन किरण ललवानी, अध्यक्षा आरती जैन, मंत्री, रेखा चोपड़ा प्रचार प्रसार मंत्री विकि बाफना सहित कई सदस्याएं उपस्थित रही। राष्ट्री उपाध्यक्षा आरती जैन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई सहित यशस्वी कार्यकाल हेतु हार्दिक मंगल शुभकामनाएं प्रस्तुत करते हुए अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद के कार्यो की विस्तारपूर्ण जानकारी देकर सभी को धार्मिक, मानवसेवा जीवदया, सामाजिक, व्यवहारिक आदि कार्य मे जुड़ने की प्रेरणा दी। परमेश्वरी संखलेचा ने बताया कि अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के गठन पर 85 महिलाओं ने सदस्याय प्राप्त की। नवनिर्वाचित पदाधिकारियो ने आभार प्रकट किया।

लोगों को यातायात नियमों का सही और अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए: विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक सुरेश कुमार ने मंगलवार को राजाजीनगर के भाष्यम सर्कल में यातायात नियमों, यातायात पुलिस की समस्याओं और यातायात सिग्नल की समस्याओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए यातायात पुलिसकर्मी के रूप में काम किया। इस अवसर पर बोलते हुए, विधायक ने कहा कि उन्होंने यातायात पुलिसकर्मी के रूप में इसलिए काम किया क्योंकि पुलिस विभाग ने उन्हें आमंत्रित किया था। लोगों को यातायात नियमों का सही और अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में वृद्धि का मतलब है कि जनता यातायात नियमों का सख्ती से पालन नहीं कर रही है। उन्हें आईएसआई चिन्ह वाले हेलमेट पहनने चाहिए, तेज गति से वाहन नहीं चलाना चाहिए, जेबरा क्रॉसिंग पर गाड़ी नहीं पार्क करनी चाहिए और यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। अगर लोग यातायात नियमों का पालन करेंगे, तो दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आएगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना भरने में लापरवाही न करें। उन्होंने कहा कि अगर आप दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, तो आपको जीवन भर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस अवसर पर यातायात पुलिस निरीक्षक एस. मोहम्मद अली, उप-निरीक्षक नंजय्या, हेड कांस्टेबल अकरम पाशा, राघवेंद्र और लोकेश मौजूद थे।

एटीडीसी श्रीरामपुरम को सर्वश्रेष्ठ डायग्नोस्टिक सेन्टर से सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीरामपुरम का चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्यों का मूल्यांकन करते हुए अखिल भारतीय ओसवाल जैन परिषद बेंगलूरु द्वारा टाउन हॉल में आयोजित 21वें राष्ट्रीय सम्मान समोराह में एटीडीसी - श्रीरामपुरम को सर्वश्रेष्ठ डायग्नोस्टिक सेन्टर से सम्मानित किया गया। कर्नाटक के पूर्व न्यायाधीश बी.कृष्णराज भट, ओसवाल जैन परिषद के संस्थापक चेयरमैन रायचन्द खटेड़, राष्ट्रीय अध्यक्ष पृथ्वीराज वेद मेहता, राष्ट्रीय महामंत्री जयचन्द रांका, सहमंत्री भूपेंद्र भाणावत एवं अन्य पदाधिकारीगण द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर से सम्मान ग्रहण करने के लिए अभूतपूर्व अध्यक्ष मनोज मेहता, अभूतपूर्व अध्यक्ष अरविंद गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोरडिया एवं राजेश देरासरिया की उपस्थिति रही।

मनुष्य जैसे कर्म करता है उसे वैसे ही फल की प्राप्ति होती है: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि मनुष्य जैसे कर्म करता है उसे वैसे ही फल की प्राप्ति होती है। अशुभ कर्म करके हम शुभ फल की प्राप्ति नहीं कर सकते है। मनुष्य निश्चिय और व्यवहार में जीता है। जब निश्चय होता है तब उसी अनुरूप व्यवहार होता है और हम किसी को अपना सम्बन्धी मान लेते है। आत्मा अमूर्त होती है जिसे महसूस किया जा सकता है। बाहरी रूप से देखा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आत्मा व शरीर का भेद समझे बिना मनुष्य को मुक्ति प्राप्त नहीं हो सकती। जिसने आत्मा को पहचान लिया वह महापुरुष बन गया और जो आत्मा व शरीर में भेद नहीं कर पाया वह संसार सागर में भटक रहा है। जैसी हमारी भावना होगी वैसे ही फल की प्राप्ति होगी। भाव शुद्ध होने पर फल भी शुद्ध ही मिलेगा। इसीलिए हमेशा इंसान की भावना को महत्व देना चाहिए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि धर्म की कमाई सुख व बरकत देंगी जबकि पाप की कमाई घर में दुःख व दरिद्रता लाएगी। इसलिए हमेशा पाप की कमाई से दूर रहना चाहिए। पुण्यवानी होने पर ही किसी मनुष्य को सुखों की प्राप्ति होती है। धर्म की कृपा जिस पर हो जाती है उसे परमात्मा सब कुछ देता है। जो धर्म से दूर हो जाता है उसके जीवन में कष्ट व संकट का आगमन होने लगता है। इसलिए धर्म से जुड़े रहकर आत्मशुद्धि में लगे रहे।

टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु डिवीजन की नाटक टीम ने हाल ही में हुब्बल्ली में आयोजित क्षेत्रीय रेलवे हिंदी नाटक प्रतियोगिता में अपनी असाधारण कलात्मक प्रतिभा और टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। टीम ने हिंदी नाटक 'अहिंसा की विजय' प्रस्तुत किया, जो मूल रूप से श्रीहर्ष द्वारा लिखित संस्कृत नाटक 'नागानंद' का एक सशक्त रूपांतर है। हिंदी संस्करण प्रवीण कुमार सुरपुर द्वारा लिखित और सी.पी. श्रीधर द्वारा निर्देशित था। शीर्ष सम्मान जीतकर, बेंगलूरु डिवीजन की टीम ने राष्ट्रीय स्तर की हिंदी नाटक प्रतियोगिता में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त किया है। कलाकारों में गंगाधर के.एन., नवीन कुमार साहा, प्रतिभा शेट्टी, किरण कुमार, महालक्ष्मी नाइक, सोनी कुमारी, वसंत, अंकित कुमार मिश्रा और हीरालाल कुमार शामिल थे, जिनके प्रभावशाली प्रदर्शनों को दर्शकों और निर्णायकों से भरपूर प्रशंसा मिली। मोहन लाल के भावपूर्ण गायन, सतीश द्वारा वेशभूषा डिजाइन, नवीन कुमार जे.के. द्वारा मंच सज्जा और सी.पी. श्रीधर ने नाटक की सफलता में योगदान दिया।

व्यक्तित्व विकास का मूल मंत्र जीवन विज्ञान : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणाजी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशाजी ने सानुमंगला विद्यालय के छात्रों को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा विद्यार्थी विद्या अर्जन हेतु विद्यालयों में अध्ययन करते हैं। अध्ययन करके कोई डॉक्टर बनता है, कोई इंजिनियर बनता है, कोई टीचर, कोई चार्टड एकाउंटेंट तो कोई वकील बनता है। इन सबके साथ अच्छा इन्सान बनना जरूरी है। अच्छा इंसान बनने के लिए साध्वीश्री ने बच्चों को जीवन विज्ञान के कुछ प्रयोग बताये जिससे वे अपने इमोशन पर नियंत्रण रख सके। इसके साथ साथ बच्चों को सदा सच बोलने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री ने कहा ईमानदारी, सदाचार, गुरुजनों के प्रति विनम्रता, माता-पिता का सम्मान, परीक्षा में नकल न करना तथा सबके साथ मैत्री भाव रखना, ये अच्छे इंसान बनने के सद्गुण है, जिन्हें अपनाने से जीवन में उच्च एवं अच्छे संस्कार आते है। ईगलटन से समागत सारिका नाहटा ने बच्चों को साध्वी का परिचय देते हुए स्थानीय कन्नड़ भाषा में अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के बारे में बताया। इस अवसर पर पदम खटेड़, सुनील नाहटा, गुलाब बाई, सुशीला बाई, प्रमिला छाजेड़, मिट्ठु बाई खटेड़, कुशल देवड़ा आदि उपस्थित थे।

मंत्री ने बौद्ध सांस्कृतिक केंद्र के लिए 10 करोड़ के अनुदान का आश्वासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वन एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने आश्वासन दिया कि बीदर जिले के अंदुर गांव में एक बौद्ध सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण के लिए कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) से 10 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया जाएगा। अंदुर बुद्ध विहार में आनंद बोधि महास्तूप की 12वीं वर्षगांठ पर बौद्ध सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए खंड्रे ने कहा कि सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण संबंधित अधिकारियों के परामर्श से, महाराष्ट्र के कलबुर्गी या उदगीर स्थित बुद्ध विहार के वास्तुशिल्प मॉडल के अनुरूप किया जाएगा। बौद्ध शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए खंड्रे ने कहा कि गौतम बुद्ध के सिद्धांतों का पालन करने से समाज और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शांति, सद्भाव और स्थिरता आती है। नगर प्रशासन एवं हज मंत्री रहीम खान ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। भिक्षु भंते धम्मानंद, भंते ज्ञान सागर, भंते संघ रक्खिता और भंते ज्ञान प्रकाश भी उपस्थित थे।

शिखर सम्मेलन के 28वें संस्करण का उद्घाटन

स्टार्टअप नीति से 5 साल में 25,000 नए रोजगार सृजित होंगे: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि नई स्टार्टअप नीति अगले पांच वर्षों में 25,000 नए रोजगार सृजित करेगी। बेंगलूरु प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के 28वें संस्करण का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य में कर्नाटक की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। लगभग तीन दशकों से, बेंगलूरु टेक समिट दुनिया के लिए एक प्रकाश स्तंभ रहा है, एक ऐसा स्थान जहां विचार और तकनीकें मिलती हैं। साझेदारियां बनती हैं, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि दुनिया किस दिशा में जा रही है। इस वर्ष, सम्मेलन का विषय है भविष्यीकरण, अज्ञात को आकार देना, अकल्पनीय को मापना और दुनिया को आगे बढ़ाना। इस सम्मेलन में 600 से ज्यादा वैश्विक वक्ता, 1,200 से ज्यादा प्रदर्शक, 60 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधिमंडल और हजारों नवप्रवर्तक शामिल होंगे जो यह तय करेंगे कि दुनिया के लिए प्रौद्योगिकी का अगला दशक कैसा होगा। यह सम्मेलन शिक्षा जगत को उद्योग जगत से जोड़ता है। यह स्टार्टअप्स को निवेशकों से, अग्रणी शोधकर्ताओं को नीति निर्माताओं से और वैश्विक बाजारों को कर्नाटक की बौद्धिक एवं उद्यमशील प्रतिभा से जोड़ता है। अगली डिजिटल क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और हरित प्रौद्योगिकियों से प्रेरित होगी। बेंगलूरु नवाचार, प्रतिभा, अनुसंधान और तकनीकी नेतृत्व का एक वैश्विक केंद्र है। हमारे पास 85 विश्वविद्यालय, 243 इंजीनियरिंग कॉलेज और लगभग 1,800 आईटीआई हैं, और हमारी बेरोजगारी दर 4.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हमारे पास आईआईएससी, आईआईएम-बी, आईआईआईटी, एससीबीएस, जेएनसीएएसआर, एनआईएमएचएनएस, डीआरडीओ, इसरो जैसी उत्कृष्ट प्रयोगशालाएं हैं, जो एक अद्वितीय बौद्धिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती हैं। कर्नाटक में 16,000 से अधिक स्टार्टअप हैं। भारत के कुल स्टार्टअप में इसकी हिस्सेदारी 47 प्रतिशत है। आईटी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है। इसका मूल्य 3.2 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, रक्षा, बायोटेक, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, एनीमेशन और गेमिंग तथा डीप-टेक का एक प्रमुख केंद्र है। कर्नाटक ने नीतिगत नवाचार में हमेशा भारत का नेतृत्व किया है। 1997 में भारत की पहली आईटी नीति तैयार करके हम अग्रणी रहे हैं। आज के शिखर सम्मेलन में, हम कर्नाटक सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2025-2030, स्पेसटेक नीति 2025-2030 और स्टार्टअप नीति 2025-2030 का अनावरण कर रहे हैं। डेटा-संचालित, उभरती हुई तकनीक के साथ, नई कर्नाटक सूचना प्रौद्योगिकी नीति का उद्देश्य राज्य को नवाचार और डीप-टेक के वैश्विक केंद्र में बदलना है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य 2034 तक भारत को एक अग्रणी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है, जिसकी राष्ट्रीय बाजार में 50 प्रतिशत और वैश्विक बाजार में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी हो। हम डीप साइंस और उन्नत इंजीनियरिंग के साथ भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान, एनीमेशन और रोबोटिक्स में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा हमने क्वांटम तकनीकों के लिए एक समर्पित रोडमैप तैयार किया है। उद्योगों को बेंगलूरु से आगे दूसरे दर्जे के शहरों में भी ले जाया जा रहा है। यह सिर्फ एक आर्थिक रणनीति नहीं है, बल्कि समतामूलक विकास के प्रति प्रतिबद्धता है। हर जिले को डिजिटल युग के अवसरों तक पहुंच मिलनी चाहिए। हमारे यहां पारदर्शिता और स्थिरता है। यही कारण है कि कर्नाटक निवेशकों के लिए एक बेहद विश्वसनीय गंतव्य है।

बेंगलूरु में 14 अवैध पीजी आवास सील

पूर्वी नगर निगम ने व्यापार लाइसेंस अभियान शुरू किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्वी नगर निगम ने बेंगलूरु में बिना वैध ट्रेड लाइसेंस और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एस-ओपी) का उल्लंघन करने वाले पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों पर कार्रवाई शुरू की है। अधिकारियों की एक टीम ने आवासीय क्षेत्रों में कई स्थानों का निरीक्षण किया और पाया कि 14 पीजी आवास जोनिंग नियमों का उल्लंघन करते हुए व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे थे और जीबीए अधिनियम, 2024 के तहत निर्धारित शर्तों का पालन नहीं कर रहे थे।

इन 14 पीजी को सील कर दिया गया। पूर्वी क्षेत्र आयुक्त डी.एस. रमेश ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों को अवैध प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और साथ ही ट्रेड लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए एक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए, पूर्वी क्षेत्र ने 10 से 15 नवंबर तक अपने 17 वार्ड कार्यालयों में एक विशेष ट्रेड लाइसेंस अभियान चलाया। पूर्वी नगर निगम आयुक्त के अनुसार, इस अभियान के दौरान, 466 व्यवसाय मालिकों ने एकल खिड़की प्रणाली के तहत 25.52 लाख का संयुक्त शुल्क अदा किया और बिना किसी बिचौलियों की भागीदारी के उसी दिन अपना ट्रेड लाइसेंस प्राप्त कर लिया। निगम ने आवेदन के दिन ही ट्रेड लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था शुरू की है, बशर्ते आ-वेदक वाणिज्यिक किराया समझौता और बिजली बिल जैसे जरूरी दस्तावेज जमा करें। इस प्रक्रिया को और तेज करने के लिए वाणिज्यिक क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

बी.वाई. विजयेंद्र ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेने के लिए कदम उठाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेकर एक और कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने की उम्मीद कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष का पद केवल कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में रिक्त है और इन दोनों राज्यों में किसी भी समय चुनाव होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के नेता बाकी राज्यों के लिए विकल्पों पर विचार करने के बाद घोषणाएं करेंगे। यह समझते हुए कि किसी भी देरी से संगठन को नुकसान होगा और पार्टी में गुटबाजी पैदा होगी, वरिष्ठ नेता जल्द से जल्द कर्नाटक के लिए एक पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त करने के इच्छुक हैं, जो उथल-पुथल की स्थिति में है। बी.वाई. विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दो साल पूरे होने के साथ, अगले तीन वर्षों के लिए पूर्णकालिक अध्यक्ष चुनने के लिए वरिष्ठ नेताओं के बीच एक विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया है। हालांकि एक गुट ने इसका विरोध किया है, लेकिन पता चला है कि पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा को अध्यक्ष पद से हटाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। येदियुरप्पा को विश्वास में लेकर विजयेंद्र को राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए पार्टी का नेतृत्व सौंपने की योजना बना रहे हैं। विजयेंद्र, जो इस बात से वाकिफ हैं, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेकर आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि वह एक और कार्यकाल के लिए अध्यक्ष पद पर बने रह सकते हैं। इसके पहले, उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा से मुलाकात की और उनसे पार्टी संगठन पर सलाह और मार्गदर्शन मांगा। जानकारी के अनुसार, आने वाले दिनों में वह रामचंद्र गौड़ा और डी.एच. शंकरमूर्ति सहित राज्य में भाजपा के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ नेताओं से मिलेंगे और उनका आशीर्वाद लेंगे। इसके अलावा, यह भी खबर है कि वह उन नेताओं से भी मिलेंगे जो विभिन्न कारणों से, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में टिकट न मिलने के कारण अवसरों से वंचित रह गए थे, और उनसे पार्टी को आवश्यक सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करने का अनुरोध करेंगे। राज्य अध्यक्ष की नियुक्ति करते समय, आमतौर पर शीर्ष नेता चुपचाप संबंधित राज्यों के आरएसएस नेताओं, वरिष्ठ नेताओं और सलाहकार बोर्ड के सदस्यों की राय लेते हैं और फिर उचित निर्णय लेते हैं। कर्नाटक के लिए अध्यक्ष पद की घोषणा का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, विजयेंद्र पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की सलाह और सबको विश्वास में लेकर पार्टी का नेतृत्व करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि कुछ लोगों ने विजयेंद्र के चयन पर विरोध जताया है, लेकिन इसे ज्यादा तवज्जो नहीं मिल रही है। 2028 के विधानसभा चुनावों में कर्नाटक में एनडीए की सरकार बननी चाहिए। ऐसे में, कुछ लोगों की पक्ष-विपक्ष की राय के बावजूद, बीवाईवी को जिम्मेदारी दिए जाने की संभावनाएं ज्यादा हैं।

डिजिटल गिरफ्तारी के आरोपी बच नहीं पाएंगे: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में बैठे लोग इतने आगे बढ़ चुके हैं कि तकनीकी रूप से उन्नत अमेरिकियों को भी डिजिटल रूप से गिरफ्तार कर सकते हैं। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि ऐसे आरोपियों को बिना गिरफ्तारी के नहीं छोड़ा जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने बेंगलूरु की एक महिला तकनीकी विशेषज्ञ के मामले पर टिप्पणी की, जिसके साथ डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 32 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी। महिला तकनीकी विशेषज्ञ को एक साल से ज्यादा समय तक डिजिटल रूप से गिरफ्तार किया गया था। 187 से ज्यादा लेन-देन हुआ है। अगर उसने शुरुआत में ही जानकारी दे दी होती, तो कुछ पैसे बच सकते थे। लेकिन ऐसा लगता है कि वह इतनी लाचार थी कि जानकारी नहीं दे सकी। उन्होंने कहा कि हमें 30 करोड़ से ज्यादा की रकम ट्रांसफर होने के बाद जानकारी मिली। हमने इस मामले को गंभीरता से लिया है। अमेरिकी तकनीकी रूप से उन्नत हैं। अगर बेंगलूरु में बैठे लोग अमेरिकियों को डिजिटल रूप से गिरफ्तार कर रहे हैं, तो इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम आरोपियों को पकड़ेंगे। हम उन्हें जाने नहीं देंगे। सांसद तेजस्वी सूर्या की तुमकुरु मेट्रो रेल परियोजना को लेकर चिंताएं बेवजह हैं। हजारों लोग रोजाना तुमकुरु और बेंगलूरु के बीच यात्रा करते हैं। इस बीच, दबास्पेट, नेलमंगला और क्याथासांद्रा इलाके तेजी से विकसित हो रहे हैं। बेंगलूरु में पानी और बिजली हर चीज के लिए एक समस्या है। उन्होंने कहा कि यातायात की भीड़भाड़ के कारण आना-जाना और भी मुश्किल हो गया है। एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र तुमकुरु में 20,000 एकड़ में स्थापित किया जा रहा है। तेजी से विकसित हो रहे तुमकुरु को सड़कों और रेलगाड़ियों सहित विभिन्न संपर्कों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि तभी बेंगलूरु पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि अगर बेंगलूरु के आसपास रामनगर, कोलार और तुमकुरु को उपनगरों के रूप में विकसित किया जाए, तो बेंगलूरु पर दबाव कम होगा और उद्योग व शहरीकरण का विस्तार होगा। उन्होंने दो साल पहले तुमकुरु के लिए मेट्रो परियोजना का प्रस्ताव रखा था।

तब से इस पर चर्चा चल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बजट में कहा कि वह प्रस्तावित परियोजना की समीक्षा करेंगे। तदनुसार, एक व्यवहार्यता अध्ययन किया गया। रिपोर्ट सकारात्मक आई। बाद में, जब उन्होंने एक अलग बैठक की और इस पर चर्चा की, तो डीपीआर को मंजूरी दे दी गई। उन्होंने कहा कि अगला चरण वित्तीय सुविधाओं और परियोजना लागत पर चर्चा है। कतर की एक कंपनी सहित दो कंपनियां 20,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए आगे आई हैं। उन्होंने बताया कि यह परियोजना निजी-सार्वजनिक भागीदारी में क्रियान्वित की जाएगी। मुझे नहीं पता कि तेजस्वी सूर्या के बयान का क्या मतलब था। यहां विवाद की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं विकास के दृष्टिकोण से उनके साथ चर्चा करने के लिए तैयार हूं। हमें राज्य के विकास के दृष्टिकोण से सकारात्मक सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि नकारात्मक प्रतिक्रियाएं पर्याप्त नहीं हैं। जापान जैसे विकसित देशों में, राजधानी टोक्यो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 70 किलोमीटर दूर है, जबकि मलेशिया का कुआलालंपुर हवाई अड्डा लगभग 60 किलोमीटर दूर है। वहां 20 मिनट में पहुंचा जा सकता है। हमें भी ऐसी प्रणालियों की आवश्यकता है। बेंगलूरु ने शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखा है। लोग अलग-अलग कारणों से यहां आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के दिल्ली दौरे से लौटने के बाद मैंने उनसे कोई चर्चा नहीं की है। मंत्रिमंडल में फेरबदल के संबंध में क्या निर्णय लिए गए हैं, यह जानने के बाद मैं बाद में जवाब दूंगा। सिद्धरामैया ने दिल्ली में राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने भी उन्हें पूरी बातचीत के बारे में नहीं बताया।

हाईकोर्ट ने महेश शेट्टी के निष्कासन आदेश को रद्द किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को सौजन्या मामले में पैरवी कर रहे एक प्रमुख कार्यकर्ता महेश शेट्टी के खिलाफ जारी निष्कासन आदेश को रद्द कर दिया और अधिकारियों को मामले पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया। पुत्तूर की सहायक आयुक्त स्टेला वर्गीस द्वारा 18 सितंबर को जारी निष्कासन निर्देश के बाद, शेट्टी को दक्षिण कन्नड़ जिला छोड़कर एक साल के लिए रायचूर जिले के मानवी तालुक में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया था। उन्होंने इस अन्यायपूर्ण और मनमाना कदम को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की। पूर्व में सुनवाई पूरी करने के बाद, न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज की एकल पीठ ने सुरक्षित रखा फैसला सुनाया, जिसमें याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया और निष्कासन आदेश को रद्द कर दिया गया। पीठ ने दूसरे प्रतिवादी के रूप में नामित पुत्तूर के सहायक आयुक्त को मामले पर नए सिरे से विचार करने और कानून के अनुसार उचित आदेश जारी करने का निर्देश दिया। शेट्टी के समर्थकों ने इस फैसले का स्वागत किया है और इसे एक बड़ी राहत और निष्पक्षता की दिशा में एक कदम बताया है। हालांकि अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले का सक्षम प्राधिकारी द्वारा नए सिरे से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। फैसले की विस्तृत प्रति जल्द ही उपलब्ध होने की उम्मीद है।

बेंगलूरु, दिल्ली और गुरुग्राम में गेमिंग कंपनियों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय ने क्रिप्टो करेंसी के जरिए कथित धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, बेंगलूरु और दिल्ली से संचालित दो ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों, विंजो ऐप और गेमजक्राफ्ट के परिसरों की तलाशी ली गई। कुल 11 परिसरों की तलाशी ली गई, जिनमें से पांच बेंगलूरु में, चार दिल्ली में और दो गुरुग्राम में हैं। ईडी के अनुसार इन गेमिंग ऑपरेटरों के कॉर्पोरेट कार्यालय परिसरों के साथ-साथ संबंधित सीईओ, सीओओ, सीएफओ के आवासों पर भी तलाशी ली जा रही है। कुछ लोगों ने इन गेमिंग कंपनियों पर ऐप के एल्गोरिदम में हेरफेर करने और गेमर्स को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। ईडी ने दावा किया, तलाशी के दौरान, हमें पता चला कि प्रमोटरों के पास क्रिप्टो वॉलेट हैं, जो क्रिप्टोकरेंसी के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग का संकेत देते हैं।

मुद्दा उठाने आए कार्यकर्ता को कांग्रेस विधायक ने थप्पड़ मारा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। के.आर. नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक डी. रविशंकर द्वारा एक समस्या उठाने आए एक कार्यकर्ता को थप्पड़ मारने की घटना सामने आई है। मैसूरु जिले के के.आर. नगर तालुक के डोड्डेकोप्पलु गांव में विकास कार्यों का शुभारंभ करते समय महादेव नामक व्यक्ति पर हमला किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान महादेव ने विधायक से गांव के लिए एक डेयरी भवन बनाने की अपील की और विधायक से उनकी बहस हो गई। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेता को थप्पड़ मार दिया और संदेश भेजा, दरवाजे के पीछे बैठो। थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में विधायक महादेव को थप्पड़ मारते और डांटते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, हमले का शिकार हुए महादेव ने यह नहीं कहा कि विधायक ने उन पर हमला किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनावश्यक दुष्प्रचार किया जा रहा है। वह मंच पर गए और डेयरी मुद्दे पर बात की। इस दौरान अलग-अलग गांवों से आए लोग अपनी-अपनी शिकायतें बता रहे थे। जब बात ज्यादा बढ़ गई, तो उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई और मुझे बरप्पा के पास बैठने को कहा। इसके अलावा, विधायक ने उन पर कोई हमला नहीं किया। महादेव ने कहा कि गलतफहमी फैलाई जा रही है।

राजनांदगांव को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

राजनांदगांव, 18 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। राष्ट्रीय जल मिशन कार्यक्रम अंतर्गत राजनांदगांव जिले को एक साथ दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने यह सम्मान प्रदान किया। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रतियोगिता में विभिन्न चरणों के निरीक्षण, पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन के बाद ईस्ट जोन का बेस्ट जिला राजनांदगांव को चुना है।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में यह पुरस्कार जिले के कलेक्टर जितेंद्र यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह ने प्राप्त किया। उसी कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में किए गए सराहनीय प्रयासों के लिए राजनांदगांव को छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के साथ 2 करोड़ रुपये का जल संचय से जनभागीदारी प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह उपलब्धि वर्ष 2022 में प्रारंभ किए गए मिशन जल रक्षा के सफल क्रियान्वयन का परिणाम रही है, जिसमें जिले के नागरिकों, महिलाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, उद्योगपतियों और जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार जिले के तीन विकासखंड भू-जल स्तर के मामले में सेमी-क्रिटिकल जोन में हैं। जिले में 85 प्रतिशत भू-जल सिंचाई, 13 प्रतिशत घरेलू उपयोग और 2 प्रतिशत औद्योगिक उपयोग में हो रहा है।

तेजी से गिरते जल स्तर को देखते हुए जिले ने व्यापक रणनीति के साथ जल शक्ति अभियान को लेकर कई तरह की योजनाएं शुरू की गई हैं। जिले में किए गए प्रमुख नवाचार-रिचार्ज सॉफ्ट बोरवेल एवं सेंड फिल्टर तकनीक द्वारा असफल बोरों मे रिचार्ज का प्रयास, परकुलेशन टैंक में इंजेक्शन वेल तैयार कर वर्षाजल को सीधे वाटर टेबल से जोडना, नए बोरवेल के साथ इंजेक्शन वेल का निर्माण आदि शामिल है।अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में रिचार्ज संरचनाएं और लो-लाइन क्षेत्रों में जल संरक्षण संरचनाएं, संरचनाओं की मरम्मत, संधारण एवं जीआईएस-आधारित योजना निर्माण, इन कार्यों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी दर्ज की गई। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड रायपुर द्वारा इस मामले में लगातार तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- पंचायतों के पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन पर रोक का करेंगे कानूनी अध्ययन

पालमपुर (कांगड़ा), 18 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पंचायतों के पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन पर लगाई रोक को लेकर कानूनी अध्ययन करेगी। जो भी कानून के दायरे में होगा उस पर आगे बढ़ेंगे। मंगलवार को पालमपुर विधानसभा क्षेत्र के गोपालपुर में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पंचायत चुनाव हर हाल में होंगे, लेकिन पहले सरकार की प्राथमिकता हर आपदा प्रभावित परिवार तक राहत पहुंचना है। पूरे प्रदेश के रास्ते जब बहाल हो जाएंगे, तभी चुनाव कराए जाएंगे। सरकार यह नहीं चाहती कि एक भी मतदाता वोट डालने से छूट जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शानन जल विद्युत प्रोजेक्ट की लीज अब खत्म हो गई है और कानून के मुताबिक अब प्रोजेक्ट हिमाचल के पास होना चाहिए। इसे टेकओवर करने का राज्य सरकार के पास पूरा अधिकार है। जो अधिकार कानून में लिखे हैं, हम उनकी ही मांग कर रहे हैं। पंजाब पुनर्गठन के बाद अलग राज्य बने हिमाचल प्रदेश को जनसंख्या तो मिली लेकिन इसके मुख्य स्रोत नहीं मिले। पत्रकारों के सवालों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो बिजली प्रोजेक्ट हिमाचल में बने हैं और कर्ज मुक्त होकर लाभ कमा रहे हैं, उनसे हिमाचल को अब 12 फीसदी के बजाय 50 फीसदी रायल्टी मिलनी चाहिए। यह मामला उन्होंने सोमवार को फरीदाबाद में गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठक में भी उठाया है। इस बैठक में उन्होंने हरियाणा और पंजाब की तरह हिमाचल को भी भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में नियमित सदस्य बनाने की भी मांग उठाई है।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला में इसी माह शुरू हो रहा रहा विधानसभा सत्र काफी लंबा है। सत्र इस साल जल्दी इसलिए बुलाया गया कि इससे कारोबारियों को लाभ हो और उनके होटलों की ऑक्यूपेंसी बढ़े। इससे कांगड़ा के लोगों को भी लाभ होगा। पहले साल के अंतिम दिनों में होने वाले इस सत्र में होटल कारोबारियों को काफी समस्या आती थी। उनहोंने कहा कि ऊपरी और निचला कोई हिमाचल नहीं है, वह हिमाचल को एक आत्म स्वाभिमानी हिमाचल बनाना चाहते हैं।

हिडमा ने नहीं मानी मां की भावुक अपील एक बात मान लेता था जिंदा रहता, 10 नवंबर को मिल गया था लास्ट अल्टीमेटम

सुकमा: छत्तीसगढ़ के बस्तर में खौफ का दूसरा नाम हिडमा एनकाउंटर में मारा गया है। माडवी हिडमा का छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश के बॉर्डर में मंगलवार को एनकाउंटर हुआ। इस मुठभेड़ में हिडमा की पत्नी भी मारी गई है। हिडमा सुकमा जिले के पूवर्ती गांव का रहने वाला है। यह गांव कभी लाल आतंक का गढ़ होता था लेकिन अब यहां सुरक्षाबलों को दबदबा है। अगर हिडमा 10 नवंबर की अपनी मां की एक अपील को मान लेता तो शायद जिंदा होता।सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के अंतर्गत पूवर्ती गांव आता है। 10 नवंबर को डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने इस गांव का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने नक्सली हिडमा और देवा की मां से मुलाकात की थी। इस दौरान डेप्युटी सीएम ने दोनों नक्सलियों की मां से हाथ जोड़कर कहा था कि अपने बेटों से कहिए की वह सरेंडर कर दें। इसके बाद डेप्युटी सीएम ने देवा और हिडमा की मां के साथ खाना खाया था। विजय शर्मा की अपील के बाद हिडमा की मां ने अपने बेटे से नक्सली संगठन छोड़ने की अपील की थी। हिडमा की मां माड़वी पुंजी ने अपने बेटे के लिए संदेश भेजा था। जिसमें उसने कहा था कि बेटा कहां पर हो, आ जाओ कह रही हूं। नहीं आ रहा है तो मैं कैसे करूं, कहीं आसपास रहता तो जंगल में ढूढ़ने भी जाती, और क्या कहू बेटा, घर आजा बोल रही हूं। वे बड़े गैर जिम्मेदाराना तरीके से सब कुछ छोड़ कर जंगल में हथियार लेकर भटक रहे हैं।उन्होंने अपने बच्चों से अपील की,''परिवार, गांव, समाज को छोड़कर जंगल में हथियार लेकर भटकने से किसी का भला नहीं हो रहा है।

अपने हथियार छोड़कर पुनर्वास का रास्ता चुनो और समाज, परिवार, परिजनों के बीच रहकर विकास तथा सबके हित के लिए कार्य करें।'' उन्होंने गोंडी भाषा में अपने बेटों से अपील की जिसके बाद वहां मौजूद अधिकारियों ने उसे हिन्दी में विजय शर्मा को समझाया।

हिडमा दंतेवाड़ा के ताड़मेटला में छह अप्रैल 2010 को हुए हमले की भी योजना बनाने का आरोप था। जिसमें सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हो गए थे। इसे देश में सुरक्षा बलों पर हुआ सबसे बड़ा हमला माना जाता है।

ओंकारेश्वर में ममलेश्वर लोक निर्माण का स्थान बदला जाएगा, संतों और नगरवासियों का संघर्ष सफल रहा

खंडवा, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

पिछले 15 दिनों से ओंकारेश्वर में ममलेश्वर महालोक निर्माण को लेकर चल रहे विवाद का अंततः मंगलवार को पटाक्षेप हो गया। ब्रह्मपुरी क्षेत्र में ममलेश्वर लोक का निर्माण नहीं करने की नगरवासियों और संत समाज की मांग को सरकार ने स्वीकार कर लिया। अब यह परियोजना किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर बनाई जाएगी। यह निर्णय न केवल ओंकारेश्वर, बल्कि पूरे नर्मदा तट पर बसे आध्यात्मिक समुदाय के लिए बड़ी राहत लेकर आया।बता दें, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मुलाकात के बावजूद कोई निर्णय नहीं निकला, तब पंचायती महान निर्वाणी अखाड़ा के सचिव कैलाश भारती महाराज, महंत मंगलदास त्यागी महाराज तथा अन्य संतों के मार्गदर्शन में ओंकारेश्वर में ऐतिहासिक स्वैच्छिक बंद का आह्वान किया गया था। दो दिनों तक नगर की सभी दुकानें, होटल, नावें, व्यापार और सेवा गतिविधियां ठप रही थीं। ओंकारेश्वर के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण आंदोलन माना जा रहा है।

मंगलवार को जोड़ गणपति हनुमान मंदिर पर संत समाज की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें महंत श्यामसुंदर दास महाराज, महामंडलेश्वर बजरंगदास महाराज, संत संविदानंद महाराज, एवं अनेक संतों ने स्पष्ट कहा कि हम किसी भी परिस्थिति में अपने मठ, मंदिर, आश्रम और अखाड़े नहीं उजड़ने देंगे। यदि जरूरत पड़ी तो पूरे भारत से संतों को यहां बुलाया जाएगा। बैठक के दौरान हजारों महिला-पुरुषों ने आश्रम परिसर में पहुंचकर संत समाज को अपना समर्थन दिया, जिसने आंदोलन को निर्णायक बना दिया।लंबी चर्चा के बाद मांधाता विधायक नारायण पटेल, अपर कलेक्टर काशीराम बडोले, तहसीलदार उदय मंडलोई सहित प्रशासनिक टीम ने हालात समझे। विधायक नारायण पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और दिल्ली में मौजूद कलेक्टर ऋषभ गुप्ता से बात कर ओंकारेश्वर की गंभीर स्थिति से अवगत करवाया। इसके बाद डिप्टी कलेक्टर ने लिखित में आदेश जारी किया कि ममलेश्वर लोक ब्रह्मपुरी क्षेत्र में नहीं बनेगा। इसे अन्यत्र स्थान पर बनाया जाएगा और निर्माण से पहले स्थानीय संत समाज व जनता की सहमति ली जाएगी।यह लिखित आदेश मिलते ही नगर में खुशी की लहर दौड़ गई। दो दिनों से बंद पड़ा ओंकारेश्वर देखते ही देखते दीपावली जैसा जगमगाने लगा।सरकार के प्रतिनिधि के रूप में मांधाता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नारायण पटेल की विवाद के हल में अहम भूमिका रही।

उन्होंने बीच का रास्ता निकाला और मुख्यमंत्री से चर्चा कर समस्या का समाधान निकाल लिया। पटेल ने कहा कि मैं विनाश पर विकास नहीं होने दूंगा, मैं हमेशा सनातनी हूं, संतों के चरणों में पहुंचा हूं। किसी भी संत की बद्दुआ से कैसे राजनीति कर सकता हूं

कैलाश भारती जी महाराज ने कहा कि शासन ने समय रहते सभी की भावनाओं का सम्मान किया है। यह नगरवासियों की एकता की जीत है।महंत श्यामसुंदर दास जी महाराज ने कहा कि सरकार ने प्राचीन सभ्यता, मठ-मंदिर और संतों को उजड़ने से बचाया है। हम मुख्यमंत्री और विधायक का धन्यवाद करते हैं। मंगलदास त्यागी जी महाराज ने कहा कि यह निर्णय ओंकारेश्वर की आत्मा को बचाने वाला है।भाजपा नगर अध्यक्ष संतोष वर्मा ने कहा कि हमें विश्वास था कि न्याय मिलेगा, और आज पूरा ओंकारेश्वर न्याय पा गया।

नाविक संघ अध्यक्ष कैलाश भंवरिया ने कहा कि यह हर उस नाविक की जीत है जिसने अपनी रोजी-रोटी रोककर भी आंदोलन का साथ दिया।ओंकारेश्वर नगर के पूर्व फौजी मंगल सिंह ठाकुर ने कहा कि ओंकारेश्वर के आने वाली कई पीढ़ियां की बर्बादी से बच गईं। इसके जनता ने ओंकारेश्वर में जो एकता दिखाई है वह इतिहास के पन्नों में दर्ज होकर रह गई है।

अनाथ बच्चों को चार-चार हजार रुपए, 12 जिलों में खुलेंगे आयुष अस्पताल : डॉ. मोहन यादव

भोपाल, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में किसानों, बच्चों, स्वास्थ्य सेवाओं और वैज्ञानिक शोध जैसे कई क्षेत्रों को लेकर बड़े फैसले लिए गए। बैठक के सभी निर्णय लोगों के जीवन से सीधे जुड़े हुए हैं और आने वाले समय में इनके व्यापक प्रभाव देखने की उम्मीद है।बैठक में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना में संशोधन को मंजूरी दी गई। अब किसान अपने अस्थायी बिजली कनेक्शन की क्षमता से एक स्टेप अधिक क्षमता वाला सोलर पंप लगवा सकेंगे। यानी 3 एचपी बिजली कनेक्शन वाले किसानों को 5 एचपी सोलर पंप और 5 एचपी बिजली कनेक्शन वालों को 7.5 एचपी सोलर पंप का विकल्प दिया जाएगा। योजना के तहत किसानों को सोलर पंप पर 90% सब्सिडी मिलेगी, जबकि किसान को सिर्फ 10% राशि देनी होगी। इससे सिंचाई के लिए बिजली पर निर्भरता घटेगी और किसानों को स्थायी ऊर्जा का फायदा मिलेगा। सोलर पंप लगने से सरकार पर बिजली सब्सिडी का भार भी कम होगा और वितरण कंपनियों की हानियां घटेंगी।

मिशन वात्सल्य योजना के तहत गैर-संस्थागत सेवा योजना को अगले 5 वर्षों तक जारी रखने की सहमति दी गई। इस योजना में उन बच्चों को मदद मिलेगी जिनकी देखभाल माता-पिता किसी कारणवश नहीं कर पा रहे हैं। पात्र बच्चों को हर महीने 4,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। 18 वर्ष के बाद संस्थानों से बाहर होने वाले बच्चों को आफ्टर केयर के माध्यम से रोजगार प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इस योजना से पूरे प्रदेश में 33,346 बच्चों को सीधा लाभ होगा। इसके लिए कुल 1,022 करोड़ रुपये से अधिक राशि खर्च होगी। केंद्र और राज्य दोनों इसका भार उठाएंगे।

प्रदेश के 12 जिलों भोपाल, इन्दौर, नरसिंहपुर, मण्डलेश्वर (खरगौन), बालाघाट, गुना, भिण्ड, सीहोर, अमरकंटक (अनूपपुर), पन्ना, श्योपुर एवं शुजालपुर (शाजापुर) में 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सलयों एवं बड़वानी जिले में 30 बिस्तरीय चिकित्सालय खोला जाएगा। इसके संचालन के लिए 373 पद एवं 806 मानव संसाधन सेवाएं ऑन कॉल की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत नवीन पदों में प्रथम श्रेणी के 52 पद, द्वितीय श्रेणी के 91 और तृतीय श्रेणी के 230 पद शामिल है। नियमित पदों पर वार्षिक वित्तीय भार 25 करोड़ 57 लाख रूपये आयेगा। इसके साथ ही स्वीकृत मानव संसाधन सेवाओं मे द्वितीय श्रेणी के 91, तृतीय श्रेणी के 117 और चतुर्थ श्रेणी के 598 पद शामिल है। मानव सेवाओं का प्रबंधन भारत सरकार के राष्ट्रीय आयुष मिशन से किया जायेगा। कैबिनेट ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में भर्ती के सेवा नियमों को मंजूरी दे दी। साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 11 मई, 2015 द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में नवीन पदों की भर्ती पर लगाई गई रोक हटाये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए योग्य विशेषज्ञों की नियुक्ति संभव होगी और शोध तथा नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। परिषद अब प्रदेश में विज्ञान व तकनीक क्षेत्र की मुख्य नोडल एजेंसी की भूमिका और प्रभावी ढंग से निभा सकेगी।

मेडिको लीगल संस्थान के अधिकारियों को 1 जनवरी 2016 से सातवें वेतनमान का वास्तविक लाभ देने का फैसला लिया गया। इससे कर्मचारियों में लंबे समय से चल रही वेतन विसंगति दूर होगी। शासन के समस्त विभागों में पुनरीक्षित वेतनमान (सातवां वेतनमान) का वास्तविक लाभ 1 जनवरी 2016 से प्रदान किया गया है। उसी अनुक्रम में मेडिको लीगल संस्थान के अधिकारियों को भी लाभ दिए जाने का निर्णय लिया गया है। लाभ दिये जाने पर एरियर राशि का अनुमानित वित्तीय भार 93 लाख रुपये आएगा।

यूपी में पहली बार: पीजीआई ने घुटना सर्जरी में हासिल की उपलब्धि, दो हाई-टेक तकनीकों से जटिल ऑपरेशन सफल

लखनऊ, 18 नवंबर (एजेंसियां)। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस) ने उत्तर प्रदेश में उन्नत आर्थोपेडिक सर्जरी का नया मानक स्थापित करते हुए पहली बार दो अत्याधुनिक तकनीकों को एक साथ उपयोग कर जटिल घुटना सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया है। एसजीपीजीआईएमएस के आर्थोपेडिक विभाग ने दो हाई-एंड तकनीकों-आर्थ्रोस्कोपिक माइक्रोफ्रैक्चर और हाइब्रिड हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी-को एक ही ऑपरेशन में संयोजित करते हुए सफल घुटना सर्जरी की है। इस जटिल प्रक्रिया के बाद 46 वर्षीय महिला मरीज तेजी से स्वस्थ हो रही है और सामान्य रूप से चलने लगी है। मरीज कई वर्षों से तीव्र घुटना दर्द, सूजन और चलने-फिरने में परेशानी झेल रही थी। वेरस विकृति (बो-लेग्ड) के कारण वजन घुटने के अंदरूनी हिस्से पर ज्यादा पड़ रहा था, जिससे कार्टिलेज लगातार क्षतिग्रस्त हो रहा था। दवाओं और फिजियोथेरेपी से राहत न मिलने पर परिजन उन्हें एसजीपीजीआईएमएस लेकर पहुंचे, जहां विस्तृत जांच के बाद विशेषज्ञों ने सर्जरी को अंतिम समाधान माना।

सर्जरी का नेतृत्व एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के आर्थोपेडिक्स विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार ने किया। टीम ने दो चरणों में ऑपरेशन पूरा किया। पहले चरण में आर्थ्रोस्कोपिक माइक्रोफ्रैक्चर तकनीक का उपयोग कर हड्डी के नीचे नई फाइब्रोकार्टिलेज बनने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिससे दर्द में कमी और जोड़ की कुशनिंग मजबूत होने की संभावना बढ़ी।

दूसरे और सबसे चुनौतीपूर्ण चरण में हाइब्रिड हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी की गई। इसमें टिबिया की हड्डी को नियंत्रित रूप से काटकर दुबारा ऐसा संरेखित किया गया कि शरीर का भार क्षतिग्रस्त हिस्से से हटकर घुटने के स्वस्थ हिस्से पर आने लगे। यह तकनीक न केवल विकृति सुधारती है, बल्कि प्राकृतिक जोड़ की उम्र भी बढ़ाती है।

डॉ. अमित कुमार के मुताबिक संयुक्त सर्जरी युवा और सक्रिय मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि यह घुटना प्रत्यारोपण की आवश्यकता को काफी हद तक टाल देती है। संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमन ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश में उन्नत आर्थोपेडिक उपचार का नया अध्याय खोलेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह अत्याधुनिक तकनीक उन मरीजों के लिए आशा की किरण है, जो गंभीर ऑस्टियोआर्थराइटिस या वेरस विकृति से लंबे समय से परेशान हैं और पारंपरिक उपचारों से लाभ नहीं पा सके हैं।

मुख्यमंत्री ने भरा एसआईआर का फॉर्म

वोटर लिस्ट रिवीजन पर दी विपक्ष को नसीहत

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को प्रदेश में लागू कराने पर जोर दिया है। उन्होंने गोरखपुर में एसआईआर फार्म भरा और कहा कि पूरे प्रदेश में यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से लागू की जाएगी। विपक्षी दलों को नसीहत देते हुए कहा कि बेवजह चुनाव आयोग की प्रक्रिया प्रभावित करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। यह एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसका सम्मान सभी दलों को करना चाहिए। मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में बूथ लेवल ऑफिसर की ओर से उपलब्ध कराए फॉर्म को भरकर जमा किया। मुख्यमंत्री का नाम गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 223, कन्या प्राथमिक विद्यालय झूलेलाल मंदिर के पास में दर्ज है।भारत निर्वाचन आयोग 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक वोटर लिस्ट रिवीजन अभियान चला रहा है। बीएलओ ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर सीएम योगी को फॉर्म सौंपा।उन्होंने फॉर्म भरकर विपक्ष और आम मतदाताओं को खास संदेश दिया है। उनके इस कदम से यह संदेश गया कि मतदाता सूची में सुधार और सत्यापन एक विश्वसनीय प्रक्रिया है। हर मतदाता की व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी है। फॉर्म भरने के बाद कहा कि जागरूक मतदाता होने का अर्थ केवल मतदान करना नहीं होता है। अपने नाम और विवरण को नियमित रूप से अपडेट रखना भी जिम्मेदारी है। उन्होंने विपक्ष और आम जनता दोनों के बीच विश्वास मजबूत किया कि वोटर लिस्ट रिवीजन प्रक्रिया पारदर्शी और विश्वसनीय है। उन्होंने विपक्षी दलों से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से लागू की जाएगी। विपक्षी दलों को चुनावी मुद्दा बनाने के बजाय जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।दिन की शुरुआत के बाद सीएम योगी जनता दर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाए।

अपने स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले पूर्व छात्रों को सम्मानित करेगा एलयू

25 नवंबर को मनाया जायेगा लखनऊ यूनिवर्सिटी का स्थापना दिवस

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ विश्वविद्यालय इ अपने 105वें स्थापना दिवस पर उन नौ विशिष्ट पूर्व छात्रों का सम्मान करेगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। एलुमनाई फाउंडेशन की चयन समिति ने गहन विचार-विमर्श के बाद तय नामों की घोषणा के साथ विश्वविद्यालय ने अपनी गौरवशाली परंपरा और शैक्षणिक मूल्यों के प्रति सम्मान प्रकट किया है।लखनऊ विश्वविद्यालय 25 नवंबर को अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाने की तैयारी में है। इस मौके पर विश्वविद्यालय उन नौ प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर लखनऊ विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि सम्मान न सिर्फ पूर्व छात्रों के योगदान का गौरवपूर्ण स्मरण है बल्कि वर्तमान पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरण-स्रोत भी है।एलुमनाई फाउंडेशन के महासचिव प्रो. सुधीर मेहरोत्रा के मुताबिक चयन समिति ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर नौ नामों को चुना है। इनमें उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना भी शामिल हैं, जिनके नेतृत्व में राज्य में वित्तीय अनुशासन, बजट प्रबंधन और आर्थिक पारदर्शिता को नई पहचान मिली है।हिंदी साहित्य और आलोचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रो. सूर्य प्रकाश दीक्षित को सम्मानित किया जाएगा। बायोकेमिस्ट्री में उत्कृष्ट शोध और अध्यापन के लिए प्रो. जीजी सनवाल को सम्मान मिलेगा। परफॉर्मिंग आर्ट्स के क्षेत्र में डॉ. अनिल रस्तोगी को सम्मानित किया जाएगा, जो थिएटर और अभिनय में लखनऊ की सांस्कृतिक धारा के प्रमुख स्तंभ हैं। न्यायपालिका के क्षेत्र में योगदान के लिए जस्टिस मनीष कुमार का नाम सूची में है। आध्यात्मिक जागरण, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए प्रभु नारायण श्रीवास्तव को सम्मानित किया जाएगा। प्रत्यक्ष कर प्रशासन, कर सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सीबीडीटी के सदस्य प्रबोध सेठ को चयनित किया गया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और निष्पक्ष रिपोर्टिंग के लिए अखिलेश सिंह को सम्मान मिलेगा। आईपीएस लक्ष्मी सिंह को पुलिसिंग में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा।

बाल उत्सव दादी, मम्मी और हम में दिखा तीन पीढ़ियों का जोश

संयुक्त परिवार आज की आवश्यकता : दिनेश शर्मा

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। सर्च फाउंडेशन के 25वां बाल उत्सव दादी, मम्मी और हम आज स्थानीय गोमती नगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के प्रधान, स्माइल मैन सर्वेश अस्थाना की परिकल्पना और रत्ना डांस अकादमी की प्रमुख रत्ना अस्थाना के निर्देशन में विभिन्न सतरंगी नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं।

इसके साथ ही दिव्यांग युवा कलाकारों की भी विशेष प्रस्तुतियां, दादी, मम्मी और बच्चों का फैशन शो और काव्य पाठ अन्य आकर्षण बने। रश्मि शरद के कुशल संचालन में हुए इस बाल उत्सव में पायनियर माण्टेसरी स्कूल की प्रधानाचार्या इन्दु बाला गौड़, प्ले वे अकादमी की प्रधानाचार्या आकांक्षा शुक्ला, फारमेटिव डे स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. अंकिता उपाध्याय और लखनऊ इंटरनेशनल अकादमी के प्रधानाचार्य दुर्गेश सरस्वती उपाध्याय को सर्च फाउण्डेशन बाल रक्षा सम्मान से अलंकृत किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि संयुक्त परिवार आज की आवश्यकता है।

उन्होंने बीते 25 वर्षों से सर्च फाउण्डेशन की ओर से बच्चों के उत्थान के लिए किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। दादी-नीता चौधरी, नानी-प्रीति गुप्ता और मम्मी-श्वेता मनराल और शिप्रा चौधरी ने उनसे मिली नजर कि मेरे होश उड़ गए पर सुंदर नृत्य संयोजन पेश किया। इस क्रम में मम्मी-रचना श्रीवास्तव और शिप्रा चौधरी के साथ बेटी अग्रिमा चौरसिया ने राम आएंगे पर नृत्य कर माहौल को आध्यात्मिक रंग से सराबोर कर दिया।

रश्मि गुप्ता और नीलम गुप्ता ने मेरे ढोलना सुन पर नृत्य किया।

यूपी मे फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री बनेगी निवेश व रोजगार का नया केंद्र

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मिला बढ़ावा,यूपी में 12 और नये प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति -2023 के तहत प्राप्त परियोजना प्रस्तावो पर समयबद्ध कार्यवाही करने, स्थापित इकाइयों के सब्सिडी आदि के प्रकरणों की समीक्षा करते रहने व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश कराना है।उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा देश की सर्वोत्तम उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के माध्यम से प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न योजनायें संचालित है।उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी की बैठक कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कृषि उत्पादन आयुक्त कार्यालय स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार के समक्ष 12 प्रस्तावों को प्रस्तुत किया गया। समिति ने 12 प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा उपरान्त सहमति व्यक्त की गयी एवं लेटर ऑफ कर्फट जारी किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। गौतम बुद्धनगर, सहारनपुर, मीरजापुर, बाराबंकी, कानपुर नगर, इटावा, बरेली, शाहजहाँपुर, रामपुर, जालौन, अमरोहा एवं बहराईच से एक-एक अर्थात 12 प्रस्तावों को राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति के समक्ष अवलोकनार्थ परीक्षण हेतु प्रस्तुत किया और सभी का अनुमोदन किया गया।कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति द्वारा खाद्य प्रसंस्करण से इकाईयों की स्थापना हेतु 200 करोड़ की परियोजनाओं के सापेक्ष 58 करोड़ की सब्सिडी की स्वीकृति प्रदान की गयी।एम्ब्रोसिया नेचर लिविंग एलएलपी लखनऊ के निवेशक माधवेन्द्र देव सिंह एवं श्याम फूड्स, कुशीनगर को उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत इकाई की स्थापना, सफल संचालन एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादन हेतु प्रशस्ति प्रत्र दिया गया। एम्ब्रोसिया नेचर लिविंग एलएलपी लखनऊ द्वारा फ्रूट वाइन का उत्पादन किया जा रहा है तथा फर्म द्वारा अपना आउटलेट भी लखनऊ में ओपन किया गया है।बैठक मे बताया गया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत अब तक कुल 1394 प्राप्त प्रस्तावों में 966 प्रस्तावों को अनर्ह,अपूर्ण पाये जाने के कारण निरस्त किया गया, 416 प्रस्तावों के सापेक्ष लेटर आफ कम्फर्ट जारी किया गया। बाराबंकी के निवेशक द्वारा फ्लोटिंग फिश फीड से संबन्धित प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।लालीपॉप, जेली कैण्डी, टाफीज के प्रस्तावों के सापेक्ष निवेशक द्वारा अवगत कराया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत इन उत्पादों में प्रयुक्त होने वाले जिलेटिन को वनस्पतियों से प्राप्त कर उपयोग किया जाना चाहिये। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत वर्ष 2023 अर्थात परियोजना के प्रारम्भ होने के वित्तीय वर्ष से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 तक कुल प्राविधानित धनराशि 600 करोड़ के सापेक्ष 192.33 करोड़ रूपये का उपयोग स्वीकृत परियोजनाओं के सापेक्ष अनुदान राशि के हस्तान्तरण में किया गया।नीति अंतर्गत बरेली 28 परियोजनाओं के साथ प्रथम स्थान पर, रामपुर 21 परियोजनाओं के साथ द्वितीय एवं कानपुर नगर 20 परियोजनाओं के साथ तृतीय स्थान पर है।बैठक में पंचायती राज विभाग के उपस्थित अधिकारी को स्वीकृत परियोजनाओं के सापेक्ष प्लान मैप के अनुमोदन की कार्यवाही न करने या बिलम्बित करने के प्रकरण पर निर्देशित किया गया कि प्रस्ताव प्राप्त होने पर अधिकतम 15 दिनों में कार्य क्रियान्वयन कराया जाय, जिससेनिवेशक को कोई कठिनाई न हो।बैठक में प्रमुख सचिव कृषि द्वारा प्रस्तावों के परीक्षण के मध्य प्रस्ताव दिया गया कि कैटल एवं फिश फीड निर्माण से संबन्धित इकाईयों को एफपीओ से इन्टीग्रेट करने हेतु वह अपने स्तर पर निवेशकों के साथ बैठक करेगें।बैठक में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करणव रेशम विभाग बी एल मीणा ने खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे किये जा रहे निवेश के बारे मे जानकारी देते हुये बताया कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की अर्थ व्यवस्था बनाये जाने हेतु उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्ग निर्देशन मे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने व इस क्षैत्र मे अधिक से अधिक निवेश किये जाने के हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है। इस दिशा मे काफी हद तक सफलता भी हासिल हुयी है।

बैठक मे शासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग प्रेरणा शर्मा व अधिकारियो समिति सदस्यों के विभागों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में खाद्य प्रसंस्करण विभाग के पृथक रूप से गठन के बारे में जारी अधिसूचना से कृषि उत्पादन आयुक्त को संज्ञानित कराया गया।

खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के पृथक से गठन की अधिसूचना जारी

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। खाद्य प्रसंस्करण कार्यों के पूरी क्षमता के साथ योगदान के लिये उद्यान निदेशालय से पृथक खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के गठन की अधिसूचना उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी कर दी गयी है। इस सम्बन्ध मे आवश्यक पत्र अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा ने जारी कर दिया है और सम्बन्धित को अधिसूचना का पत्र भेज दिया गया है।

जारी अधिसूचना मे कहा गया है कि इस सम्बन्ध मे पृथक से विस्तृत शासनादेश भी जारी किया जायेगा।

खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के गठन की 14 नवम्बर को मन्त्रि परिषद की बैठक मे सहमति मिल चुकी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर पृथक खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के गठन किये जाने की मन्त्रि परिषद की सहमति मिली है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियो को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये हैं।

मिशन निदेशक ने की कौशल प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा

सभी जिलों को समयबद्ध लक्ष्यपूर्ति का फरमान

लखनऊ, 18 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में सभी जिला समन्वयकों एवं एमआईएस प्रबंधकों के साथ साप्ताहिक वर्चुअल समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मिशन निदेशक ने जनपदवार कौशल प्रशिक्षण गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के जीरो पॉवर्टी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु रोजगार मेलों में प्रतिभाग एवं लाभान्वित होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या का सटीक आकलन आवश्यक है।मिशन निदेशक ने निर्देश दिया कि प्रत्येक जनपद में तैनात टीम सुनिश्चित करे कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवा समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण से लाभान्वित हों। उन्हें रोजगार एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए परिणामोन्मुख प्रयास किए जाएँ। युवाओं को निर्बाध प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ना मिशन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने डीपीएमयू को निर्देश दिया कि मिशन द्वारा आवंटित लक्ष्यों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुचारू संचालन किया जाए। प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत चयनित विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का कौशल प्रशिक्षण शीघ्र आरम्भ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इसमें शिथिलता बरतने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

मिशन निदेशक ने कहा कि प्रशिक्षण केंद्रों में प्रथम दिवस ही सभी प्रशिक्षणार्थियों को दो सेट यूनिफॉर्म एवं पाठ्य सामग्री का वितरण अनिवार्य रूप से किया जाए। एमआईएस प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने जिलों में प्रत्येक प्रशिक्षण केंद्र का नियमित निरीक्षण करें ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम समयबद्ध, पारदर्शी एवं उच्च गुणवत्ता के साथ संचालित हो सकें।उन्होंने प्रत्येक बैच में दिव्यांगजन एवं महिलाओं हेतु निर्धारित विशेष कौशल प्रशिक्षण लक्ष्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने पर बल दिया। लखपति दीदी योजना के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए कौशल विकास मिशन के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता बताई, ताकि वे आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के सतत विकास में योगदान दे सकें।इंडिया स्किल्स कम्पटीशन 2025 के संदर्भ में निर्देश दिया कि जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समान अवसर के सिद्धांतों के साथ किया जाए तथा प्रतियोगिता को 25 नवम्बर तक हर स्थिति में सम्पन्न कराया जाए।

एसआईआरडी में विभिन्न विषयो पर विशेषज्ञ दे रहे प्रशिक्षण

प्रशिक्षण देकर और अधिक दक्ष व सक्षम बनाये जाते हैं अफसर और कर्मचारी

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागो संस्थाओ के अधिकारियों व कर्मचारियों व विभाग व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब द्वारा संस्थान के महानिदेशक संस्थान एल वेंकटेश्वर लू के संरक्षण व प्र. अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन तथा प्रशासनिक नियंत्रण में, संस्थान मे प्रशिक्षण कार्यक्रम 16से18नवंबर तक, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 97 प्रतिभागियों हेतु, लर्निंग बाई डूइंग विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम, आयोजित किया गया।17से20 नवंबर तक, ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत,69डिस्ट्रिक्ट मिशन मैनेजर ब्लाक मिशन मैनेजर हेतु , लोकोस ट्रांजैक्शन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 17से 22 नवम्बर तक केन्द्रीय सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान नई दिल्ली द्वारा स्नातक स्तरीय संयुक्त परीक्षा 2024 के माध्यम से चयनित 279 सहायक अनुभाग अधिकारियों के सापेक्ष, एस आई आर डी द्वारा द्वितीय चरण में 70 सहायक अनुभाग अधिकारियों हेतु, विलेज अटैचमेंट कार्यक्रम विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत लखनऊ तथा पड़ोसी जनपदों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जमीनी स्तर पर शासकीय संस्थाओं विकास सम्बन्धी गतिविधियों के अध्ययन भ्रमण एवं संलिप्त शासकीय कार्मिकों की कार्यशैली तथा पंचायत प्रतिनिधियों के साथ समन्वय और सहयोग की भूमिकाओं के आकलन हेतु आयोजन किया जा रहा है।

मंगलवार को मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में संस्थान के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता तथा विशिष्ट अतिथि वार्ताकारों आध्यात्मिक गुरु स्वामी अपरिमेव श्याम सुंदर दास, इस्कॉन संगठन, लखनऊ तथा डा किशन वीर सिंह शाक्य, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व वरिष्ठ सदस्य लोक सेवा आयोग की उपस्थिति में संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को, संस्थान के बुद्धा सभागार में आमंत्रित करके, सम्बन्धित विषयगत वार्ताकारों द्वारा अपने-अपने विषयानुक्रम बिन्दुओं पर प्रासंगिक एवं उपयोगी व्याख्यान दिए गए। आध्यात्मिक गुरु अपरिमेव श्याम सुंदर दास द्वारा प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि विकसित भारत के निर्माण के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि प्रत्येक भारतीय नागरिक को एक विकसित मानसिकता के साथ, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्राथमिकता प्रदान करते हुए, शासकीय ढांचे में हम जहां पर भी, जिस पद पर हैं, प्रदत्त कार्यों को, जनहित की भावना को ध्यान में रखते हुए, निष्ठा, लगन व ईमानदारी से निष्पादित करना चाहिए। जब हम विकसित मानसिकता की बात करते हैं, तो इसके लिए आवश्यक हो जाता है कि भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में भौतिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक शिक्षा की उसी अनुपात में प्रासंगिकता है, क्योंकि जिस प्रकार भौतिक शिक्षा विज्ञान पर आधारित है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक शिक्षा व आध्यात्म दर्शन शत-प्रतिशत विज्ञान पर आधारित है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में समान रूप से भौतिक, आध्यात्मिक शिक्षा प्रासंगिक है।

महोदवा महोत्सव के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास : जयवीर

लखनऊ,18 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी के सूरतगंज ब्लॉक स्थित सुप्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेव में सात दिवसीय 17 से 23 नवंबर तक महादेवा महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया है। यह महोत्सव केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं बल्कि तेजी से विकसित हो रहे ग्रामीण पर्यटन का महत्वपूर्ण मॉडल भी बनता जा रहा है। महोत्सव में इस वर्ष भी 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। स्थानीय लोगों के साथ बहराइच, गोंडा, लखनऊ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और मध्य प्रदेश से आने वाले आगंतुकों की संख्या सर्वाधिक रहती है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि महादेवा महोत्सव ने आध्यात्मिकता के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन विकास को भी मजबूती दी है। लाखों की संख्या में आने वाले आगंतुकों से जिले के होटल, होम स्टे, परिवहन, भोजनालय और स्थानीय बाजारों को बड़ा लाभ मिलता है।

राजधानी लखनऊ से सटे होने की वजह से आगंतुकों के लिए मेला स्थल तक पहुंचना आसान है। राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध यातायात, बेहतर कनेक्टिविटी सुविधाओं और सुरक्षित माहौल ने ऐसे आयोजनों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।बाराबंकी जिला स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास काफी प्राचीन है। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग धरती पर उपलब्ध 52 अनोखे एवं दुर्लभ शिवलिंगों में से एक है।

मान्यता है कि महाभारत काल से पूर्व भगवान शिव ने पुनः पृथ्वी पर प्रकट होने की इच्छा की। बाराबंकी के दयालु और विद्वान ब्राह्मण लोधेराम अवस्थी को एक रात शिव ने स्वप्न में दर्शन देकर संकेत दिया। अगले दिन खेत की सिंचाई करते समय लोधेराम ने देखा कि पानी एक रहस्यमयी गड्ढे में समा रहा है। लोधेराम ने गड्ढे की खुदाई की तो उसका औज़ार किसी कठोर वस्तु से टकराया वह शिव मूर्ति थी।

जानकारी

पके से ज्यादा फायदेमंद है कच्चा केला

फलों और सब्जियों में बढ़ते पेस्टीसाइड्स का प्रयोग लोगों में भय पैदा कर रहा है। इससे किसी बीमारी का शिकार होने का डर रहता है। ऐसे ही कुछ लोगों के दिमाग में यह भी शंका रहती है कि केले को केमिकल से पकाया जाता है, जिससे वह हानिकारक हो जाता है। अगर आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं तो आप कच्चा केला भी खा सकते हैं, क्योंकि कच्चे केले में भरपूर मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है जो कि आपके शरीर के इम्यून सिस्टम को तो मजबूत बनाता है साथ ही आपको दिनभर एक्टिव भी बनाए रखता है। इसके साथ ही इसमें विटामिन बी6, विटामिन सी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है जो कि कोशिकाओं को पोषण देता है। इसके और भी कई लाभ हैं।

कब्ज से निजात

इसका सेवन करने से हमारी शरीर की आंत में जमी विषाक्त तत्वों को शरीर से बाहर निकाल देता है। क्योंकि इस समस्या के कारण आपको कब्ज की समस्या हो जाती है। इसलिए इससे बचने के लिए इसका सेवन जरुर करना चाहिए।

वजन घटाए

इसमें फाइबर्स भरपूर मात्रा में पाया जात है। इसका रोजाना सेवन करने से आपको जल्द ही मोटापा से निजात मिल सकता है। ये शरीर में मौजूद अनावश्यक फैट सेल्स और अशुद्धियों को साफ करने में मददगार होते हैं। जिसके कारण आपका फैट आसानी से बर्न हो जाता है।

डायबिटीज कंट्रोल करे

अगर आपको डायबिटीज की समस्या है और अपनी शुरुआत ही है तो कच्चे केला का सेवन करना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। जिसके कारण ये आपको डायबिटीज को कंट्रोल करमे में मदद करता है।

पेट को रखे हेल्दी

कच्चा केला हमारी पेट के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसका सेवन करने से यह हमारके पेट को भरा रखता है। जिसके कारण हमें पाचन संबंधी कोई समस्या नहीं होती है। साथ ही ये पाचक रसों का स्त्रावण बेहतर तरीके से होता है।

हड्डियों को करें मजबूत

कच्चे केले में अधिक मात्रा में कैल्शियम भी पाया जाता है जो कि आपके शरीर की हड्डियों को मजबूत रखता है।

बस करें ये छोटा सा आसन उपाय, कभी नहीं आएगा बुढ़ापा

जिंदगी की शाम जब ढलने लगती है तो न सिर्फ शरीर में ढेरों बीमारियां अपना घर बना लेती हैं, बल्कि जीवन में एक सूनापन भी छा जाता है। हमारे देश में बहुत कम ऐसे लोग हैं, जो 60 साल की उम्र में भी उसी जीवंतता के साथ जीवन व्यतीत करते हैं। योग के सहारे इस उम्र में भी खुद को शारीरिक व मानसिक रूप से दुरुस्त रख सका जा सकता है।

वैसे तो उम्र ड़ाव पर ही योग के अनेक फायदे हैं, लेकिन स्त्रियों को तो योग के ज़रिये अतिरिक्त फायदा पहुंचता है। उम्र के अलग-अलग दौर में विभिन्न प्रकार के हॉर्मोनल बदलाव होते हैं।

ऐसे में अपनी स्ट्रेंथ बढ़ाने, बीमारियों को दूर करने, हड्डियों की उम्र बढ़ाने, माइंड को शार्प करने और अपनी स्किन की टाइटनिंग और ग्लो को बनाए रखने के लिए योग का रास्ता अपना सकते हैं। ये दो प्राणायाम अपने आप में ही संपूर्ण हैं।

कपालभाति

इसके नियमित अभ्यास से आप लंबे समय तक निरोगह सकते हैं। दरअसल, इस प्रणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस भरते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित पदार्थों को बाहर निकाल देती है और शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। इस प्राणायाम को करने के लिए किसी भी आसन में बैठ जाएं। अब दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और बाएं छिद्र से चार तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो उंगलियों से बंद कर दें।इसके बाद दायीं ओर से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर छोड़ें। आप इसको अपनी क्षमता के अनुसार पांच मिनट से पंद्रह मिनट तक कर सकते हैं।

लिवर को दुरुस्त रखना है तो पिएं चुकंदर का जूस

लिवर हमारे शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग है। लिवर शरीर के कई कामों को नियंत्रित रखता है। अगर लिवर खराब हो जाए तो ये गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। इसे दुरुस्त रखने के लिए हम कुछ खास पेय का सेवन कर सकते है। आइए जानते है

1 चुकंदर का जूस

चुकंदर के जूस का सेवन करने से लीवर में पैदा विषैले तत्व बाहर निकल जाते है। लीवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए चुकंदर के जूस का उपयोग करना बहुत जरुरी होता है7

2 नींबू का जूस

लीवर को साफ रखने के लिए नींबू के जूस का इस्तेमाल करना बहुत लाभदाई है7 इसमें कम शुगर पाई जाती है7 इसके सेवन से लीवर में पैदा गंदगी भी दूर हो जाती है।

3. अनानास का जूस

विटामिन और खनिज से भरपूर अनानास के जूस शरीर के लिए स्वास्थवर्धक होता है। इसमें विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, तांबा, जस्ता, एंटी-इंफेलेमेटरी पाचन एंजाइम और फोलेट पाए जाते है जो लीवर स्वस्थ रखते है7

4. पालक का जूस

पालक में पोटेशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, कैरोटीन और फोलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाए जाते है। ये पत्तेदार हरी सब्जी पौष्टिक तत्वों से अधिक होती है। इसका सेवन करने शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

सुझाव

रोज खाएं एक आंवला फिर देखें कमाल

किसी ने सच ही कहा है कि बड़े बुजुर्गो का कहा और आंवले का खाया बाद में पता चलता है। जी हां, धरती पर आंवला किसी वरदान से कम नहीं है। आंवला एक ऐसा फल है, जिसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट, पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट ,फाइबर ,प्रोटीन ,विटामिन्स ,मैग्नीशियम, आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप इसको गर्म करके भी खाएं तो भी इसमें मौजूद विटामिन खत्म नहीं होते। आंवला का सेवन करने से कई तरह की बीमारियां दूर होती है और यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होता है।

मोटापा: आजकल हर दूसरा व्यक्ति मोटापे से जूझ रहा है। जिसका सबसे बड़ा कारण आजकल का लाइफस्टाइल है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में रोज एक आंवला खाना शुरू करें जिससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन तेजी से कम होने लगता है।

कमजोरी: यदि आप कमजोरी महसूस करते हैं। थोड़े-से काम करने पर थक जाते हैं तो एक माह तक लगातर एक कच्चा आंवला खाकर देखें। इससे जो फायदा होगा, उससे आप खुद हैरान रह जाएंगे। दरअसल, आंवले में विटामिन सी मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जिसके चलते एनर्जी बढ़ती है और धीरे-धीरे कमजोरी दूर हो जाती है।

चेहरा चमकाए: आंवला में विटामिन ए होता है, जो कोलेजन बनने के लिए बहुत जरूरी है। इससे त्वचा टाइट रहती है। आंवला सुबह खाली पेट लेने से शरीर में कोलेजन की कमी दूर होती है। इसके सेवन से मुंहासे और झुर्रियों की समस्या भी कम हो जाती है।इसे खाने से बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं जिससे फेस पर ग्लो आता है।

डायबिटीज: आंवला डायबिटिज के लिए फायदेमंद माना जाता है। रोजाना आंवला का सेवन करने से खून में शुगर की मात्रा नियंत्रित रहती हैं। साथ ही आंवला खराब कोलेस्ट्रोल को खत्म कर अच्छे कोलेस्ट्रोल को बनाने में मदद करता हैं।

जोड़ो का दर्द: आंवले में एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो जोड़ों के दर्द के साथ अन्य तरह के दर्द में राहत देते हैं। यदि आपके शरीर में हमेशा दर्द रहता है या आपको जकडन की शिकायत है तो यकीन मानिए, आंवले से आपको किसी भी तरह के दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

बालों के लिए वरदान: बालों की किसी भी तरह की परेशानी को आंवला झटपट खत्म कर देता है। इसीलिए कई लोग इसकी पेस्ट को बालों में लगाते हैं लेकिन इसके सेवन से भी बाल हेल्दी होते हैं। असल में आंवले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स सें बालों की चमक बढ़ती है।

पाचन क्रिया में मदद :आंवले का सेवन करने से खाना आसानी से पच जाता है। इसलिए खाने में रोजाना आंवले की चटनी, मुरब्बा,अचार ,रस, चूर्ण आदि शामिल करें। इससे कब्ज की समस्या भी ठीक हो जाती है।

शरीर के इन 5 हिस्सों को दबाने से कम हो सकता है आपका मोटापा

आज के दौर में मोटापा सभी के लिए एक बड़ी समस्या साबित हो रही है. हर कोई चाहता है कि वह अपने मोटापे से जल्द से जल्द निजात पा ले. इसके लिए वह डाइटिंग से लेकर एक्सरसाइज तक करते हैं. बावजूद इसके उन्हें मन मुताबिक परिणाम नहीं मिलता. हम में से बहुत कम लोगों को पता है कि मोटापा कम करने के लिए आपके शरीर में ही पांच ऐसे प्वाइंट्स है जो आपके लिए मददगार साबित होंगे. आज हम आपको उन पांच प्वाइंट्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप मोटापा कम कर सकते हैं...

कान के सामने का हिस्सा

डॉक्टरों के अनुसार आप ईयर केनाल (कान) के सामने के हिस्से को दबाने से आपको मोटापा कम करने में मदद मिलेगी. एक शोध के अनुसार अगर आप इस हिस्से को रोजाना दो से तीन मिनट तक दबाएं तो आपको काफी फायदा महसूस होगा.

टखने के नीचे का हिस्सा

आपके घुटने या टखने के नीचे के हिस्से को दबाने से भी आपका मोटापा कम होगा.आप अपनी अंगुली और अंगूठे की मदद से इस हिस्से को रोजाना एक मिनट तक दबाएं. ऐसा करने से आपका डाइजेशन ठीको होता है और आपका वजन कम होता है.

हाथ की पथेली को दबाने से

डॉक्टरों के अनुसार आप अगर मोटापा कम करना चाहते हैं तो आपको अपने हाथ की हथेली पर अंगूठे के पास ऊभरे हिस्से को दबाना चाहिए. आप रोजाना इस हिस्से को कम से कम दो मिनट तक दबाएं. ऐसा करने से आपका मोटापा कम होगा. आप पैर के अंगूठे के पास के हिस्से में भी ऐसा ही कर सकते हैं.

नाभी के पास के हिस्से पर

आप मोटापा को कम करने के लिए इस विधि को भी अपना सकते हैं. इसके लिए आपको नाभी से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो अंगुली से प्रेसर देना है. आप ऐसा अगले कुछ मिनट तक कर सकते हैं. ऐसा करने से भी आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा.

कोहनी के जोड़ के ऊपरी हिस्से को

आप अपने कोहनी के जोड़ के ऊपरी हिस्से को भी दबाकर अपने मोटापे पर काबू पा सकते हैं. आप अपनी अंगुली से इस प्वाइंट पर पांच से सात मिनट तक प्रेसर दें. ऐसा आप दोनों हाथ पर कर सकते हैं.

देखभाल

आर्टिफिशियल ज्वेलरी का इस्तेमाल करती हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान

आर्टिफिशियल ज्वेलरी ज्यादातर महिलाओं की पहली पसंद होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि महिलाएं फैशन के साथ अप टू डेट रहना चाहती हैं और वह ओरिजनल के साथ संभव नहीं है।

यही कारण है कि ज्यादातर महिलाएं आर्टिफिशियल ज्वेलरी को प्राथमिकता देती हैं। लेकिन अगर आर्टिफिशियल ज्वेलरी का रख-रखाव सही से नहीं किया गया तो वह जल्द ही खराब हो जाएंगी और आप उन्हें ज्यादा दिनों तक यूज नहीं कर पाएंगी। जानिए कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी यूज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

» आर्टिफिशियल ज्वेलरी को रोज यूज नहीं करना चाहिए
» रोज पहनने से इसकी चमक फीकी पड़ जाती है
» आर्टीफिशियल ज्वेलरी का रख-रखाव सावधानी से करना चाहिए
» इन्हें हमेशा कॉटन, बटर पेपर, वेलवेट बॉक्स या जिप लॉक बैग में रखना चाहिए
» फैशन नेकलेस को हमेशा वर्टिकल रूप में लटका कर रखें
» आर्टीफिशियल ज्वेलरी को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए इस्तेमाल के बाद साफ करें
» ज्वेलरी हमेशा मुलायम कपड़े से साफ करें
» ज्वेलरी को अमोनिया, एल्कोहल, विनेगर या एसिड युक्त क्लीनर से साफ न करें

रेसिपी

बिना बैगन भूनें घर में ऐसे बनाएं बैगन का भरता

ऐसे बनाए

बैगन का भरता बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को छीलकर छोटे- छोटे टुकड़ों में काट लें
इसके बाद बैगन के टुकड़ों को पानी में डालकर रखें, जिससे वह काला न पड़े
पैन को गैस पर चढ़ाएं। गर्म होने पर इसमें तेल डालें और जीरा का तड़का लगाएं
इसके बाद हींग, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च, अदरक डालें और मसाला भून लें
मसाला भुन जाने के बाद टमाटर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर डालें और अच्छे से भूनें

ऐसे बनाए

जब यह अच्छे से भुन जाएं तो इसमें शिमला मिर्च डालकर मिक्स करें
इसके बाद इसमें बैगन के टुकड़े डालकर नमक डालें
सब चीजों को अच्छे से मिक्स करते हुए अच्छे से भूनें
जब बैगन में मसाला अच्छी तरह मिल जाए तो इसे ढककर 4-5 मिनट तक पकाएं
ढकने के बाद थाली पर थोड़ा पानी डाल दें।
ऐसा करने से बैगन भाप से अच्छे से पक जाएगा
पकने के बाद इसे अच्छे से मैश करके गैस बंद कर दें
इस तरह तैयार है बैगन का भरता

टोर्टीला

सामग्री

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेंड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

संपादकीय

रोहिणी आचार्य प्रकरण और संदेश

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की हार के बाद, लालू प्रसाद यादव के परिवार में मचा घमासान अब एक व्यक्तिगत विवाद से कहीं आगे बढ़कर, बिहार की राजनीति के केंद्र में आ गया है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व करारी चुनावी हार के बाद, उनकी बहन रोहिणी आचार्य का राजनीति छोड़ने और परिवार से अलग होने का फैसला, और उनके द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप, न केवल राजद की आंतरिक कलह को उजागर करते हैं, बल्कि 'परिवारवाद की राजनीति' के भविष्य पर भी गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यह भी सवाल उठता है कि जो व्यक्ति या राजनीतिक परिवार अपनी महत्वाकांक्षाओं के कारण अपने घर की बेटी के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकता, वह पूरे बिहार की बेटियों के स्वाभिमान की रक्षा की कितनी चिंता करेगा? लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी देकर चर्चा में आईं रोहिणी आचार्य ने परिवार और पार्टी छोड़ते हुए बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। रोहिणी का यह दावा कि उन्हें अपमानित किया गया, गालियाँ दी गईं और पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। याद रहे कि इससे पहले तेज प्रताप यादव की पत्नी को भी अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ा था। चूँकि यह प्रकरण परिवार से बाहर आ चुका है इसलिए यह भी देखना चाहिए कि स्वयंभू नारीवादी इस प्रकरण में कहाँ तक चयनित चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे। बहरहाल, बिहार में राजनीतिक परिवार से उठा यह विवाद अब राजनीतिक के केंद्र में है। इस पूरे विवाद में रोहिणी को अपने भाई तेज प्रताप यादव और मामा साधु यादव का साथ मिल रहा है। उन्होंने पार्टी सांसद संजय यादव एवं रमीज जैसे 'बाहरी' सहयोगियों पर सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का यह बयान कि "जब कोई पार्टी परिवार बन जाती है, तो ऐसा होता है", एक कटु सत्य को रेखांकित करता है। यह घटनाक्रम दिखाता है कि परिवार के वर्चस्व वाली पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र का कितना अभाव होता है। जब पार्टी का नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति कुछ पारिवारिक सदस्यों तक सीमित हो जाती है, तो योग्यता और विचारधारा पीछे छूट जाती है, और परिणाम स्वरूप असंतोष पैदा होता है। रोहिणी आचार्य के आरोपों से यह स्पष्ट होता है कि परिवार के भीतर भी उन्हें सम्मान और सुरक्षा नहीं मिली। गिरिराज सिंह का यह सवाल कि "ये रमीज कौन है? वो हिस्ट्रीशीटर है, लालू यादव के घर में कैसे रह रहा है?" मामले को और भी गंभीर बना देता है। यह बाहरी और आपराधिक तत्वों की पार्टी के अंदरूनी मामलों और चुनावी प्रबंधन में कथित पैठ पर अंगुली उठाता है, जो राजद के लिए नैतिक और राजनीतिक दोनों ही स्तरों पर एक बड़ा झटका है। पुनश्च, यह विवाद अब केवल लालू परिवार का 'आंतरिक मामला' नहीं रहा। रोहिणी आचार्य के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार की गूँज निश्चित रूप से बिहार के मतदाताओं के बीच जाएगी। तेजस्वी यादव के लिए यह घटनाक्रम एक राजनीतिक श्राप बन सकता है। इससे उनकी नेतृत्व और लोगों के चयन की क्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़े होंगे, जिसका सीधा असर आगामी राजनीति पर पड़ना तय है। यह घटना बिहार की जनता को एक कड़ा संदेश देती है, परिवारवाद से संचालित राजनीतिक दलों में, लोकतंत्र की भावना और कार्यकर्ताओं का सम्मान हमेशा दाँव पर होता है।

तेजस्वी यादव के नेतृत्व करारी चुनावी हार के बाद, उनकी बहन रोहिणी आचार्य का राजनीति छोड़ने और परिवार से अलग होने का फैसला, और उनके द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप, न केवल राजद की आंतरिक कलह को उजागर करते हैं, बल्कि 'परिवारवाद की राजनीति' के भविष्य पर भी गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यह भी सवाल उठता है कि जो व्यक्ति या राजनीतिक परिवार अपनी महत्वाकांक्षाओं के कारण अपने घर की बेटी के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकता, वह पूरे बिहार की बेटियों के स्वाभिमान की रक्षा की कितनी चिंता करेगा? लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी देकर चर्चा में आईं रोहिणी आचार्य ने परिवार और पार्टी छोड़ते हुए बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। रोहिणी का यह दावा कि उन्हें अपमानित किया गया, गालियाँ दी गईं और पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। याद रहे कि इससे पहले तेज प्रताप यादव की पत्नी को भी अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ा था। चूँकि यह प्रकरण परिवार से बाहर आ चुका है इसलिए यह भी देखना चाहिए कि स्वयंभू नारीवादी इस प्रकरण में कहाँ तक चयनित चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे। बहरहाल, बिहार में राजनीतिक परिवार से उठा यह विवाद अब राजनीतिक के केंद्र में है। इस पूरे विवाद में रोहिणी को अपने भाई तेज प्रताप यादव और मामा साधु यादव का साथ मिल रहा है। उन्होंने पार्टी सांसद संजय यादव एवं रमीज जैसे 'बाहरी' सहयोगियों पर सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का यह बयान कि "जब कोई पार्टी परिवार बन जाती है, तो ऐसा होता है", एक कटु सत्य को रेखांकित करता है। यह घटनाक्रम दिखाता है कि परिवार के वर्चस्व वाली पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र का कितना अभाव होता है।

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक जीत को बंगाल में भाजपा की सफलता का मार्ग बताया

अब पश्चिम बंगाल में गूंजेगा जंगलराज का मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पटना हाईकोर्ट ने तब कहा था- 'बिहार में सरकार नहीं है, बिहार में जंगलराज कायम हो गया है। उस दौर में अपराध के बढ़ते ग्राफ और बाहुबलियों के दबदबे के कारण हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की थी। तब से समय-समय पर बिहार में यह गूंजता रहता है। बिहार में तो जंगल राज अब तकिया कलाम बन गया है। बात-बात में लोग जंगल राज का जिक्र करते हैं। पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी के 25 वर्ष बाद वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल के लिए पहली बार इसका प्रयोग हुआ है। संयोगवश बिहार के लिए इसका प्रयोग भी हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने ही किया था और अब बंगाल के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट ने ही इसका प्रयोग किया है। कलकत्ता हाईकोर्ट में 13 जनवरी 2023 को जस्टिस विश्वजीत बोस के सामने एक शिक्षक के तबादले का मामला सुनवाई के लिए आया। जस्टिस ने कहा कि यह जंगलराज ही होगा कि जिसकी जो मर्जी, उसी के मुताबिक काम होने लगे।

बिहार में 1990-2005 के दौरान लालू यादव-राबड़ी देवी का शासन था। उनके ही शासन को जंगल राज कहा गया। दरअसल 5 अगस्त 1997 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने पहली बार बिहार में जंगलराज कहा था। पटना हाईकोर्ट ने तब कहा था- 'बिहार में सरकार नहीं है, बिहार में जंगलराज कायम हो गया है। उस दौर में अपराध के बढ़ते ग्राफ और बाहुबलियों के दबदबे के कारण हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की थी। तब से समय-समय पर बिहार में यह गूंजता रहता है। बिहार में तो जंगल राज अब तकिया कलाम बन गया है। बात-बात में लोग जंगल राज का जिक्र करते हैं। पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी के 25 वर्ष बाद वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल के लिए पहली बार इसका प्रयोग हुआ है। संयोगवश बिहार के लिए इसका प्रयोग भी हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने ही किया था और अब बंगाल के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट ने ही इसका प्रयोग किया है। कलकत्ता हाईकोर्ट में 13 जनवरी 2023 को जस्टिस विश्वजीत बोस के सामने एक शिक्षक के तबादले का मामला सुनवाई के लिए आया। जस्टिस ने कहा कि यह जंगलराज ही होगा कि जिसकी जो मर्जी, उसी के मुताबिक काम होने लगे। ऐसा नहीं चलेगा। जिस स्कूल में शिक्षक नहीं हैं, वहीं तबादला होगा। तबादले के बाद हफ्ते भर में शिक्षकों को ज्वाइनिंग देनी होगी। जंगलराज पर बात करने का ताजा संदर्भ यह है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचण्ड जीत के बाद नई दिल्ली में पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक जीत को बंगाल में भाजपा की सफलता का मार्ग बताया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में जंगलराज समाप्त करने का संकल्प व्यक्त किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बड़े मायने हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव सभाओं में जंगल राज का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। अब बारी पश्चिम बंगाल की है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल मार्च-अप्रैल में प्रस्तावित है। कांग्रेस से निकलीं ममता बनर्जी ने साल 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। 13 साल बाद 2011 में ममता बनर्जी ने पहली बार पश्चिम बंगाल की सत्ता हासिल की। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में 34 साल पुराने लेफ्ट के किले को ढहाया था। इस चुनाव में टीएमसी को 184 सीटें मिली थीं। ममता बनर्जी पहली बार राज्य की सीएम बनी। 2016 में फिर से ममता ने जीत हासिल की। तब पार्टी को 211 सीटों के साथ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुई। 2021 में लगातार तीसरी बार टीएमसी ने जीत हासिल की थी। टीएमसी ने 215 सीटें जीती थीं। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी राज्य में जीत की हैट्रिक जड़ चुकी है। 2026 के चुनावों में टीएमसी का मुकाबला बीजेपी से होगा। पिछले डेढ दशक के टीएमसी

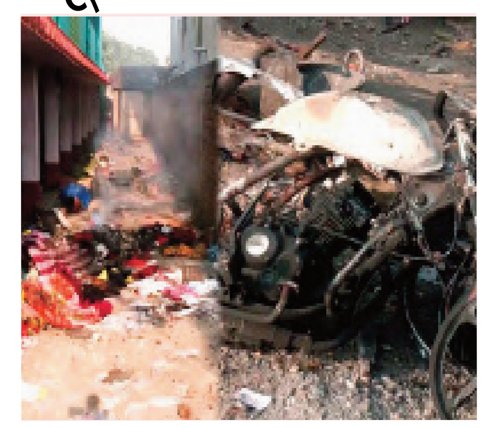

के शासन में चुनावी हिंसा से लेकर, विपक्ष खासकर बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ हिंसा और हत्या, महिला शोषण व अत्याचार के साथ भ्रष्टाचार के गंभीर मामले प्रकाश में आए हैं। ममता सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार निशाना साधती रही है। ममता सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे हुए हें। पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने शिक्षक नियुक्ति में महा घोटाले को उजागर किया है। इसी मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री समेत कई अधिकारी आरोपी हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तो सैकड़ों नियुक्तियां रद्द भी की हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट भी ममता सरकार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। संदेशखाली हो या फिर अभी हाल ही में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से बलात्कार का मामला प्रदेश सरकार के उदासीन रवैये और बयानबाजी से आमजन अंदर ही अंदर बेहद नाराज है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव के वक्त सबसे ज्यादा हिंसा पश्चिम बंगाल में ही होती है। दरअसल, इस राज्य में दंभ के स्वरों की गिनती में हिंसा का शीर्ष स्थान है और हिंसा को हमेशा शक्ति प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या पंचायत चुनाव हो! चाहे आम चुनाव हो या उप चुनाव ही क्यों न हो! चाहे वह प्री पोल वायलेंस हो या पोस्ट पोल वायलेंस! पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा की गठरी हमेशा बंधी रही। एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिलीं। खासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है। पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था। 2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की दो लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी ने राज्य में ममता बनर्जी को चुनौती देना शुरू कर दिया। 2016 के चुनाव में हालांकि बीजेपी को महज तीन सीटें मिलीं, लेकिन उसका वोट शेयर 4 फीसदी से बढ़कर 10 फ़ीसदी पर पहुंच गया। बीजेपी को पश्चिम बंगाल में असल कामयाबी 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली जब वो राज्य की 42 में 18 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं। लेकिन 2021 में ममता बनर्जी ने अपना किला बचाए रखा और राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 215 पर जीत दर्ज की. हालांकि लेफ्ट और कांग्रेस को पछाड़ते हुए बीजेपी 77 सीटें जीतकर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपनी स्थिति मजबूत की और 42 में से 29 सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी को 6 सीटों का नुकसान हुआ और वह 12 सीटों पर सिमट गई। 2011 में लेफ्ट सरकार के पतन के बाद लोगों को उम्मीद जगी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। अब तो बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। जबकि 1977 में कांग्रेस और 2011 में लेफ्ट फ्रंट सरकार की विदाई के पीछे कई वजहों में मुख्य वजह राजनीतिक हिंसा भी थी। ऐसे में आखिर कैसे बदलेगी यह तस्वीर! बीजेपी पिछले लंबे समय से पश्चिम बंगाल में जंगलराज का मुद्दा उठाती रही है। पीएम के बयान के बाद ये बात साफ हो गई है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी जंगलराज का मुद्दा जोर शोर से उठाएगी। जिस तरह की गंभीर घटनाएं पिछले डेढ़ दशक में पश्चिम बंगाल में घटी हैं, उसके चलते टीएमसी के लिए पलटवार करना आसान नहीं होगा। 2026 में ममता पश्चिम बंगाल की सत्ता से बेदखल होंगी या बीजेपी सरकार बनाएंगी ये तो आने वाले समय ही बताएगा। फिलहाल पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनाव की टोन सेट कर दी है।

देश दुनिया से

सवालों के घेरे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

सवालों के घेरे में खड़ा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद केवल एक संस्था का संकट नहीं है, बल्कि यह वैश्विक नैतिक नेतृत्व के क्षरण की बड़ी कहानी भी है। जब संयुक्त राष्ट्र का जन्म हुआ था, तब दुनिया दूसरी विश्वयुद्ध की राख से निकल रही थी और मानवता ने सामूहिक रूप से यह प्रण लिया था कि भविष्य में किसी भी बड़े युद्ध को रोका जाएगा। उस सपने का केंद्र था—सुरक्षा परिषद, जिसे शांति का संरक्षक, वैश्विक न्याय का प्रहरी और सामूहिक सुरक्षा का आधार माना गया। मगर आज, लगभग 80 वर्ष बाद, जब दुनिया यूक्रेन, गाज़ा, सूडान, यमन, म्यांमार और साहेल जैसे संघर्षों से दहक रही है, तब यह संस्था अक्सर मौन खड़ी दिखाई देती है। यह मौन केवल असहायता का प्रतीक नहीं है, बल्कि उस संरचनात्मक कमजोरी का भी संकेत है जिसने वर्षों में इसकी विश्वसनीयता को खोखला कर दिया। जब दुनिया भर के नागरिक शांति की उम्मीद में इस संस्था की ओर देखते हैं, तब यह भू-राजनीतिक हितों की जकड़ में बंधी दिखाई देती है। यही कारण है कि आज शांति का सबसे बड़ा संरक्षक स्वयं सबसे बड़े सवालों का विषय बन गया है। सबसे बड़ी समस्या है—वीटो शक्ति से पैदा होने वाला शक्ति-असंतुलन। पाँच स्थायी सदस्य देशों के हाथों में केंद्रित यह शक्ति उन्हें किसी भी प्रस्ताव को रोकने का अधिकार देती है, भले वह प्रस्ताव मानवीय त्रासदी को रोकने जितना आवश्यक ही क्यों न हो। यही कारण है कि गाज़ा में हज़ारों बच्चों की मौतें हों, यूक्रेन में शहरों के शहर तबाह हो जाएँ, या म्यांमार में लोकतांत्रिक संस्थाओं का विनाश हो—सुरक्षा परिषद अक्सर पक्षाघात की स्थिति में दिखाई देती है। यह एक ऐसे दरवाज़े का दृश्य बन गया है जिसके बाहर सहायता की गुहार लगाने वाले लाखों लोग खड़े होते हैं, लेकिन उस दरवाज़े को खोलने की चाबी कुछ सीमित देशों के हाथों में होती है, जो अपने राष्ट्रीय हितों को वैश्विक शांति से ऊपर रख देते हैं। सवाल यहाँ से आगे बढ़ता है—क्या शांति किसी राष्ट्र के हितों से छोटी हो सकती है? क्या हत्या और भूख से जूझते लोग किसी स्थायी सदस्य की भू-नीति के कारण मृत्यु के लिए छोड़ दिए जाएँ? क्या संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन का उद्देश्य केवल औपचारिक बयान देना रह गया है? ये प्रश्न आज तीखे होते जा रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर में मीडिया, नागरिक समाज और शांति विशेषज्ञ लगातार यह महसूस कर रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र की नैतिक शक्ति का क्षरण हो चुका है। दूसरी समस्या है—इस संस्था की संरचना का अप्रतिनिधिक होना। दुनिया 1945 से अब पूरी तरह बदल चुकी है, लेकिन UNSC की संरचना लगभग जड़वत है। अफ्रीका, जो संघर्षों का केंद्र भी है और शांति के लिए सर्वाधिक योगदान भी देता है, उसका कोई स्थायी प्रतिनिधि नहीं है। भारत जैसा विशाल लोकतंत्र, जिसके योगदान शांति रखरखाव से लेकर मानवीय सहायता तक व्यापक हैं, उसे भी अब तक स्थायी सदस्यता नहीं मिली है। यह एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था का संकेत है जो वास्तविकता से कट चुकी है। जहाँ वैश्विक शक्ति-मानचित्र बदल गया है—चीन का उदय हुआ, भारत आर्थिक व राजनीतिक रूप से नई ऊँचाइयों पर पहुँचा, अफ्रीका उभरती संभावनाओं का महाद्वीप बन गया, लातिन अमेरिका राजनीतिक रूप से अधिक मुखर हुआ—वहाँ सुरक्षा परिषद अब भी 1945 की मानसिकता में फंसी है। परिणामस्वरूप, कई देश इसे "वैध" के बजाय केवल "पुरानी व्यवस्था" का अवशेष समझने लगे हैं। तीसरी समस्या है—शांति अभियानों की राजनीतिक विफलता। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों ने कई जगह हिंसा को रोका जरूर, परंतु राजनीतिक स्थिरता नहीं ला सके। यह ऐसा था मानो किसी टूटते हुए घर की दीवार पर रंग तो कर दिया जाए, लेकिन दरारों की मरम्मत न की जाए। शांति केवल बंदूकें शांत कर देने से नहीं आती; यह आती है संवाद, समावेशन, शासन-सुधार और समाज के भीतर विश्वास पैदा करने से। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का तंत्र शांति स्थापना और राजनीतिक समाधान को एकीकृत नहीं कर पाता। उदाहरण के लिए, कई अफ्रीकी देशों में शांति सेना लगाने के बाद राजनीतिक मार्गदर्शन का अभाव रहा, जिसके कारण थोड़े समय बाद हिंसा फिर भड़क उठी। यह विफलता केवल संसाधन या क्षमता की नहीं, बल्कि दृष्टि-हीन रणनीति की भी है। चौथी समस्या है—निरंतरता का अभाव। UNSC अक्सर केवल संकट की शुरुआत में सक्रिय होता है, लेकिन जब स्थिति स्थिर होने लगती है, तब उसकी उपस्थिति कम हो जाती है। इससे संघर्षग्रस्त देश राजनीतिक संक्रमण के बीच झूलते रह जाते हैं। यह "अधूरी शांति" का निर्माण करता है, जिसका अंत प्रायः नई हिंसा में होता है। पाँचवीं समस्या है—इन विफलताओं के कारण संयुक्त राष्ट्र के प्रति भरोसे का क्षरण। आज वैश्विक दक्षिण में यह धारणा तेजी से बढ़ रही है कि सुरक्षा परिषद कुछ देशों की राजनीतिक लड़ाई का मैदान बन गया है। यही कारण है कि अफ्रीकी संघ, आसियान, अरब लीग और यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठन अपने-अपने सुरक्षा ढाँचे मजबूत कर रहे हैं, और यह प्रवृत्ति संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को सीमित करती जा रही है। इन सबके बीच प्रश्न उठता है—क्या समाधान है? क्या UNSC को बदलने की जरूरत है? या उसे पुनर्जीवित करने की? उत्तर है—दोनों। सुरक्षा परिषद में संरचनात्मक बदलाव आवश्यक हैं—नए स्थायी सदस्य, वीटो शक्ति की समीक्षा, क्षेत्रीय संतुलन—परंतु उससे भी अधिक आवश्यक है कार्यप्रणाली में सुधार। संयुक्त राष्ट्र महासभा अनुच्छेद 22 के तहत नए संस्थान बनाकर सुरक्षा परिषद की कमजोरियों की भरपाई कर सकती है। एक शांति एवं सतत सुरक्षा बोर्ड जैसी संस्था यह सुनिश्चित कर सकती है कि राजनीतिक निरंतरता बनी रहे, संघर्ष-बाद सुधारों की निगरानी हो, और शांति केवल युद्धविराम पर आधारित न होकर दीर्घकालिक राजनीतिक स्थिरता में बदले। इसके साथ क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका भी बढ़ानी होगी, क्योंकि वे स्थानीय संस्कृति, राजनीति और जमीनी वास्तविकताओं को बेहतर समझते हैं। शांति स्थापना अभियानों को राजनीतिक रणनीति के साथ जोड़ना होगा ताकि केवल बंदूकें ही नहीं, बल्कि मन भी शांत हो सकें। सबसे महत्वपूर्ण है—संयुक्त राष्ट्र को स्वयं अपनी नैतिक विश्वसनीयता को पुनः स्थापित करना होगा। वह तभी संभव है जब वह मानवीय संकटों में समयबद्ध, निष्पक्ष और साहसिक निर्णय लेने में सक्षम हो। केवल बयान देने की संस्कृति से आगे बढ़कर, उसे वास्तविक प्रवर्तन-आधारित शांति तंत्र बनना होगा। आज दुनिया भय, ध्रुवीकरण, तकनीकी संघर्ष, आतंकवाद, जल-संकट, और युद्ध की आशंकाओं से जूझ रही है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता मानवता को निराश कर रही है। शांति के इस सबसे बड़े संरक्षक पर उठते सवाल तभी शांत होंगे जब यह संस्था स्वयं को 21वीं सदी के अनुरूप पुनर्निर्मित करेगी।

कुछ अलग

चुनाव क्षेत्र का कबाड़

वैसे तो राजनीति ही स्टार्टअप है, हर कोई अपने तरीके और पैमाने से नए उपभोक्ता ढूंढ कर एकतरफा लाभ कमा लेता है, लेकिन इसके लिए प्रचार का कौशल सब पर भारी होने की कला है। सदा की तरह इस बार प्रचार जोरों पर था। चारों तरफ अद्भुत प्रचार। नेता एक दूसरे के प्रचार को भेद रहे थे, लेकिन पहली बार चुनाव के बीच भारतीय कबाड़िए भी छाए हुए थे। सारे उम्मीदवार कबाडियों के प्रचार से तंग हो रहे थे। कबाड़ी के ऑटो में वर्षों से बज रही पंक्ति उन्हें चुभ रही थी, 'आपके घर, मोहल्ले और शहर के कचरे का अति उत्तम दाम देने आ गया कबाड़ी भाई। टूटे बर्तन, टूटी कुर्सियां, टूटे पंखे, टूटे टेबल फैन, प्लास्टिक का सामान, हर तरह का सामान हम खरीद कर देश को स्वच्छ बनाते हैं।' इसी ऑटो के बगल में चुनाव प्रचार पार्टी आ पहुंची, 'हर दिल अजीज सेठ विक्रम, जिनका चुनाव निशान है 'टेबल फैन'। ताकत का पंखा, भरोसे का टेबल फैन। उम्र भर की उम्मीदों के साथ सेठ विक्रम के 'टेबल फैन' का बटन दबाएं।' जनता कन्फ्यूज होने लगी। एक टेबल फैन का पोस्टर दिखा कर पूरा चुनाव जीतना चाहता था। दूसरी ओर टूटे टेबल फैन की कीमत कबाड़ी अदा कर रहा था। सेठ विक्रम को अपने प्रतिद्वंद्वी से भी कहीं ज्यादा कबाड़ी से खतरा पैदा हो गया। उसने सोचा अगर कबाड़ी यूं ही जनता के टूटे टेबल फैन कबाड़ के भाव उठाता रहा, तो उसके प्रचार का क्या होगा। पहली बार किसी राजनेता ने अपने गली-मोहल्ले और चुनाव क्षेत्र के कबाड़ से घबरा कर बाकायदा चुनाव आयोग से शिकायत कर डाली। अनुरोध यह था कि चुनाव प्रचार के दौरान कबाडियों को अपने धंधे का प्रचार न करने दिया जाए, 'कबाडियों के प्रचार से चुनाव चिन्ह बदनाम हो रहे हैं।

आप का नजरिया

ट्रंप ने फोड़ा परमाणु बम!

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले और तमाम झूठ-प्रपंच का सहारा लेने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या सार्वजनिक बयान देकर दुनिया को बताएंगे कि अमरीका ने एक और परमाणु बम परीक्षण किया है? परमाणु परीक्षण 19-21 अगस्त के बीच किया गया, जबकि अलास्का में 15 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई और लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन 14 नवंबर को यह खबर सामने क्यों लाई गई कि अमरीका ने नेवादा के मरुस्थली रेत वाले टोनोपा टेस्ट रेंज में परमाणु बम का परीक्षण किया? तीन महीने तक परीक्षण को छिपा कर क्यों रखा गया? परीक्षण किए गए बम को बी 61-12 ग्रेविटी परमाणु बम नाम दिया गया है। यह जापान के हिरोशिमा पर 1945 में गिराए गए एटम बम से 24 फीसदी अधिक ताकतवर बम बताया जा रहा है। हिरोशिमा बम हमले में 1.40 लाख लोग मारे गए थे। करीब 38,000 बच्चों की भी अकाल मौत हुई थी। 1945 के बाद एक बेहद लंबा वक्त बीत चुका है। क्या अमरीका ने परमाणु परीक्षण कर एक बार फिर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी है और दुनिया को 'परमाणु युद्ध' के मुहाने पर ला खड़ा किया है? बीते दिनों रूस ने बुरिवेस्निक और पोसाइडन सरीखी विनाशकारी मिसाइलों के परीक्षण किए थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ी आलोचना की थी और अमरीका द्वारा परमाणु परीक्षण करने की लगातार धमकी दी थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां तक बयान दिया था कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया, पाकिस्तान जैसे देश लगातार परमाणु परीक्षण कर रहे हैं और ये परीक्षण भूमि के नीचे किए जाते हैं। यदि जमीन हिलती है, तो उसे भूकंप करार दिया जाता है। बहरहाल यह सच अब सामने आया है कि अमरीका तो अगस्त में ही परमाणु बम का परीक्षण कर चुका है और परीक्षण के वीडियो 'पेंटागन' को भेजे गए हैं। यह परीक्षण राष्ट्रपति ट्रंप की अनुमति के बाद ही किया गया है। यह कथित परमाणु बम एफ-35 लड़ाकू विमान से गिराया गया और एरिया-51 में 'सीक्रेट टेस्ट' किया गया, जो पूर्णतः सफल रहा। यही नहीं, एटम बम के उपकरणों के भी परीक्षण किए गए। अमरीका ने 1992 में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था। उससे पहले 1990 में सोवियत संघ परमाणु परीक्षण कर चुका था। 1996 में चीन और फ्रांस ने अपने परमाणु परीक्षण किए। भारत और पाकिस्तान ने मई, 1998 में परीक्षण किए। उसी दौर में परमाणु परीक्षण पर व्यापक और आंशिक प्रतिबंध लगाने वाली संधियां हुईं, हालांकि भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए। बहरहाल अमरीका के पास तो 1945 में ही ऐसा एटम बम था, जिसने हिरोशिमा और नागासाकी सरीखे जापानी शहरों को मिट्टी-मलबा बना दिया था। लाखों मासूम और अकाल मौतें हुईं और कई पीढियों तक उस परमाणु हमले के प्रभाव देखे गए। पीढियां विकलांग और बीमार पैदा होती रहीं, लिहाजा सवाल बेहद गंभीर और संवेदनशील है कि यदि 33 लंबे सालों के बाद अमरीका ने परमाणु बम का परीक्षण किया है, तो मौजूदा दौर में परमाणु बम कितना विनाशकारी, नरसंहारी साबित हो सकता है? सन्नाटे और रेत के मैदानों के बीच किए गए इस परीक्षण को 'ऑपरेशन शैडो ड्रॉप' कूटनाम दिया गया। सवाल है कि क्या अमरीका ने तमाम परमाणु अप्रसार संधियों को ठेंगा दिखाया है? आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (एलटीबीटी), व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) मुख्य संधियां हैं। अमरीका और रूस ने इन पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए, क्योंकि वह संधि को भेदभावपूर्ण मानता रहा है। रूस ने 2023 में सीटीबीटी से अपना समर्थन वापस ले लिया था। 1945 से लेकर 1996 तक 2000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए गए, जिनमें अमरीका ने 1032 और सोवियत संघ ने 715 परीक्षण किए। 1996 के बाद संयुक्त राष्ट्र ने भी सीटीबीटी को अपनाया। इस पर 187 देशों ने हस्ताक्षर किए और 178 देशों ने इसका अनुमोदन किया। जब तक 44 विशिष्ट देश संधि का अनुमोदन नहीं करते, तब तक यह लागू नहीं हो सकती। अभी तक विशिष्ट 8 देशों ने इसका अनुमोदन नहीं किया है, लिहाजा यह संधि आज भी अधूरी है।

परमाणु परीक्षण 19-21 अगस्त के बीच किया गया, जबकि अलास्का में 15 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई और लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन 14 नवंबर को यह खबर सामने क्यों लाई गई कि अमरीका ने नेवादा के मरुस्थली रेत वाले टोनोपा टेस्ट रेंज में परमाणु बम का परीक्षण किया? तीन महीने तक परीक्षण को छिपा कर क्यों रखा गया? परीक्षण किए गए बम को बी 61-12 ग्रेविटी परमाणु बम नाम दिया गया है। यह जापान के हिरोशिमा पर 1945 में गिराए गए एटम बम से 24 फीसदी अधिक ताकतवर बम बताया जा रहा है। हिरोशिमा बम हमले में 1.40 लाख लोग मारे गए थे। करीब 38,000 बच्चों की भी अकाल मौत हुई थी। 1945 के बाद एक बेहद लंबा वक्त बीत चुका है। क्या अमरीका ने परमाणु परीक्षण कर एक बार फिर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी है और दुनिया को 'परमाणु युद्ध' के मुहाने पर ला खड़ा किया है? बीते दिनों रूस ने बुरिवेस्निक और पोसाइडन सरीखी विनाशकारी मिसाइलों के परीक्षण किए थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ी आलोचना की थी और अमरीका द्वारा परमाणु परीक्षण करने की लगातार धमकी दी थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां तक बयान दिया था कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया, पाकिस्तान जैसे देश लगातार परमाणु परीक्षण कर रहे हैं और ये परीक्षण भूमि के नीचे किए जाते हैं।

दृष्टि कोण

अब अर्थव्यवस्था की ताकत सेवा क्षेत्र

हाल ही में प्रकाशित नीति आयोग की सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सेवा क्षेत्र का योगदान 55 फीसदी से अधिक है और लगभग 18.8 करोड़ लोगों या देश के कार्यबल के लगभग 30 फीसदी को रोजगार देता है। रिपोर्ट दर्शाती हैं कि सेवा क्षेत्र ने पिछले छह वर्षों में 4 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा किए हैं। देश का सेवा निर्यात 14.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ रहा है। यह वस्तु निर्यात के 9.8 प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। ऐसे में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि देश के वस्तु निर्यात की चुनौतियों के बीच सेवा क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की ताकत बन गया है। गौरतलब है कि देश में बढ़ता हुआ सेवा क्षेत्र बढ़ते हुए सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) का आधार है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का अहम पहलू सेवा निर्यात बन गया है। इनसे न केवल विदेश व्यापार घाटे को थामे रखने में मदद मिल रही है बल्कि इनसे देश में रोजगार निर्माण में सहारा मिल रहा है। इस समय भारत सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की ऐतिहासिक ऊंचाई हासिल करते हुए वैश्विक सेवा निर्यात का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच भारत का सेवा निर्यात 193.18 अरब डॉलर के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उम्मीद है कि यह इस चालू वित्त वर्ष के अंत तक 475 अरब डॉलर की रिकॉर्ड नई ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सेवा निर्यात 387.5 अरब डॉलर का ही रहा था। वर्ष 2013-14 में सेवा निर्यात का आकार महज 152 अरब डॉलर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुताबिक भारत ने वैश्विक सेवा निर्यात में 4.3 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ अब दुनिया में सातवां स्थान हासिल कर लिया है। वर्ष 2001 में सेवा निर्यात के मामले में भारत 24वें स्थान पर था। यह उपलब्धि मुख्य रूप से टेलीकॉम, आईटी और

बिजनेस सेवाओं की बदौलत संभव हो पाई है। ये क्षेत्र देश के कुल सेवा निर्यात का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा रखते हैं। इनके साथ-साथ भारत सांस्कृतिक और मनोरंजन सेवा निर्यात में भी आगे हैं। सेवा निर्यात की मौजूदा प्रगति देश में हो रहे सेवा क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधारों, तकनीकी विकास और नई पीढ़ी की उच्च कौशल युक्त क्षमताओं के लाभों का परिणाम भी है। गौरतलब है कि सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर अमूर्त सेवाएं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, पर्यटन, आतिथ्य, शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, एआई आदि से संबंधित सेवाओं का निर्यात शामिल है। खासतौर से भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसीए लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1800 से अधिक जीसीसी हैं जिनसे 21 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। दुनिया के करीब 50 प्रतिशत जीसीसी सिर्फ भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान 1.5 प्रतिशत से अधिक है और 2030 तक यह 3.5 प्रतिशत हो जाएगा। ज्ञातव्य है कि ग्लोबल कैपैबिलिटी सेंटर या जीसीसी जॉब मार्केट में नया चलन है। जीसीसी प्रमुख रूप से आईटी सपोर्ट, कस्टमर सर्विस, फाइनेंस, एचआर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधि बेरा और विल्सन ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मान्यता देने वाला द्विदलीय प्रस्ताव पेश किया

वाशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी प्रतिनिधि एमी बेरा और जो विल्सन ने हाल ही में अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी को मान्यता देते हुए एक द्विदलीय प्रस्ताव पेश किया है। अमी बेरा डेमोक्रेटिक कांग्रेसी और जो विल्सन रिपब्लिकन कांग्रेसी हैं। बेरा कैलिफोर्निया से अमेरिकी प्रतिनिधि हैं और कांग्रेस की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले भारतीय अमेरिकी सदस्यों में से एक हैं। जो विल्सन दक्षिण कैरोलिना से अमेरिकी प्रतिनिधि हैं और 2001 से इस पद पर हैं। वह रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधि एमी बेरा ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि हम दोनों ने संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच ऐतिहासिक साझेदारी के रणनीतिक मूल्य को मान्यता देते हुए एक द्विदलीय प्रस्ताव पेश किया है। यह प्रस्ताव दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, आतंकवाद-निरोध और शिक्षा सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दशकों से बढ़ते सहयोग को रेखांकित करता है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करता है।

प्रस्ताव में कहा गया है, 'तीन दशकों से भी अधिक समय से क्लिंटन, बुश, ओबामा, ट्रंप और बाइडेन के प्रशासन के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका की नीति भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की रही है। प्रशासन ने क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक शासन, आर्थिक विकास और साझा क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के लिए इसके महत्व को पहचाना है।' यह विधेयक 21वीं सदी की चुनौतियों जैसे आतंकवाद-निरोध और साइबर खतरों से लेकर उभरती प्रौद्योगिकियों तकका सामना करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच निरंतर सहयोग का आह्वान करता है। यह दोनों देशों के बीच स्थायी संबंधों को भी मान्यता देता है। इन संबंधों को भारतीय अमेरिकी प्रवासी निरंतर मजबूत कर रहे हैं। प्रस्ताव को 24 मूल सह प्रायोजकों के साथ मजबूत द्विदलीय समर्थन प्राप्त हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की मांग करने वाले राजतंत्र समर्थक दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार किया गया

काठमांडू। नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की मांग आदि मसलों पर 23 नवंबर से देशव्यापी बंद और प्रदर्शन का आह्वान करने वाले राजतंत्र समर्थक दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें सोमवार देररात करीब सवा बजे काठमांडू पुलिस भक्तपुर स्थित उनके निवास स्थान से गिरफ्तार कर जिला प्रहरी कार्यालय भद्रकाली ले गई। काठमांडू जिला पुलिस प्रमुख रमेश थापा के अनुसार, प्रसाई पर सार्वजनिक शान्ति एवं सुरक्षा भंग करने की कोशिश का आरोप है। प्रसाई ने सोमवार को पत्रकार सम्मेलन में पूर्व से लेकर पश्चिम तक देश को ठप कर देने की चेतावनी दी थी। अंतरिम सरकार का कहना है कि प्रसाई को गिरफ्तार करने का उद्देश्य उनके प्रस्तावित आंदोलन से संभावित हिंसा एवं अस्थिरता को रोकना है। प्रसाई और उनके समर्थकों ने 23 नवंबर को 'वृहद् नागरिक मुक्ति आन्दोलन' के बैनर तले काठमांडू से आंदोलन शुरू करने की घोषणा की थी। प्रसाई ने दावा किया था कि काठमांडू में 15 लाख से अधिक लोग जुटेंगे।

जयशंकर और लावरोव ने भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की

मास्को। भारत के विदेशमंत्री जयशंकर ने यहां अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। रूस के विदेशमंत्री लावरोव और जयशंकर ने इस दौरान 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर सोमवार को रूस की तीन दिन की यात्रा पर राजधानी मास्को पहुंचे। उन्होंने एक्स पर लिखा, '' मास्को में विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव से मिलकर खुशी हुई। व्यापार और निवेश, ऊर्जा, गतिशीलता, कृषि, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित हमारी द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा हुई।'' जयशंकर ने कहा कि हम दोनों ने क्षेत्रीय, वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। रूस यात्रा के दौरान जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की राष्ट्राध्यक्ष परिषद की बैठक में हिस्सा लेंगे। रूस पहुंचने पर हवाई अड्डे पर उनका स्वागत भारत के राजदूत विनय कुमार और रूसी विदेश मंत्रालय के द्वितीय एशिया विभाग के निदेशक एलेक्सी पावलोवस्की ने किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, जयशंकर और लावरोव के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा की तैयारियों पर भी चर्चा करने की संभावना है। पुतिन के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए पांच दिसंबर के आसपास भारत पहुंचने की उम्मीद है। पुतिन ने इससे पहले 2021 में नई दिल्ली की यात्रा की थी। तास की रिपोर्ट के अनुसार, जयशंकर मंगलवार को एससीओ की राष्ट्राध्यक्ष परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रपति पुतिन के भी इस बैठक को संबोधित करने की संभावना है।

चीन ने बनाए खास फाइटर जेट, अचानक हवा में गायब होने की है क्षमता

बीजिंग। चनी की झेजियांग यूनिवर्सिटी की टीम कह रही है कि उन्होंने वह हासिल कर लिया है, जो अभी

तक दुनिया नहीं कर पाई... टोटल रडार वैनिशिंग। एक ऐसी 'क्लोक्ड' मशीन जो आसमान चीरते हुए उड़ जाए और रडार तक समझ न पाए कि उसके सिर के ऊपर मौत का परिंदा गुजर चुका है। इसी वाई-फाई डरावने भविष्य को हकीकत में बदलने का दावा किया है चीन की झेजियांग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने। उन्होंने एक 'एयरो-एम्फिबियस इनविजिबिलिटी क्लोक' विकसित किया है। सीधे शब्दों में, ऐसा स्टेल्थ कवच जो विमान को रडार में पूरी तरह गायब कर दे। और अब चीन चाहता है कि यह 'अदृश्य टेक्नोलॉजी' उसकी ड्रोन आर्मी पर लगाई जाए। यानी भविष्य का युद्धः साइलेंट ड्रोन। अदृश्य ड्रोन। जैसा कि पॉपुलरमैकेनिक्स की एक रिपोर्ट में बताया जा रहा है। अगर यह सच है, तो यह टेक्नोलॉजी युद्ध के नियम बदलने की क्षमता रखती है। पर सवाल भी उतना ही बड़ा है कि क्या यह हकीकत है या चीन का एक और हाईप-ड्रिवेन मिलिट्री शोबाज़ी चीनी सेना ने अदृश्यता के लबादों को प्रयोगशाला से बाहर निकालकर बादलों में पहुंचाने का काम किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिका की गाजा शांति योजना को मंजूरी दी

न्यूयॉर्क, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को अमेरिकी प्रस्ताव पारित कर दिया। इसका उद्देश्य गाजा में नाजुक युद्धविराम से आगे बढ़कर अधिक स्थायी शांति और तबाह हुए क्षेत्र के पुनर्निर्माण की ओर बढ़ना है। 15 सदस्यीय परिषद ने प्रस्ताव के पक्ष में 13-0 से मतदान किया। रूस और चीन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। दोनों ने इस प्रस्ताव को रोकने के लिए अपने वीटो का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20-सूत्रीय गाजा योजना को अंतरराष्ट्रीय वैधता प्रदान करना था। इस योजना के कुछ हिस्से पिछले महीने गाजा पट्टी में लागू युद्धविराम का आधार बने। अमेरिका ने इसे पारित कराने के लिए कड़ी पैरवी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा, 'कुछ ही क्षण पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अविश्वसनीय मतदान पर विश्व को बधाई। शांति बोर्ड की अध्यक्षता मैं करूंगा और विश्व के सबसे शक्तिशाली और सम्मानित नेता इसमें शामिल होंगे। 'पारित प्रस्ताव के अनुसार, अब शांति बोर्ड की स्थापना और गाजा में अस्थायी अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल (आईएसएफ) का गठन किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि बोर्ड के सदस्यों की घोषणा जल्द की जाएगी। कई राजनयिक सूत्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र का समर्थन हासिल है। इसलिए अन्य राष्ट्रों को आईएसएफ में शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइकल वाल्ट्ज ने कहा कि आईएसएफ शांति सैनिकों का मजबूत गठबंधन होगा। इसमें इंडोनेशिया, अजरबैजान और अन्य मुस्लिम बहुल देशों के सैनिक शामिल होंगे। गाजा में एक एकीकृत कमान के तहत इनकी तैनाती होगी। गाजा की सड़कों को सुरक्षित किया जाएगा। शांति सैनिक विसैन्यीकरण की निगरानी करते हुए नागरिकों की रक्षा करेंगे। सुरक्षित गलियारों के माध्यम से सहायता पहुंचाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मतदान से पहले वाल्ट्ज ने चेतावनी दी थी कि इस प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान का मतलब युद्ध की ओर लौटना होगा ।पश्चिमी राजनयिक सूत्रों ने बताया है कि प्रस्ताव में विस्तृत जानकारी का अभाव इसे लागू करने में मुश्किल पैदा करेगा। संक्रमणकालीन प्राधिकारी फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सौंपे जाने की स्पष्ट समय-सीमा न होने के कारण इसकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। पारित प्रस्ताव में शांति बोर्ड को 2027 के अंत तक के लिए किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि शांति बोर्ड हमास और अन्य गुटों के निशस्त्रीकरण और गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगा। सनद रहे यह मांग इजराइल लंबे समय से करता रहा है। इस प्रस्ताव में फिलिस्तीनी राज्य का भी उल्लेख है, लेकिन इसके लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। मसौदे में कहा गया है, 'सुधार कार्यक्रम के ईमानदारी से लागू होने और गाजा पुनर्विकास के आगे बढ़ने के बाद फिलिस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य के दर्जे के लिए एक विश्वसनीय मार्ग के लिए परिस्थितियां अंततः तैयार हो सकती हैं।' इसमें कहा गया है, 'संयुक्त राज्य अमेरिका इजराइल और फिलिस्तीनियों के बीच संवाद स्थापित करेगा ताकि शांतिपूर्ण और समृद्ध सह अस्तित्व के लिए एक राजनीतिक क्षितिज पर सहमति बन सके।' प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बोर्ड के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया गया है। हमास ने रविवार को कहा कि वह इस मसौदा प्रस्ताव को गाजा पर अंतरराष्ट्रीय संरक्षण थोपने और कब्जे के प्रति पक्षपाती दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का एक प्रयास मानता है। सोमवार को हुए मतदान के बाद हमास ने कहा कि किसी भी स्थिरीकरण बल को गाजा पट्टी के अंदर तैनात करने से संघर्ष की आशंका बढ़ जाती है।' हमास कई अधिकारियों ने कहा कि उसकी सैन्य शाखा को निशस्त्र करने का सवाल ही नहीं पैदा होता। हमास लड़ाके गाजा में प्रतिशोध की मांग कर रहे अन्य समूहों से खुद को बचाने के लिए हल्के हथियार छोड़ने को तैयार नहीं होंगे। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को दोहराया, 'गाजा का विसैन्यीकरण हर हाल में किया जाएगा।

अमेरिकी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के कार्यवाहक प्रमुख डेविड रिचर्डसन का इस्तीफा

वाशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका की संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के कार्यवाहक प्रमुख डेविड रिचर्डसन ने महज छह माह के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा टेक्सास बाढ़ प्रबंधन को लेकर आलोचनाओं के बीच आया है। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने इसकी पुष्टि की। बताया गया है कि एजेंसी प्रमुख रिचर्डसन ने सोमवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें इसी साल आठ मई को संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी का कार्यवाहक प्रमुख बनाया गया। होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने उनके पूर्ववर्ती कैमरन हैमिल्टन को अचानक हटा दिया था। इस एजेंसी का नेतृत्व करने से पहले रिचर्डसन होमलैंड सुरक्षा विभाग के सामूहिक विनाश के हथियारों के निरोधक कार्यालय में सहायक सचिव थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी की चीफ ऑफ स्टाफ करेन इवांस पहली दिसंबर से अपना कार्यभार संभालेंगी। प्रवक्ता ने रिचर्डसन की प्रशंसा करते हुए उन्हें निजी क्षेत्र में उनकी वापसी करने की बधाई दी है।

रिचर्डसन का इस्तीफा जुलाई में सेंट्रल टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद एजेंसी की प्रतिक्रिया को लेकर बढ़ती आलोचनाओं के बीच आया है। इस बाढ़ में 157 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस आपदा के समय संपर्क न हो पाने के लिए रिचर्डसन की तीखी आलोचना हुई। आलोचकों में कैपिटल हिल के सांसद भी शामिल थे। एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रमुख से घंटों संपर्क नहीं हो पाया, जिससे खोज और बचाव दल तैनात करने के प्रयास जटिल हो गए। इस वजह से उन्हें जुलाई में ही कांग्रेस के सामने उपस्थित होकर सफाई देनी पड़ी।

पानी के लिए तड़प रहे ईरान में 'ऑपरेशन बारिश' शुरू, सबसे बड़ी झील भी सूखी

तेहरान। ईरान में लंबे समय के बाद पहली बार गंभीर सूखे पड़ा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि सरकार अब क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश का सहारा ले रही है। शनिवार को ईरान के अधिकारियों ने बादलों पर केमिकल छिड़ककर बारिश कराने की कोशिश की। क्लाउड-सीडिंग उर्मिया झील बेसिन के ऊपर की गई। यह झील ईरान की सबसे बड़ी झील है लेकिन अब लगभग पूरी तरह सूखकर विशाल नमक के मैदान में बदल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में यह ऑपरेशन ईस्ट और वेस्ट अजरबैजान क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा। ईरान की मौसम एजेंसी का कहना है कि देश में इस साल बारिश दीर्घकालिक औसत से 89प्रतिशत कम दर्ज की गई है। एजेंसी ने कहा, 'हम 50 वर्षों में सबसे सूखे पतझड़ का सामना कर रहे हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि जरूरत से ज्यादा पानी खर्च करने वाले घरों और कारोबारी प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाने की तैयारी है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के नेशनल सेंटर फॉर क्लाइमेट एंड ड्रॉट क्राइसिस मैनेजमेंट के प्रमुख अहमद वजीफे ने कहा कि तेहरान, वेस्ट अजरबैजान, ईस्ट अजरबैजान और मरकजी प्रांतों में बांधों की स्थिति 'चिंताजनक' है और कहीं-कहीं पानी का प्रतिशत एक अंक में पहुंच गया है।

बांग्लादेश छात्र विद्रोह के नेता नाहिद इस्लाम पूर्व आईजीपी मामून की पांच साल की सजा से असंतुष्ट

ढाका, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के पूर्व सूचना सलाहकार और छात्र विद्रोह के प्रमुख नेता नाहिद इस्लाम ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता विरुद्ध अपराधों के लिए सुनाई गई मौत की सजा के फैसले पर खुशी जताई है। नाहिद ने शेख हसीना के साथ इन अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल मामून की पांच साल की सजा को नाकाफी बताया है। उन्होंने कहा कि अपराधों के लिए बराबर के दोषी मामून को सुनाई गई सजा से वह असंतुष्ट हैं। अंतरिम सरकार छोड़ने के बाद नाहिद ने नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) का गठन कर राष्ट्रीय राजनीति में कदम रख चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, नाहिद ने सोमवार देरशाम संवाददाता सम्मेलन में जुलाई विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों में भूमिका के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण-1 के फैसले पर खुशी जताई। साथ ही शेख हसीना को सुनाई गई मौत की सजा पर शीघ्र अमल करने का आग्रह अंतरिम सरकार से किया। उन्होंने कहा कि शेख हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जाना चाहिए और एक महीने के भीतर उनकी मौत की सज़ा पर अमल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता तो लोगों, शहीदों के परिवारों और घायल लड़ाकों की उम्मीदें अधूरी रह जाएंगी। नाहिद ने पार्टी की तरफ से जुलाई विद्रोह में भाग लेने वाले छात्र कार्यकर्ताओं, शहीदों के परिवारों और घायल लड़ाकों को बधाई दी। उन्होंने यह ऐतिहासिक फैसला है। अवामी लीग और शेख हसीना के मानवता के विरुद्ध अपराधों को अब न्याय मिला है।

नाहिद इस्लाम ने इस दौरान जुलाई-अगस्त क्रांति के दौरान न्याय के लिए संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा, 'जिस दिन मेरे भाई अबू सईद की हत्या हुई थी, हमने उनकी हत्या के लिए न्याय दिलाने का संकल्प लिया था।

बांग्लादेश में 'हसीना पर फैसले' के बाद अशांति, ढाका में बड़े पैमाने पर हिंसा, सेना तैनात

ढाका, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 के सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल के छात्र विद्रोह पर घातक कार्रवाई करते हुए मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए मौत की सजा सुनाए जाने के बाद देश में अशांति फैल गई। ढाका में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है। हालात को नियंत्रित करने के लिए कई जगह सेना को तैनात करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी ढाका के धानमंडी 32 में शेख हसीना के दिवंगत पिता शेख मुजीबुर रहमान के ऐतिहासिक घर पर प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। पुलिस के मना करने पर हिंसक गतिरोध उत्पन्न हो गया। फैसला आने के बाद ढाका कॉलेज के दर्जनों छात्र दो बुलडोज़र लेकर पहुंचे और लाउडस्पीकर पर घोषणा की कि वह बंगबंधु के घर के शेष हिस्सों को जमींदोज कर देंगे। इसके बाद तत्काल सेना को भेजा गया। सुरक्षा बलों ने चारों ओर के रास्ते सील कर दिए। रिपोर्ट के अनुसार, बैरिकेड्स को तोड़ने पर आमादा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। आंसू गैस के गोले दागने पड़े। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने कहा बंगबंधु के घर के आसपास किसी को भी फटकने नहीं दिया गया। सनद रहे इस घर को पिछले साल हसीना के अपदस्थ होने पर भीड़ ने आंशिक रूप से जला दिया था। सोमवार शाम यहां लगभग 300 प्रदर्शनकारी फिर इकट्ठा हो गए और टायर जलाने लगे। सुरक्षा बलों को इन्हें खदेड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। देश के उच्चतम न्यायालय परिसर में स्थापित न्यायाधिकरण के फैसला सुनाए जाने के बाद बांग्लादेश में जश्न और हिंसा दोनों का दौर देखा गया। राजधानी और अन्य शहरों के कुछ हिस्सों में, छिटपुट आगजनी और बम विस्फोटों ने लोगों को झकझोर दिया। हिंसा के दौरान दर्जनों वाहनों को फूंक दिया गया। देश में फैसले से पहले के दिनों में लगभग 50 बसों को हवाले कर दिया गया। दर्जनों जगह बम विस्फोट हुए। ढाका विश्वविद्यालय परिसर में बड़ी स्क्रीन पर फैसले का सीधा प्रसारण देख रहे विद्यार्थियों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया।

ट्रम्प प्रशासन का बड़ा ऐलान, फीफा विश्व कप टिकट धारकों को वीज़ा इंटरव्यू में मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच हुई बैठक के बाद फीफा विश्व कप 2026 के टिकट धारकों को वीज़ा इंटरव्यू में प्राथमिकता देने की घोषणा की गई है।

फीफा के अनुसार, इस उद्देश्य के लिए फीफा प्रायोरिटी अप्वॉइंटमेंट शेड्यूलिंग सिस्टम (फीफा पास) शुरू किया गया है, ताकि वीज़ा प्रक्रिया को आसान और तेज बनाया जा सके। ट्रम्प प्रशासन द्वारा 2025 में लागू की गई कड़ी आव्रजन नीतियों के बाद यह सवाल उठ रहे थे कि इतने बड़े खेल आयोजन को उत्तर अमेरिका में आयोजित करना कितना उचित होगा। हालांकि, अब यह नई पहल अंतरराष्ट्रीय दर्शकों की उपस्थिति बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

फीफा विश्व कप 2026 को अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको द्वारा 16 शहरों में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में टीमों की संख्या बढ़ाकर 48 कर दी गई है।

इन्फेंटिनो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया भर के प्रशंसकों का अभूतपूर्व स्तर पर स्वागत करने के लिए तैयार है, और हम यह सुनिश्चित करने की तैयारी कर रहे हैं कि फुटबॉल दुनिया को एकजुट करे।'

वीज़ा संबंधी चिंताओं के बावजूद टिकटों की मांग मजबूत बनी हुई है। फीफा के अक्टूबर चरण में अब तक 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, 'अमेरिका प्राथमिकता आधारित अपॉइंटमेंट दे रहा है ताकि फीफा विश्व कप के प्रशंसक जल्द से जल्द वीज़ा इंटरव्यू पूरा कर सकें। टूर्नामेंट नजदीक है, इसलिए अब आवेदन करने का सही समय है। हम इतिहास का सबसे सुरक्षित और शानदार विश्व कप कराने के लिए तैय।

न्यूज़ ब्रीफ

नाओमी ओसाका ने ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से नाम वापस लिया, अब यूनाइटेड कप में जापान के लिए खेलेंगी

वेलिंगटन। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने जनवरी में होने वाले ऑकलैंड के एएसबी क्लासिक डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ओसाका अब न्यूज़ीलैंड के बजाय ऑस्ट्रेलिया में होने वाले यूनाइटेड कप 2026 में जापान का प्रतिनिधित्व करेंगी। ओसाका ने सितंबर में घोषणा की थी कि वह अपनी 2026 सीज़न की शुरुआत ऑकलैंड से करेंगी, जहाँ उन्होंने इस साल की शुरुआत में फाइनल तक पहुंचकर शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन अब उन्होंने टूर्नामेंट निदेशक निकोलस लैम्पेरिन को सूचित किया कि वह अपना प्री-ऑस्ट्रेलियन ओपन तैयारी चरण ऑस्ट्रेलिया में ही शुरू करना चाहती हैं। यूनाइटेड कप में ओसाका जापान की टीम में शिंटारो मोचिज़ुकी के साथ खेलेंगी। टूर्नामेंट 2 से 11 जनवरी तक पर्थ में होगा, और ग्रुप स्टेज में जापान का सामना ब्रिटेन और ग्रीस से होगा। गौरतलब है कि साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 18 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले मुरलीधर का रिकार्ड अभी टूटना संभव नहीं, कोई भी गेंदबाज नहीं है करीब

मुम्बई । आजकल सीमित ओवरों के प्रारुप का चलन बढ़ गया है पर टेस्ट क्रिकेट का महत्व अब भी अपनी जगह पर बना हुआ है। टेस्ट प्रारुप में विकेट लेने के लिए गेंदबाज में कौशल के साथ ही धैर्य होना भी जरुरी होता है क्योंकि इस प्रारुप में बल्लेबाज संभल कर खेलते हैं और टी20 प्रारुप की तरह हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास नहीं करते हैं। टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम हैं। मुरली ने अपने करियर में अब तक कुल 800 विकेट लिए हैं जो अभी टूटना संभव नहीं हैं क्योंकि वर्तमान समय का कोई भी गेंदबाज उनके करीब नहीं है केवल इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम ही 704 विकेट हैं पर उन्होंने भी संन्यास ले लिया है। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट में 67 बार पांच विकेट और 22 बार दस विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दूसरे स्थान पर हैं ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न हैं। वार्न ने 145 मैचों में अपने 708 विकेट लिए। वहीं इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, 704 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर है। सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की इस सूची में भारत टीम के दिग्गज स्पिर अनिल कुंबले 619 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं पांचवे नंबर पर इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा और ऑस्ट्रेलिया के नैथन लियोन हैं। इन सभी के नाम 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारत के आर अश्विन भी 537 विकेट के साथ ही इस सूची में शामिल हैं।

आईपीएल 2026 सत्र में टीम के भरोसे को सही साबित करना रहेगा मार्कराम का लक्ष्य

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं। उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं।

महिला प्रीमियर लीग 7 जनवरी से शुरु होने की संभावना, 26 नवंबर को हो सकता है अंतिम फैसला

मुम्बई, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट मुकाबले अगले साल की शुरुआत में होगें। ये मुकाबले 7 जनवरी से 3 फरवरी के बीच हो सकते हैं। इसके मैच स्थल और कार्यक्रम पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को हो सकता है। वहीं टूर्नामेंट की मेगा नीलामी 27 नवंबर को करायी जा सकती है। टूर्नामेंट की गवर्निंग काउंसिल बैठक में कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। भारतीय महिला टीम ने हाल ही में विश्वकप जीता है। ऐसे में प्रशंसक डब्ल्यूपीएल में अपनी स्टार खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'हम 26 नवंबर को एक बैठक करेंगे ताकि अगले संस्करण के लिए स्थान और कार्यक्रम को पर फैसला किया जा सके।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूपीएल इस बार दो स्थानों पर आयोजित किया जा सकता है। इसमें नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम और वडोदरा का कोटंबी स्टेडियम भी मुख्य रुप से नजर में है। डब्ल्यूपीएल का खिताबी मुकाबला 3 फरवरी को होगा। इसमें मौजदा चैम्पियन मुम्बई इंडियंस पर सबकी नजरें रहेंगी। उसने इस साल की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। वहीं 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) भी एक बार फिर खिताब जीतना चाहेगी। इससे यूपी वारियर्ज़ 14.5 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी राशि के साथ नीलामी में प्रवेश करेगी। वहीं गुजरात जायंट्स के पास 9 करोड़ रुपये जबकि आरसीबी के पास 6.15 करोड़ रुपये रहेंगे। मुम्बई इंडियंस के पास 5.75 करोड़ रुपये बचे हैं। दिल्ली कैपिटल्स, की टीम नीलामी में 5.7 करोड़ रुपये के साथ उतरेगी। इस बार नीलामी में विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों पर बड़ी बोलियां लग सकती हैं।

अर्जुन तेंदुलकर ने सीनियर क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किये

मुम्बई। गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अर्जुन ने इस मैच में सौराष्ट्र के हरविक देसाई को 45 रन पर आउट करने के साथ ही सीनियर क्रिकेट में अपने विकेटों का शतक पूरा किया। उन्होंने सीनियर क्रिकेट में अपना पहला विकेट जनवरी 2021 में हरियाणा के खिलाफ अपनी पुरानी टीम मुंबई की ओर से डेब्यू मैच में लिया था। अर्जुन ने मुंबई की ओर से केवल एक सीनियर मैच खेला हैं। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। उन्होंने दिसंबर 2022 में राजस्थान के खिलाफ मैच में गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने पिता सचिन तेंदुलकर की तरह ही डेब्यू में शतक लगाया था। अर्जुन ने रणजी डेब्यू से एक महीने पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए में डेब्यू किया था। अर्जुन के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 48 विकेट हैं। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में 25 बल्लेबाजों को आउट किया है। अर्जुन के नाक टी20 में 27 विकेट हैं। अर्जुन आईपीएल 2021 की मिनी-नीलामी में अपने बेस प्राइस 20 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस पहुंचे थे। उन्होंने आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में भी उन्हें उसी कीमत पर फिर से लिया था। अर्जुन ने 2023 में आईपीएल में डेब्यू किया और उस सीजन में 4 मैचों में 3 विकेट लि। उन्होंने आईपीएल 2024 में केवल एक मैच खेला था।

युवराज सिंह के पिता बोले- मैं अकेलेपन से जूझ रहा हूं, मर भी सकता हूं

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, अभिनेता और कोच योगराज सिंह, जो दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता हैं, वह अपने जीवन में छाए गहरे अकेलेपन का शिकार है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैं शाम को अकेला बैठा रहता हूं, घर पर कोई नहीं होता। खाने के लिए मुझे अजनबियों पर निर्भर रहना पड़ता है, कभी एक, कभी दूसरा। हालांकि, मैं किसी को परेशान नहीं करता। अगर मुझे भूख लगती है तो कोई न कोई मेरे लिए खाना ले आता है। मैंने घर में नौकर और रसोइया रखे हैं, वे खाना परोसकर चले जाते हैं। 62 वर्षीय योगराज सिंह ने कहा कि वह अपने होम टाउन में अकेले समय बिता रहे हैं और साथ उन्होंने कहा कि उनके जीवन में देखने या अनुभव करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी मां, बच्चों, बहू, नाती-पोतों, परिवार के सभी लोगों से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन, मैं कुछ नहीं मांगता। मैं मरने को तैयार हूं। मेरा जीवन पूरा हो गया है, भगवान जब चाहें, मुझे अपने साथ ले जा सकते हैं। मैं भगवान का बहुत आभारी हूं, मैं प्रार्थना करता हूं और वह देते रहते हैं। योगराज का निजी जीवन उनके क्रिकेट करियर जितना ही जटिल रहा है। उन्होंने सबसे पहले शबनम कौर से शादी की, जिनसे उनके दो बेटे, युवराज और जोरावर, हुए। लगातार वैवाहिक कलह के बीच यह शादी अंततः टूट गई। युवराज सिंह ने खुद बताया कि उन्होंने तलाक का सुझाव इसलिए दिया, क्योंकि उनके माता-पिता हमेशा झगड़ते रहते थे। इसके बाद योगराज ने नीना बुंदेल (जिन्हें सतबीर कौर के नाम से भी जाना जाता है) से दूसरी शादी की, जिनसे उनका एक बेटा विक्टर और एक बेटी अमरजोत है। योगराज सिंह कहते हैं कि निर्णायक क्षण तब आया जब शबनम और युवराज उनका घर छोड़कर चले गए। योगराज ने कहा कि वह असहाय थे और सोच रहे थे कि जिन लोगों से वह प्यार करते थे, वे उन्हें क्यों छोड़ रहे हैं। योगराज ने आगे बताया, जब बात इतनी बढ़ गई कि युवी और उसकी मां मुझे छोड़कर चले गए, तो मुझे सबसे बड़ा झटका लगा।

चीन में नेशनल गेम्स

चीन में नेशनल गेम्स के दौरान ग्वांडोंगे की कीय कवीनकिन जिम्नास्टिक कला का प्रदर्शन करती हुई।

सुंदर को तीसरे नंबर पर भेजने के खिलाफ है कार्तिक, गेंदबाजी भी प्रभावित होगी

मुम्बई, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। कार्तिक के अनुसार ये प्रयोग कितना नुकसानदेह है ये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में साफ हो गया है। इससे सुंदर गेंदबाजी पर भी अपना ध्यान नहीं दे पा रहे। पहले टेस्ट में सुंदर दोनो ही पारियों में कुल मिलाकर 60 रन ही बना पाए। इसके अलावा उनकी गेंदबाजी भी प्रभावी नहीं रही। वह पूरे मैच में केवल एक ओवर ही कर पाये। कार्तिक ने कहा कि सुंदर को शीर्ष क्रम में भेजने से उनकी गेंदबाजी क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। कार्तिक ने कहा, अगर आप सुंदर को नंबर-3 भेज रहे हैं, तो आप उन्हें बता रहे हैं कि अब उन्हें बल्लेबाजी पर अधिक ज़्यादा ध्यान देना होगा। ऐसे में वह वह बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देंगे जिससे उनकी गेंदबाजी कमजोर होगी क्योंकि एक साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शीर्ष पर बने रहना संभव नहीं है। साथ ही कहा कि लंबे वक्त में इससे उनके गेंदबाजी कौशल पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस पूर्व विकेटकीपर के अनुसर सुंदर ने साई सुदर्शन की जगह नंबर-3 बल्लेबाज़ की की थी जबकि ये जगह विशेषज्ञ बल्लेबाज के लिए रहती है। उन्होंनें का कि सुंदर ने सीमित ओवर क्रिकेट में निचले क्रम पर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई है पर टेस्ट में यह भूमिका उकने लिए एकदम अलग है। ऐसे में गुवाहाटी) में होने वाले दूसरे टेस्ट में उन्हे तीसरे नंबर पर नहीं भेजना चाहिये। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 1-0 से पीछे हैं ऐसे में उसे अब अधिक प्रयोग नहीं करने चाहिये। पहले टेस्ट में पिच दोनों टीमों के बल्लेबाज़ों के लिए कठिन रही।

जर्मनी ने स्लोवाकिया को 6-0 से हराकर किया फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई

लीपजिग, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

जर्मनी ने सोमवार को अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में स्लोवाकिया को 6-0 से करारी शिकस्त देकर अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप 2026 के लिए जगह पक्की कर ली। पहले हाफ में ही चार गोल दागकर जर्मनी ने मैच पर पूरी तरह कब्ज़ा जमा लिया और स्लोवाकिया को मार्च में होने वाले प्लेऑफ में धकेल दिया।

चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी, जो पिछली दो विश्व कप (2018 और 2022) में पहले दौर से बाहर हो गई थी, ने ग्रुप में 15 अंकों के साथ टॉप किया। स्लोवाकिया 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

मैच में जीत या ड्रॉ किसी भी परिणाम से जर्मनी को क्वालिफिकेशन मिल सकता था, लेकिन टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। 18वें मिनट में निक वोल्टेमाडे ने लगातार तीसरे मैच में चौथा गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 29वें मिनट में सर्ज ग्नाब्री ने लियोन गोरेत्स्का के शानदार पास पर गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। 36वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ के पास पर लेरॉय साने ने शानदार कर्लिंग शॉट के साथ तीसरा गोल किया। मात्र पाँच मिनट बाद विर्ट्ज़ ने एक और असिस्ट देकर साने को उनका दूसरा गोल दिलाया, जिससे जर्मनी हाफ टाइम तक 4-0 की मजबूत बढ़त ले चुका था। स्लोवाकिया, जिसने सितंबर में ब्रातिस्लावा में जर्मनी को हराया था, इस बार जर्मन टीम के दबदबे के आगे पूरी तरह असहाय दिखा।

वोल्टेमाडे ने मैच के बाद कहा, 'हमने शुरुआत से अंत तक बेहतरीन खेल दिखाया। डिफेंस में कुछ भी मौका नहीं दिया और अटैक में रचनात्मक रहे। जर्मनी के लिए खेलना शानदार है, और अब हम विश्व कप में हैं।'

दूसरे हाफ में जर्मनी की गति थोड़ी धीमी हुई, लेकिन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों रिडले बाकू और असान ओएद्राओगो ने एक-एक गोल दागकर स्कोर 6-0 कर दिया।

19 वर्षीय ओएद्राओगो अपने डेब्यू मैच में जर्मनी के लिए गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

जर्मनी ने विश्व कप के लिए 21वीं बार क्वालिफाई किया है, जो ब्राज़ील (23) के बाद दूसरा सर्वाधिक है। टीम ने साफ कर दिया है कि उसका लक्ष्य फीफा विश्व कप 2026 जीतकर 2018 और 2022 की निराशाजनक प्रदर्शन की भरपाई करते हुए अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पाना है। टीम 2014 में खिताब जीतने के बाद से किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंची है।

नई सुपरनेकेड बाइक झेड1100 लॉन्च कर कावासाकी ने मचाई हलचल

नयी दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

अपनी नई सुपरनेकेड बाइक झेड1100 लॉन्च कर कावासाकी ने हलचल मचा दी है। 12.79 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत वाली यह बाइक अपने दमदार प्रदर्शन और एडवांस फीचर्स के कारण कई महंगी बाइक्स तथा आधुनिक कारों को चुनौती देती नजर आती है। लॉन्च के बाद से ही इसकी बुकिंग में तेजी देखी जा रही है, जिसने कंपनी को भी हैरान कर दिया है।

कावासाकी ने इसमें 1,099सीसी इनलाइन-4 लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया है, जो 136बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन पहले निंजा 1100एसएक्स में भी अपनी पहचान बना चुका है। शहर में इसकी स्मूथ परफॉर्मेंस और हाईवे पर इसकी रफ्तार तथा स्टेबिलिटी राइडिंग अनुभव को विशेष बनाते हैं।

यह बाइक उन लोगों के लिए तैयार की गई है जो हर सफर में शक्ति और नियंत्रण का संतुलन चाहते हैं। डिजाइन के मामले में कावासाकी ने अपनी प्रसिद्ध सुगोमी लैंग्वेज को और अधिक एग्रेसिव अंदाज में पेश किया है। ट्विन-पॉड एलईडी हेडलैम्प, शार्प टैंक और आगे की ओर झुका मस्कुलर लुक इसे सड़क पर अलग पहचान देता है। फीचर्स में भी झेड1100 पूरी तरह हाई-टेक है।

इसमें 5-इंच टीएफटी डिजिटल डिस्प्ले, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, कॉल-अलर्ट, मैसेज अलर्ट और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन शामिल हैं। 5-एक्सिस आईएमयू लगातार बाइक के झुकाव और मूवमेंट की निगरानी करता है, जिससे ट्रैक्शन कंट्रोल और पावर डिलीवरी संतुलित रहती है। बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर, क्रूज़ कंट्रोल और ड्यूल-चैनल एबीएस राइड को और बेहतर बनाते हैं।

झेड1100 में शोवा का फुली एडजस्टेबल सस्पेंशन, टाकिको का ब्रेकिंग सिस्टम और डनलप स्पोर्टमेक्स क्यू 5ए टायर दिए गए हैं, जो हर तरह की सड़क पर बेहतर ग्रिप और स्थिरता प्रदान करते हैं। इसका मुकाबला होंडा सीबी1000 हार्नेट एसपी से माना जा रहा है, लेकिन कीमत, पावर और फीचर्स के मामले में झेड 1100 इसे पीछे छोड़ देती है।

न्यूज़ ब्रीफ

इनकम टैक्स के रुके हुए रिफंड अगले महीने तक होंगे जारी

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (सीबीडीटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जितने भी अटके हुए रिफंड हैं, वे अगले महीने तक आपके बैंक अकाउंट में आ जाएंगे। दरअसल, छोटे रिफंड पहले ही जारी हो गए हैं लेकिन बड़े वैल्यू वाले रिफंड में थोड़ी रुकावट आई है क्योंकि कुछ क्लेम्स में गड़बड़ी पाई गई, जैसे कि गलत डिडक्शन का दावा करना, डॉक्यूमेंट्स में मिसमैच होना या फिर अमान्य एग्जेम्प्शन लेना। डिपार्टमेंट ने ऐसे मामलों में नोटिस जारी किए हैं ताकि क्लैरिफिकेशन हो सके। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया चल रही है। अगले महीने तक सब स्पष्ट हो जाएगा। यानी कि अगर आपका रिफंड छोटा है, तो शायद वो आपको मिल चुका होगा। अधिक अमाउंट वाले रिफंड में अभी थोड़ा समय लग सकता है। टैक्स कलेक्शन का टारगेट 25 लाख करोड़ रुपये का है, जो पूरा होगा। इसके अलावा नया इनकम टैक्स बिल अप्रैल 2026 से लागू हो जाएगा। अगर आप छोटे व्यापारी हैं, सैलरी वालों में से हैं या फ्रीलांसर, तो ये सुधार आपके लिए वरदान साबित होंगे। रिफंड का इंतजार खत्म होने वाला है, अगले महीने तक सारे अटके हुए रिफंड मिलने की पूरी उम्मीद है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कई शहरों में बदलाव, गाजियाबाद में पेट्रोल 31 पैसे, जयपुर में 26 पैसे सस्ता

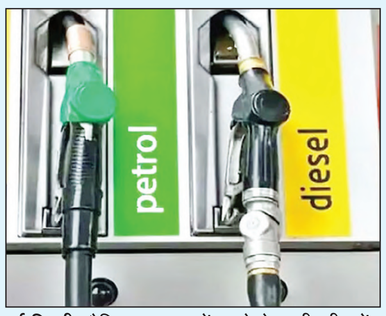

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर उछाल दिख रहा है। इसका असर सरकारी तेल कंपनियों की ओर से मंगलवार सुबह जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। मंगलवार को देश के कई शहरों में तेल की कीमतों में बदलाव दिख रहा है। कहीं पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम गिर गए हैं तो कुछ जगहों पर इसकी कीमतों में उछाल दिख रहा है। यूपी से लेकर बिहार तक तमाम शहरों में तेल के दाम बदले हैं, लेकिन दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। एनसीआर के शहर गाजियाबाद में पेट्रोल 31 पैसे गिरावट के साथ 94.44 रुपये लीटर हो गया तो डीजल भी 35 पैसे गिरकर 87.51 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल का रेट 26 पैसे सस्ता होकर 104.72 रुपये लीटर हो गया है तो डीजल भी 23 पैसे गिरा और 90.21 रुपये लीटर बिक रहा है. यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 4 पैसे महंगा हुआ और 94.73 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमतें 5 पैसे बढ़कर 87.86 रुपये लीटर हो गई है। कच्चे तेल की कीमतों में बीते 24 घंटे में उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 64.20 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

ओप्पो की सीरीज इंड एक्स9 और फाइंड एक्स9 प्रो की कीमत लीक

नई दिल्ली । स्मार्टफोन निर्माता चाइनीज कंपनी ओप्पो की आगामी फ्लैगशिप सीरीज इंड एक्स9 और फाइंड

एक्स9 प्रो की भारत कीमतें लॉन्च से पहले ही लीक हो गई हैं। खास बात यह है कि स्टैंडर्ड की शुरुआती कीमत 75,000 रुपये से कम हो सकती है, जिससे यह हाई-एंड मार्केट में मजबूत प्रतिस्पर्धा पैदा करेगा। टेक ब्लॉगर पारस गुगलानी ने एक्स पर दावा किया है किओप्पो फाइंड एक्स9 प्रो भारत में 99,999 रुपये की कीमत पर लॉन्च होगा। यह केवल 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज वाले सिंगल वेरिएंट में उपलब्ध होगा। वहीं स्टैंडर्ड फाइंड एक्स9 के 12जीबी प्लस 256जीबी स्टोरेज मॉडल की संभावित कीमत 74,999 रुपये बताई गई है। इसके 16जीबी प्लस 512जीबी वेरिएंट की कीमत 84,999 रुपये तक हो सकती है। ओप्पो की ओर से पहले ही पुष्टि की जा चुकी है कि फाइंड एक्स9 सीरीज भारत में फ्लिपकार्ट और कंपनी के आधिकारिक स्टोर पर उपलब्ध होगी। रंगों की बात करें तो इंड एक्स9 स्पेस ब्लैक और टाइटेनियम ग्रे में आएगा, जबकि फाइंड एक्स9 प्रो सिल्क व्हाइट और टाइटेनियम चारकोल कलर ऑप्शन में मिलेगा। भारतीय मॉडल्स में भी ग्लोबल वेरिएंट्स की तरह मीडियाटेक डायमेंसिटी 9500 चिपसेट दिए जाने की उम्मीद है। ग्लोबल मार्केट में यह सीरीज 28 अक्टूबर को लॉन्च हुई थी, जहां फाइंड एक्स9 प्रो की कीमत 1,299 यूरो (लगभग 1.34 लाख रुपये) रखी गई थी।

हुंडई और किआ ने किया ऐतिहासिक प्रदर्शन

नयी दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

पहली तीन तिमाहियों में हुंडई मोटर और किआ कॉर्प ने 2025 की हाइब्रिड सेगमेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन दर्ज किया है। दुनियाभर में दोनों कंपनियों ने मिलकर 8,31,933 हाइब्रिड वाहन बेच दिए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। मौजूदा गति को देखते हुए वर्ष 2025 के अंत तक हाइब्रिड वाहनों की संयुक्त बिक्री 11 लाख यूनिट को भी पार कर सकती है। यह संकेत स्पष्ट हैं कि हाइब्रिड तकनीक कई बाजारों में तेजी से मुख्यधारा की पसंद बनती जा रही है। इस बदलाव के पीछे कई वैश्विक कारक काम कर रहे हैं।

ईवी से जुड़े प्रोत्साहनों में कमी, बैटरी की बढ़ती लागत और टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताएं उपभोक्ताओं को हाइब्रिड वाहन अपनाने की ओर धकेल रही हैं। खासकर अमेरिकी बाजार में यह रुझान स्पष्ट रूप से सामने आया है। पूर्ण इलेक्ट्रिक कारों को लेकर संदेह रखने वाले ग्राहकों के लिए हाइब्रिड वाहन पारंपरिक इंजन की विश्वसनीयता और इलेक्ट्रिक दक्षता का आदर्श मिश्रण पेश कर रहे हैं। बिक्री के आंकड़े बताते हैं कि हुंडई-किआ की एसयूवी लाइनअप इस वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। टक्सन हाइब्रिड की 1,32,991 यूनिट, स्पोर्टेज हाइब्रिड की 1,20,054 यूनिट और सांता फे हाइब्रिड की 95,168 यूनिट बिक चुकी हैं।

अमेरिका और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में इन मॉडलों की लगातार मांग बनी हुई है। कोरियाई घरेलू बाजार में स्थिति और भी दिलचस्प है। अप्रैल में लॉन्च हुई हुंडई पैलिसेड हाइब्रिड ने रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करते हुए अपने गैसोलीन संस्करण को पीछे छोड़ दिया है। सितंबर तक पैलिसेड हाइब्रिड की 26,930 यूनिट बिकीं, जबकि पेट्रोल मॉडल केवल 18,005 यूनिट तक सीमित रहा। परंपरागत रूप से पेट्रोल वाहनों को प्राथमिकता देने वाले बाजार में यह बदलाव बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बढ़ती ईंधन कीमतें, नीतिगत बदलाव और पर्यावरण जागरूकता ने वैश्विक उपभोक्ताओं को हाइब्रिड विकल्पों की ओर तेजी से आकर्षित किया है।

गोपाल स्नैक्स ने मोडासा प्लांट से नमकीन उत्पादन शुरू किया

राजकोट/इंदौर। भारत के पारंपरिक पैकेज्ड स्नैक्स क्षेत्र की अग्रणी, गोपाल स्नैक्स लिमिटेड ने उत्तरी गुजरात के मोडासा स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में सफलतापूर्वक नमकीन का उत्पादन शुरू कर दिया है। पहले यह प्लांट केवल आलू वेफर्स और फ्राइज़ का उत्पादन करता था। इस रणनीतिक विस्तार के साथ, कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता लगभग 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गई है, जिससे राजकोट और नागपुर प्लांट के साथ इसका समग्र उत्पादन नेटवर्क मजबूत हुआ है। उत्पादन क्षमता 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन हुई; उत्तर भारत में तेजी से आपूर्ति सुनिश्चित होगी गोपाल स्नैक्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ राज हदवानी ने कहा कि, मोडासा संयंत्र का यह विस्तार आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार करने और पूरे भारत में हमारे उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजकोट और मोडासा दोनों जगहों पर ज्यादातर नमकीन का उत्पादन करके, हम अपने वितरकों को तेजी से सेवा प्रदान कर पाएंगे। यह विस्तार कंपनी की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य आपूर्ति कार्यक्षमता बढ़ाकर उत्तरी और पश्चिमी बाजारों - विशेष रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश में बढ़ती मांग को पूरा करना है। मोडासा क्षेत्र से आलू और मूंगफली जैसे कच्चे माल की शीघ्र आपूर्ति के लिए, कंपनी ने यहाँ 40,000 मीट्रिक टन की कोल्ड स्टोरेज सुविधा भी स्थापित की है, जिससे पूरे वर्ष निर्बाध उत्पादन और आपूर्ति बनी रहेगी।

भावांतर योजना : सोयाबीन का मॉडल रेट बढ़कर हुआ 4236

इंदौर, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए 4236 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है, क्योंकि इसी दर के आधार पर उन्हें भावांतर की राशि की गणना करके भुगतान किया जाएगा।

मॉडल रेट में लगातार वृद्धि जारी; 7 नवंबर की तुलना में 216 प्रति क्विंटल का उछाल

सोयाबीन के मॉडल रेट में जारी लगातार वृद्धि किसानों के लिए राहत भरी है। 7 नवंबर को जारी पहले मॉडल रेट (4020 रुपए प्रति क्विंटल) की तुलना में, मौजूदा मॉडल रेट में 216 रुपए प्रति क्विंटल की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले कुछ दिनों के मॉडल रेट में यह वृद्धि स्पष्ट रूप से दिखाई देती है : 13 नवंबर को यह 4130 रुपए था, जो 15 नवंबर को 4225 रुपए और 16 नवंबर को 4234 रुपए तक पहुँच गया था और अब 17 नवंबर को यह 4236 रुपए हो गया है। प्रशासन ने पुष्टि की है कि भावांतर की राशि की गणना इसी नवीनतम मॉडल रेट के आधार पर की जाएगी।

बाइक रेबेल 500 को वेबसाइट से हटा दिया होंडा ने

नई दिल्ली। होंडा ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से बाइक रेबेल 500 को हटा दिया है। कंपनी ने इससे पहले सीबीआर1000 आरआर-आर फायरब्लेड एसपी को वेबसाइट से हटाया था। रेबेल 500 की यह पहली सेल थी और माना जा रहा है कि होंडा ने इसकी केवल सीमित यूनिट ही भारत में उपलब्ध कराई थीं, जिनका स्टॉक अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। गौरतलब है कि पिछले महीने होंडा ने रेबेल 500 को ग्लोबल मार्केट के लिए नए कलर ऑप्शंस के साथ अपडेट किया था। इससे उम्मीद जताई जा रही थी कि भारत में भी इसका अपडेटेड मॉडल पेश किया जाएगा, लेकिन वेबसाइट से अचानक इसे हटाने से संकेत मिलता है कि कंपनी ने फिलहाल भारतीय बाजार के लिए नई यूनिट का आवंटन नहीं किया है। यह पहली बार नहीं है जब होंडा ने ऐसा कदम उठाया हो। हाल ही में सीबी300आर को भी कुछ समय के लिए वेबसाइट से हटाया गया था, जिसके बाद बाद में इसकी उपलब्धता को फिर बहाल किया गया था। इसलिए यह जरूरी नहीं कि रेबेल 500 या फायरब्लेड एसपी का उत्पादन स्थाई रूप से बंद हो गया हो।

सर्राफा बाजार में सोना हुआ महंगा, चांदी की घटी चमक

नयी दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। सोने के भाव 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 810 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। दूसरी ओर, चांदी 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,25,410 रुपये से लेकर 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,14,960 रुपये से लेकर 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,25,560 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,25,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,15,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,25,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,15,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,15,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,25,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,25,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,14,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नयी दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजारों में पिछले सत्र के दौरान तेज गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली के दबाव में कारोबार करते रहे। एशियाई बाजार में भी फिलहाल चौतरफा कमजोरी बनी हुई है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 500 अंक से ज्यादा गिर गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.92 प्रतिशत टूट कर 6,672.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 196.92 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,703.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत लुढ़क कर 46,505.45 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,675.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,119.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 286.03 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 23,590.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी चौतरफा बिकवाली होती हुई नजर आ रही है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,992.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.43 प्रतिशत फिसल कर 4,524.15 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 1,473.91 अंक यानी 2.93 प्रतिशत टूट कर 48,850 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 115.50 अंक यानी 2.82 प्रतिशत लुढ़क कर 3,973.75 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 609.43 अंक यानी 2.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,837.88 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 384.28 अंक यानी 1.46 प्रतिशत फिसल कर 26,000 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत लुढ़क कर 1,271.31 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.56 प्रतिशत टूट कर 3,949.83 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,396.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

साल 2026 की भविष्यवाणी

राजा गुरु और मंत्री मंगल, भारत और दुनिया में बढ़ेगा इस बात को लेकर तनाव!

साल 2026 का आरंभ होने जा रहा है। इस साल ग्रहों के कई बड़े बदलाव होंगे और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस संवत का नाम रौद्र होने जा रहा है। ग्रहों की चाल और पंचांग की गणना के अनुसार, साल 2026 में देश और दुनिया में कई बड़ी घटनाएं होने वाली हैं। ग्रहों के गोचर और पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल आर्थिक तनाव, सोना चांदी में भी जबरदस्त वृद्धि होने के योग हैं।

साल 2026 का राजा और मंत्री कौन ?

वैदिक पंचांग और ग्रहों की गणना के अनुसार, साल 2026 में राजा गुरु और मंत्री मंगल होंगे। ऐसे में इस साल धर्म से जुड़े लोग यज्ञ, पूजा-पाठ के साथ साथ धर्म आदि के प्रचार में शामिल रहेंगे। इस साल धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन अधिक होगा।वहीं, बात करें पड़ोसी देशों की तो भारत-चीन, अमेरिका-रूस, रूस-यूक्रेन, अमेरिका-ईरान आदि विरोधी देशों के बीच में शांति बनाए रखने के लिए वार्ताएं समय-समय पर आयोजित हो सकती हैं।

साल 2026 की बड़ी भविष्यवाणी

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, साल 2026 के मंत्री मंगल रहेंगे ऐसे में भारत और दुनिया के कई देशों में सामाजिक और राजनीतिक वातावरण काफी अशांत रहेगा। स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण हो सकती है। विश्व के अनेक देशों में टकराव, उपद्रव और विद्रोह की भावना अधिक रहेगी। देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ेंगी। लोगों के अंदर क्रोध अधिक रहेगा उत्तेजना बढ़ेगी। जिस वजह से माहौल थोड़ा अशांत रह सकता है। साथ ही लोगों के अंदर अधिक से अधिक पैसा कमाने का लोग जन्म लेगा। लोगों में संतुष्टि कम रहेगी।

साल 2026 साइबर ठगी और अग्निकांड की भविष्यवाणी

मंगल के मंत्री होने के कारण साल 2026 में सांप्रदायिक तनाव, साइबर ठगी के मामलों में वृद्धि और अग्निकांड की घटनाएं अधिक होने की आशंका है। साल 2026 में चार महीने मकर, कुंभ और मीन राशि में चतुर्ग्रही और पंचग्रही योग बनेगा। जो भारत की राजनीति और कूटनीतिक वातावरण को काफी अशांत और तनावपूर्ण कर सकता है। इस दौरान भारत-पाकिस्तान, अमेरिका-चीन, ईरान-इजराइल, रूस-यूक्रेन आदि विरोधी देशों के बीच शांति वार्ता के मध्य ही सैनिक टकराव और युद्ध की परिस्थितियां बन सकती हैं। यह युद्ध सैनिक प्रदर्शन से ज्यादा आर्थिक और मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर अधिक लड़ा जाएगा।

क्या भारत को करना होगा आर्थिक युद्ध का सामना ?

साल 2026 केंद्र सरकारी के लिए थोड़ा अग्नि परीक्षा लेकर आ सकता है। विशेष रूप से विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, इस कारण सरकारी को अपनी नीतियों में बदलाव करना पड़ सकता है। साथ ही अर्थव्यवस्था में भी गिरावट हो सकती है। साल 2026 में सोना चांदी आदि धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिलेगी।

2026 में भारत की छवि होगी मजबूत भविष्यवाणी

ज्योतिष गणना के अनुसार, 13 मार्च से 11 जुलाई 2026 तक कालसर्प योग और नवसंवत प्रवेश कुंडली में (19 मार्च, 2026) में 'मंगल-राहु', 'सूर्य-शनि' योग होने से विश्व में भी सशस्त्र युद्ध के साथ-साथ 'व्यापारिक युद्ध' भी हो सकता है। यानी कई देश एक दूसरे पर कर आदि बढ़ा सकते हैं। व्यापार को लेकर कुछ नई नीतियां भी अपनाई जा सकती हैं। विश्व में भारत की छवि आत्मविश्वासी आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में विकसित होने की संभावना हैं।

कर्म ऐसे करें जिससे इस लोक के साथ परलोक भी सुधरे

परलोक को सुधारने के लिए मनुष्यों को दैवीय संपदा का आश्रय लेना चाहिए, दैवीय संपदा के आश्रय से मनुष्य का स्वभाव देवता के समान बन जाता है, जिससे वह सर्वदा सभी में आत्मवत् सर्वभूतेषु की दृष्टि रखता है। ऐसा व्यक्ति हमेशा प्रत्येक व्यक्ति के हित के लिए शुभचिन्तन करता है तथा स्वप्न में भी किसी का अनिष्ट चिन्तन नहीं करता। इन नियमों का पालन करने वाला व्यक्ति सर्वत्र ईश्वर की व्यापकता और सभी में ईश्वर का अस्तित्व देखता है। वह ईश्वर में विश्वास और धर्म में श्रद्धा-विश्वास रखता है, जिसके कारण उस मनुष्य का कल्याण इस लोक में तो होता ही है, साथ ही उसका परलोक भी सुधर जाता है।

इहलोक की तरह परलोक को भी मानना चाहिए।

अपने पितरों का श्राद्ध एवं तर्पण सदा करना चाहिए। पितृपक्ष के दौरान पितरों को जल अवश्य देना चाहिए, यदि संभव हो तो नित्य पितरों को स्मरण कर दक्षिण दिशा में उन्हें जल अर्पण करें।

अपने किए हुए धर्म की और अपने किए हुए दान की प्रशंसा न तो स्वयं करनी चाहिए और न दूसरों से सुननी चाहिए। अपनी आत्मा को सब प्रकार से उन्नतिशील बनाने का प्रयत्न करना चाहिए।

मनसा-वाचा-कर्मणा, किसी की आत्मा को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए।

धर्म करने से उत्तम लोक की प्राप्ति और अधर्म करने से अधम लोक की प्राप्ति होती है, इसमें विश्वास रखना चाहिए।

धर्माचरण से समस्त दुखों की निवृत्ति होकर सुख की प्राप्ति होती है, यह निश्चित समझना चाहिए।

परमात्मा की कृपा से ही प्रत्येक मनुष्य को संतति, धन, विद्या, बल, आरोग्य आदि सुखों की प्राप्ति होती है, मन में यह पूर्ण विश्वास होना चाहिए।

अपने गुणों की प्रशंसा और आत्माभिमान नहीं करना चाहिए।परमात्मा की भक्ति से कभी भी विमुख नहीं होना चाहिए।

ज्ञान को हर समय एकत्र करना चाहिए, ज्ञान से ही मुक्ति की प्राप्ति होती है।

दूसरों का दोष न देखकर अपना दोष देखना चाहिए।

मानव जीवन बार-बार नहीं मिलता, अतः इस अमूल्य जीवन का सर्वदा सदुपयोग करना चाहिए। भगवत्सेवार्थ धनियों को द्रव्य दान, श्रमिकों को श्रम दान एवं विद्वानों को विद्या दान अवश्य करना चाहिए।

2026 साल शनि का रहेगा प्रभाव, प्यार होगा पक्का या आएगी रिश्ते में दरार, जानें मीन राशि का वार्षिक लव राशिफल

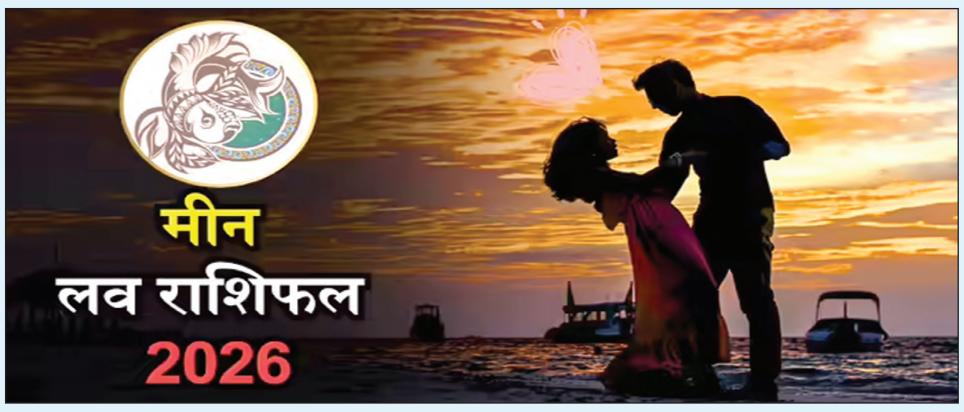

मीन राशि वालों के लिए साल 2026 लव लाइफ के मामले में अच्छा रहने वाला है। बीच-बीच में थोड़ी अनबन हो सकती है लेकिन आपके रिश्ते में संतुलन बना रहेगा। इस साल आपकी राशि में शनि विराजमान रहेंगे। ऐसे में आपकी लव लाइफ और दांपत्य जीवन पर शनि का प्रभाव देखने को मिलेगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम गहरा होगा और आपसी तालमेल में भी वृद्धि होगी। यह साल आपके लिए अपने लव लाइफ को खुलकर जीने का रहेगा, जिससे एक अलग प्रकार का सुकून महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर होने की संभावना है और आप हर समस्या का समाधान एक साथ बैठकर ढूंढेंगे। आपके लिए सितंबर का महीना सबसे खुशनुमा रहेगा। वहीं, लव लाइफ बिता रहे लोगों के लिए यह साल खास रहेगा और पार्टनर के साथ खुशनुमा पल व्यतीत करेंगे। लेकिन जो सिंगल लोग किसी नए रिश्ते की शुरुआत करना चाहते हैं उनके लिए थोड़ा इंतजार करना बेहतर होगा।

मीन लव राशिफल 2026 विवाहित लोगों के लिए

मीन राशि वालों के लिए साल 2026 वैवाहिक जीवन के मामले में अच्छा रहने वाला है। शुरुआत में आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं, जिससे पुराने गिले शिकवे दूर होंगे और दोनों के बीच का आपसी तालमेल बढ़ेगा। वहीं, अगर आपकी अभी शादी हुई है, तो यह साल आपके लिए खास रहेगा। दोनों का रिश्ते धीरे-धीरे मजबूत होगा और संतुलन बना रहेगा। आपको दांपत्य जीवन में बीच-बीच में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन ये ज्यादा देर के लिए नहीं होंगे और आप साथ मिलकर आसानी से किसी भी परिस्थिति से निकल जाएंगे। लेकिन इसके लिए आपको किसी भी गलतफहमी को बढ़ने देने से बचना होगा।

जीवनसाथी के साथ बिताएंगे खुशनुमा पल

मीन राशि वालों के लिए साल का मध्य भाग खुशनुमा रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपकी जो भी छोटी-छोटी समस्याएं थीं तो अब समाप्त होने लगेंगी और दांपत्य जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। आपके रिश्ते में सम्मान, प्रेम और खुशहाली आएगी। दोनों साथ में अच्छा समय व्यतीत करेंगे और एक दूसरे की भावनाओं को भी समझने का प्रयास करेंगे। इससे रिश्ते में आई दूरियां खत्म होंगी और नजदीकियां बढ़ने लगेंगी। जून में गुरु गोचर के बाद आपके जीवन में कई बदलाव आ सकते हैं, जो सकारात्मक होंगे और इसका शुभ प्रभाव आपके वैवाहिक जीवन पर भी पड़ेगा।

साथ घूमने जाने का बनेगा प्लान

मीन राशि साल के अंतिम महीनों में जीवनसाथी के साथ खूबसूरत पर व्यतीत करेंगे और रिश्ते में स्थिरता बनी रहेगी। अक्टूबर में दूसरे गुरु गोचर के बाद आप लोग एक साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं। जिससे आपको क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिलेगा। जो जातक अपने वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना कर रहे थे उन्हें इस अवधि के दौरान हर परेशानी का समाधान मिल सकता है। आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने में सक्षम होंगे और रिश्ते में आई गलतफहमियां दूर होने लगेंगी। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर अपने भविष्य की प्लानिंग भी कर सकते हैं। इस साल में सितंबर का महीना आपके दांपत्य जीवन के लिए सबसे सुखद रहने वाला है।

मीन लव राशिफल 2026 अविवाहित लोगों के लिए

मीन राशि वाले जो लोग साल 2026 में विवाह करने या किसी नए रिश्ते में बंधने का विचार बना रहे हैं उनके लिए थोड़ा धैर्य रखना जरूरी होगा। अन्यथा साल की शुरुआत में आपको लव लाइफ में कुछ समस्या का सामना करना पड़ सकता है और गलतफहमियां बढ़ने की भी संभावना है। वहीं, जो लोग लव लाइफ बिता रहे हैं उनके लिए साल की शुरुआत बहुत खास रहेगी। आपके रिश्ते में शांति, प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। इससे दोनों के बीच का प्रेम गहरा होगा और रिश्ते में आई अनबन समाप्त होने लगेगी। हालांकि, आपको किसी भी बाहरी व्यक्ति के हस्तक्षेप से सतर्क रहना होगा अन्यथा इसका बुरा प्रभाव आपके रिश्ते पर पड़ सकता है।

लव लाइफ रहेगी खुशनुमा

मीन राशि के लिए इस साल जून के महीने में गुरु गोचर के बाद स्थितियां बेहतर होने लगेंगी और दोनों के बीच की गलतफहमियां दूर होंगी। आप अपने पार्टनर के साथ यादगार पल बिताएंगे और भविष्य को लेकर चर्चा भी कर सकते हैं। साल के मध्य में आप पार्टनर को अपने माता-पिता के साथ या उनके माता-पिता के साथ मिलने का प्लान बना सकते हैं। इससे आपका रिश्ता आगे बढ़ेगा। वहीं, सिंगल लोगों की मुलाकात कई खास लोगों से हो सकती है। लेकिन उनसे कनेक्ट कर पाने में आपको थोड़ा समय लगेगा। पहले आप उनके स्वभाव को समझने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि, समय के साथ आपकी रिश्ता गहरा और मजबूत होने लगेगा।

छोटी-छोटी नोकझोंक होने की संभावना

मीन राशि को साल के अंत में लव लाइफ के मामले में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। बीच-बीच में पार्टनर के साथ नोकझोंक या बहस संभव है। ऐसे में आपको धैर्य रखना होगा और किसी भी समस्या का समाधान शांति से खोजना बेहतर होगा। इससे रिश्ते में एक संतुलन बना रहेगा। एक दूसरे का सम्मान और एक दूसरे को समझने से आपके रिश्ते में संतुलन बना रहेगा। साथ ही, यह साल आपके लिए रोमांस और प्रेम से भरा हो सकता है। लेकिन सिंगल लोगों को किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ाने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना होगा। जल्दबाजी में फैसले लेने से आपके रिश्ते में समस्याएं आने की संभावना है।

चंद्रमा-शुक्र के संयोग से बन रहा कला योग निम्न राशियों की हर मनोकामना होगी पूरी

तुला राशि में चंद्रमा और शुक्र की युति से कला योग बन रहा है। यह योग जातकों को कला के प्रति आकर्षित करता है। चंद्रमा के प्रभाव के कारण व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत होता है और वैवाहिक जीवन में तालमेल बना रहता है। वहीं, शुक्र के कारण व्यक्ति को जीवन में भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त होती हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इस युति के कारण व्यक्ति के जीवन में समृद्धि, सुख और स्थिरता आती है। इस युति के प्रभाव से मिथुन राशि के जातकों को आर्थिक लाभ मिलेगा। कर्क राशि वालों को करियर में उन्नति मिलेगी, जबकि सिंह राशि की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मेष – मेष राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में परिवर्तन और बदलाव देखने को मिल सकता है। हालांकि आप इन छोटी-छोटी परेशानियों से घबराएंगे नहीं। हालांकि, आज सरकार अथवा व्यवस्था की तरफ से कुछ परेशानियां आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। किसी प्रकार के कानूनी विवाद में फंसने के आसार दिख रहे हैं। इस दौरान कुछ ऐसे बदलाव हो सकते हैं जिसमें आपकी हिम्मत जवाब दे जाए। ऐसे में पलायन करना आपके लिए हानि का कारण बनेगा।

वृष –वृष राशि के जातकों के अंदर दूसरों के सहारे फायदा उठाने की प्रवृत्ति परेशानी का कारण बन सकती है। यह तरीका ज्यादा दिनों तक आपके काम नहीं आएगा। अब समय आ गया है कि आप खुद भी परिश्रम करें। जीवन में स्थायी सफलता तभी मिलेगा जब आप अपने कार्यों की ज़िम्मेदारी लें।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों को आज के दिन कुछ आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन नौकरी और व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल होंगे। किसी भी कार्य को छोटा समझकर छोड़ देना आपके लिए नुकसान का कारण बन सकता है। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता, एक बार आपको ये अनुभव हो जाए तो दुनिया आपकी मुट्ठी में ही समझिए। रात्रि का समय मित्रों और परिवार के लोगों के साथ बीतेगा।

कर्क – कर्क राशि के जातक समाजसेवा के कार्यों में लगे रहेंगे। इस क्षेत्र में आपको दिन दूनी और रात चौगुनी उन्नति मिलेगी। किसी संगठन के साथ जुड़ना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। इस दौरान आपको ऐसे कई मौके मिल सकते हैं, जिससे भविष्य में आपको लाभ होगा।

सिंह – सिंह राशि के लोगों के लिए आज की दिन आर्थिक दृष्टि का लिहाज से सकारात्मक रहने वाला है। आज के दिन किए हुए आपके प्रयासों में सफलता मिलेगी। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अपने अधीनस्थ सहयोगियों के प्रति आपका व्यवहार उदारता पूर्ण रहेगा। उनकी गलतियों को भी आप माफ करने करने में पीछे नहीं हटेंगे।

कन्या – कन्या राशि के जातक अपने मित्रों और प्रियजनों का ख्याल रखने से पीछे नहीं हटते हैं। उनको लेकर कुछ अधिक ही चिंतित रहते है। यही नहीं अपने काम को छोड़कर भी आप दूसरों के साथ उनके फालतू समय में शरीक होकर अपना कीमती समय बरबाद कर लेते हैं। ऐसा करना आपके लिए आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। आज के दिन आपको अपने बारे में अधिक सोचना होगा।

तुला – तुला राशि वालों को अपने कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भर परेशानी में डाल सकता है। ऐसे में अब समय अपने फैसले खुद लेने का है। समय पर शुरू किए कार्य आपके लिए फायदे का सौदा रहेगा। ऐसा करने से आपके काम में गति आएगी और आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक – आज के दिन दिल से जुड़े मामले सामने आ सकते हैं। आपकी उदारता कई बार आपके लिए चुनौती भी बन सकती है। कुछ लोग आपकी इस बात का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि किसी कानूनी मामले में आप पूरी तैयारी और ठोस योजना के साथ आगे बढ़ते हैं। आपकी रणनीति आपको मुश्किल हालात में भी सही निर्णय लेने की ताकत देगी।

धनु –धनु राशि के जातकों को लंबे समय के बाद कोई अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। किसी जरूरी काम के बन जाने से लाभ के अवसर मिलेंगे। दिन के अंत तक रुका हुआ धन भी मिलने की पूरी संभावना है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर – आज का दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव देखने को मिलेगा। ऐसे में वाहन में किसी प्रकार की खराबी के संकेत दिख रहे हैं। ऐसे समय में आपकी बुद्धिमत्ता और धैर्य ही आपको इन मुश्किलों से निकालेंगे।

कुंभ – कुंभ राशि के जातक लक्ष्य के करीब पहुंचने के बावजूद खुद को पीछे महसूस कर सकते हैं। ऐसा लगेगा कि थोड़ा और प्रयास बाकी है। लेकिन इस समय आपको खुद को मजबूत रखना होगा। अगर आप अभी हौसला खो देंगे, तो मेहनत का फल हाथ से निकल सकता है।

मीन – मीन राशि के जातकों का मन किसी संत, गुरु के विचारों से प्रभावित हो सकता है। किसी काम के बिगड़ने पर भी आप शांत और गंभीर बने रहते हैं। ग्रहों का शुभ संचार इस समय आपके भीतर संयम और शांति लेकर आएगा। इस दौरान आपको जीवन की चुनौतियों को गहराई से समझने का मौका मिलेगा।

मंगल प्रदोष व्रत करने पर शिव सहित हनुमान होते हैं प्रसन्न

मंगल प्रदोष व्रत कथा- किसी गांव में एक बुढ़िया रहती थी। उसके एक ही पुत्र था जिसका नाम मंगल था। बुढ़िया हनुमानजी की परम भक्त थी, वह प्रत्येक मंगलवार को श्रद्धाभक्ति से व्रत रखती और हनुमान जी की आराधना किया करती थी। मंगलवार को वह न तो घर को लीपती थी और न ही मिट्टी खोदती थी। हनुमानजी को वह गेहूं-गुड़ के चूरमे का भोग लगाती थी।

इस प्रकार व्रत करते हुए बुढ़िया को जब काफी समय बीत गया तब एक दिन हनुमानजी ने उसकी परीक्षा लेने का विचार किया, अतः वे साधु के वेष में बुढ़िया के घर पहुंचे और द्वार पर खड़े होकर पुकारा कि, 'है कोई हनुमान का भक्त जो मेरी इच्छा पूरी कर दे।' आवाज को सुनकर बुढ़िया बाहर आई और बोली कि, 'आज्ञा करें महाराज।' इस पर साधु वेषधारी हनुमानजी ने कहा कि, 'मुझे बहुत भूख लगी है, मैं भोजन करूंगा, तू जरा-सी भूमि को गोबर से लेप दे।'

यह सुनकर बुढ़िया उलझन में पड़ गई। अंत में उसने करबद्ध होकर कहा कि, 'महाराज! लीपने व मिट्टी खोदने के अतिरिक्त आप जो कहेंगे मैं कर दूंगी, लेकिन आज के दिन यह दोनों काम मैं नहीं करूंगी।' साधु वेषधारी हनुमानजी ने तीन बार प्रतिज्ञा करवाने के बाद कहा कि, 'अच्छा, तू अपने बेटे को बुला। मैं उसकी पीठ पर आग जलाकर भोजन तैयार करूंगा।'

बुढ़िया ने जब यह सुना तो उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई, लेकिन वह प्रतिज्ञाबद्ध थी। अतः उसने अपने पुत्र

मंगल को बुलाकर साधु को सौंप दिया, लेकिन साधु वेषधारी हनुमानजी कब मानने वाले थे। उन्होंने बुढ़िया के हाथों से ही मंगलिया को पेट के बल लिटवाया और उसकी पीठ पर आग जलवाई। आग जलाकर बुढ़िया दुखी मन से अपने घर के अंदर चली गई। इधर भोजन तैयार हो गया तब साधु वेषधारी हनुमानजी ने बुढ़िया को बुलाकर कहा कि, 'ऐ बुढ़िया! अपने बेटे मंगलिया को आवाज दे जिससे वह भी भोजन कर ले।' यह सुनकर बुढ़िया रोने लगी, फिर आंसू पोंछकर बोली कि, 'महाराज! मेरे बेटे का नाम लेकर मुझे और दुखी मत करो।' साधु वेषधारी हनुमानजी जब नहीं माने तो विवश होकर बुढ़िया ने अपने बेटे को पुकारा। पुकारते ही मंगलिया दौड़ता हुआ वहां आ गया। मंगलिया को जीवित देखकर बुढ़िया को बड़ा आश्चर्य हुआ। फिर वह साधु वेषधारी हनुमानजी के चरणों में लोट गई। तब हनुमानजी ने अपने वास्तविक रूप में प्रकट होकर बुढ़िया को दर्शन दिए। हनुमानजी को अपने घर में देखकर बुढ़िया ने अपना जीवन सार्थक समझा। मंगलवार प्रदोष व्रत करने वालों पर रुद्रावतार हनुमानजी इसी प्रकार कृपा करते हैं।

उर्वशी रौतेला ग्लोबल सुपरस्टार ने जीता 'ग्लोबल फ़ैशन आइकॉन 2025' का खिताब

उर्वशी रौतेला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सच में अपनी अलग ही लीग में खड़ी हैं। ग्राज़िया मिंत्रा ग्लैमी अवॉर्ड्स 2025 में इस ग्लोबल सुपरस्टार ने सिर्फ़ रेड कार्पेट पर चहलकदमी नहीं की – उन्होंने पूरे शाम को अपने नाम कर लिया। प्रतिष्ठित ग्लोबल फ़ैशन आइकॉन 2025 खिताब जीतकर उर्वशी ने लक्ज़री, एलीगेंस और इंटरनेशनल ग्लैमर की परिभाषा ही बदल दी। सबसे ज़्यादा चौंकाने वाली बात थी उनका बेहतरीन आउटफ़िट – ₹7 करोड़ की कीमत वाली वह अद्भुत ड्रेस जिसे सच्चे सोने और हाथ से जड़े डायमंड्स से बनाया गया था। बेलारूस की मशहूर कुट्यॉर डिज़ाइनर डाशा द्वारा डिज़ाइन की गई यह क्रिएशन फैशन से कहीं आगे थी – यह पहनने योग्य कला थी। इसका हर इंच ऐसी चमक बिखेर रहा था कि नज़रें हटाना नामुमकिन था। जैसे ही उर्वशी रेड कार्पेट पर उतरीं, माहौल बदल गया। कैमरे थम गए, फुसफुसाहटें बढ़ गईं, और अनुभवी फैशन क्रिटिक्स भी कुछ पलों के लिए नि:शब्द रह गए। यह सिर्फ़ एक सेलिब्रिटी अपीयरेंस नहीं थी – यह एक सांस्कृतिक क्षण था, एक याद दिलाने वाला पल कि फ़ैशन भी भावनाएं, कहानी और पावर बन सकता है।

उनका आत्मविश्वास चुंबकीय था, और उनकी मौजूदगी बिजली की तरह असरदार। लेकिन इतना भव्य आउटफ़िट पहनकर भी जिस गरिमा के साथ उन्होंने खुद को प्रस्तुत किया – वही इस पल को सच में मानवीय बनाता है। सोने और हीरों ने उन्हें ओझल नहीं किया, बल्कि जैसे उनकी उपलब्धियों, उनके संघर्षों और उनकी अंतरराष्ट्रीय उड़ान का जश्न मना रहे हों।

उर्वशी रौतेला को ग्लोबल फ़ैशन आइकॉन 2025 का खिताब मिलना कोई चौंकाने वाली बात नहीं – यह तो मानो तय ही था। हर एक अपीयरेंस के साथ वह सीमाएं तोड़ती हैं, भारतीय प्रतिनिधित्व को दुनिया भर में ऊंचा उठाती हैं, और यह विश्वास दिलाती हैं कि सपनों में ताकत होती है।

स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी फिल्म मस्ती 4: रुही सिंह

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ फिल्में मनोरंजन के साथ-साथ हंसी और मस्ती का भरपूर अनुभव कराती हैं। ऐसी ही एक फिल्म है 'मस्ती 4', जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर अभिनेत्री रुही सिंह ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभव और विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि फिल्म में हर तरह के दर्शक का ध्यान रखा गया है और यह फिल्म देखने वालों के लिए एक हल्का-फुल्का मनोरंजन और स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी। रुही सिंह ने कहा कि हर फिल्म का अपना अलग मजा होता है और 'मस्ती 4' उसी की एक बेहतरीन मिसाल है। फिल्म में हंसी का पूरा खजाना है और अगर कोई अपने दिनभर के तनाव से छुटकारा पाना चाहता है तो यह फिल्म उनके लिए परफेक्ट है। रुही ने कहा कि इस फिल्म को देखने के लिए ज्यादा सोचने-समझने की जरूरत नहीं है, बस थिएटर जाएं और दिल खोलकर हंसें। उन्होंने आगे बताया कि मस्ती फ्रेंचाइजी हमेशा अपने खास दर्शक वर्ग के लिए बनती आई है और हर फिल्म का अपना अलग अंदाज और स्वाद होता है। 'मस्ती 4' इसी शैली को आगे बढ़ा रही है और इसमें दर्शक बिना किसी तनाव या चिंता के फिल्म देख सकते हैं। रुही ने आफताब शिवदसानी के साथ अपनी जोड़ी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आफताब बेहद मिलनसार इंसान हैं। उनका स्वभाव बहुत नरम और शालीन है और वह दिल से बहुत अच्छे हैं। मेरे परिवार और दोस्त आफताब के फैन हैं। उनके साथ स्क्रीन पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा और इस मौके को पाकर मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। इसके अलावा रुही ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की।

उन्होंने कहा कि रितेश देशमुख शानदार हैं। विवेक ओबेरॉय की उपस्थिति हमेशा यादगार रहती है और अरशद वारसी लंबे समय से मेरे पसंदीदा अभिनेता हैं। सेट पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना अद्भुत अनुभव था। जब रुही से पूछा गया कि उन्होंने 'मस्ती 4' में काम करने का फैसला किन कारणों से लिया तो उन्होंने कहा, ''इसका सबसे बड़ा कारण फिल्म का बड़ा फ्रेंचाइजी होना और सिनेमाघरों में रिलीज होना है। मैंने पहले कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स पर काम किया है, लेकिन वहां दर्शक वर्ग की संख्या फिल्म के मुकाबले कम थी। इस फिल्म को लाखों लोग थिएटर में देखने आएंगे। इसके अलावा फिल्म में पहले से ही स्थापित और लोकप्रिय कलाकार हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट और भी आकर्षक हो गया। इस वजह से मैंने तुरंत इस फिल्म को करने के लिए हां कह दी।'' 'मस्ती 4' 21 नवंबर को थिएटर में रिलीज होगी।

रणवीर सिंह फिल्म धुरंधर का ट्रेलर हुआ रिलीज

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन के किरदार को दिखाया है। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर' के चार मिनट के ट्रेलर में रणबीर कपूर की 'एनिमल' से ज्यादा एक्शन और खूब-खराबा नजर आ रहा है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन के किरदार छाए हैं। एक विलेन के तौर पर अर्जुन रामपाल ने दिल जीत लिया है। कहानी पाकिस्तान और भारत के बीच 1971 में हुए युद्ध से शुरू होती है। अर्जुन रामपाल पाकिस्तानी आईएसआई मेजर इकबाल का रोल प्ले कर रहे हैं, जिनका रवैया भारत के प्रति बेहद क्रूर है। आर. माधवन भारतीय इंटेलिजेंस के अफसर अजय संयल का रोल प्ले कर रहे हैं। अजय संयल भारत से आतंकवाद को खत्म करने के लिए और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने का प्लान बना रहे हैं। ट्रेलर के आखिर में एंट्री होती है रणवीर सिंह की। एंट्री के साथ एक्टर कहते हैं, तुम लोगों के पटाखे खत्म हो गए हों तो मैं धमाका शुरू करूं। रणवीर सिंह और आर. माधवन पाकिस्तान के आतंकी मंसूबों को खत्म करने की प्लानिंग करते दिखाई देंगे।खास बात ये है कि संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अलग किरदार में दिखे हैं। दोनों के किरदार को लेकर ट्रेलर में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन ट्रेलर में जितनी भी झलक दिखाई गई हैं, वो रोंगटे खड़े कर देने वाली हैं। ट्रेलर में कुछ सीन्स ऐसे हैं जो शरीर में सिरहन पैदा कर सकते हैं, क्योंकि फिल्म में एक्शन और क्रूरता वाले खतरनाक सीन की भरमार है।

बता दें कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट के बाद मेकर्स ने ट्रेलर की रिलीज मंगलवार तक के लिए टाल दी थी। फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। ट्रेलर सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अक्षय खन्ना, रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, और संजय दत्त की एक्टिंग नेचुरल लग रही है और ये पांचों मिलकर स्क्रीन पर कमाल करेंगे।

रुपाली सूरी ने अपने नए फोटोशूट से स्क्रीन पर मचाई धूम

रुपाली सूरी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह इंडस्ट्री के सबसे आकर्षक चेहरों में क्यों गिनी जाती हैं। उनका नया फ़ोटोशूट इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है – सिर्फ इसलिए नहीं कि वह ग्लैमरस दिख रही हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि वह हर फ्रेम में एक ऐसी ऊर्जा, आत्मविश्वास और आभा लेकर आती हैं जो बिल्कुल बिजली-सी महसूस होती है। जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, फैन्स ठहरकर देखने पर मजबूर हो गए। इन फ्रेम्स में रुपाली का जादू कुछ और ही है – जिस तरह वह खुद को कैरी करती हैं, उनकी आँखों की सूक्ष्म गहराई, और हर पोज़ में उनकी सहज एलीगेंस।

यह सिर्फ एक फ़ोटोशूट नहीं है; यह एक ऐसी महिला को देखने का अनुभव है जो अपनी शक्ति को पूरी तरह जीती है। जो बात सबसे ज्यादा उभरकर सामने आती है, वह है हर शॉट में उनकी भावनात्मक गहराई। ग्लैमर के पीछे एक कहानी है – आत्मविश्वास की, अनुशासन की, और उस शांत ताकत की जो एक ऐसी महिला में होती है जो खुद को पूरी तरह जानती है।

हर लुक उनकी यात्रा का एक हिस्सा बयान करता है – वह दृढ़ता जो उन्होंने बनाई है, वह गरिमा जो वह साथ लेकर चलती हैं, और वह जुनून जो उन्हें आगे बढ़ाता रहता है।

रुपाली का यह नया फ़ोटोशूट सिर्फ उनकी खूबसूरती को उजागर नहीं करता; यह उनकी आत्मा को भी चमकाता है। यह याद दिलाता है कि वह सिर्फ एक ग्लैमरस चेहरा नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी शख़्सियत हैं जिनमें गहराई, हिम्मत और एक ऐसा करिश्मा है जो तस्वीर खत्म होने के बाद भी दिल पर छाप छोड़ जाता है।

एक ऐसी दुनिया में जहाँ तस्वीरें पल भर के लिए आती और चली जाती हैं, रुपाली सूरी ने कुछ ऐसे पल बनाए हैं जो अविस्मरणीय लगते हैं – ऐसे पल जो उनके भीतर की आग को महसूस करा देते हैं।

नेहा भसीन ने ऑल-गर्ल्स बैंड से लिखी अपनी पहचान की कहानी, आवाज से खींचा सभी का ध्यान

भारतीय संगीत जगत में कई ऐसी आवाजें हैं, जिन्होंने समय के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाई है, लेकिन कुछ आवाजें शुरुआत से ही इतनी खास होती हैं कि उनका सफर अपने आप में एक प्रेरणा बन जाता है। नेहा भसीन ऐसी ही कलाकारों में से एक हैं। बचपन से ही गाने के प्रति उनके जुनून को देख लोग कहते थे कि वह एक दिन देश की सबसे खास गायिकाओं में गिनी जाएंगी। आज भले ही लाखों लोग उन्हें 'जग घूमेया' और 'कुछ खास' जैसे सुपरहिट गानों की वजह से पहचानते हों, लेकिन उनके करियर की नींव उस समय पड़ी थी जब उन्होंने भारत के पहले ऑल-गर्ल्स बैंड विवा में जगह बनाई थी। करियर के इस मोड़ ने उनकी पहचान को नई उड़ान दी।

नेहा भसीन का जन्म 18 नवंबर 1982 को दिल्ली में हुआ था। महज नौ साल की उम्र में उन्होंने मारिया कैरी का गाना 'हीरो' गाया और एक प्रतियोगिता में जीत हासिल की। इसी स्टेज ने उनके मन में संगीत के प्रति लगाव को बढ़ा दिया। पढ़ाई के दौरान भी नेहा हमेशा प्रोग्राम में हिस्सा लेती और अपनी आवाज से सबका ध्यान खींच लेती थीं। बाद में उन्होंने शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान से ली, जिसने उनकी आवाज को और भी प्रभावशाली बनाया।

कॉलेज के दिनों के दौरान नेहा भसीन ने चैनल वी के शो 'कोक वी पॉपस्टार्स' के लिए ऑडिशन दिया, जो उस समय के सबसे बड़े म्यूजिक टैलेंट सर्च शोज में से एक था। यहां तक पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन नेहा न सिर्फ चुनी गईं बल्कि 18 साल की उम्र में यह शो जीत भी लिया। शो जीतने के बाद नेहा और बाकी चार लड़कियों ने मिलकर भारत का पहला ऑल-गर्ल्स पॉप बैंड 'विवा' बनाया। यह बैंड उस समय युवाओं में एक क्रेज बन चुका था। टीवी, रेडियो और म्यूजिक चैनल्स पर हर तरफ विवा की चर्चा होने लगी। यह वह समय था जब भारत में पॉप कल्चर अपने सबसे चमकदार दौर से गुजर रहा था और विवा की सफलता ने इसे और भी आगे बढ़ाया।

हालांकि यह बैंड कुछ सालों बाद टूट गया, लेकिन इस दौरान नेहा ने जितनी लोकप्रियता हासिल की, वह उनके आगे के करियर के लिए एक मजबूत नींव साबित हुई।

बैंड टूटने के बाद नेहा ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। 2007 में फिल्म 'फैशन' के गाने 'कुछ खास है' से उन्हें वह पहचान मिली, जिसने बॉलीवुड में उनका नाम स्थापित कर दिया। इस गाने के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में नामांकन भी मिला। इसके बाद उन्होंने 'धुनकी', 'जग घूमेया', 'स्वैग से स्वागत', 'हीरिए' और कई अन्य गानों से अपनी जगह मजबूत की। उनकी खासियत यह है कि वे सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि पंजाबी, तमिल और तेलुगु सहित कई भाषाओं में गाती हैं और हर भाषा में उनकी आवाज उतनी ही मधुर लगती है।नेहा ने साउथ इंडस्ट्री में भी कई सुपरहिट गाने दिए, जिनमें तमिल गाना 'पेसुगिरेन पेसुगिरेन' और तेलुगु गाना 'अतु नुव्वे' शामिल हैं। इन गानों ने उन्हें साउथ की फिल्मों में पसंदीदा गायिकाओं में शामिल कर दिया। उनके करियर में कई अवॉर्ड जुड़े, जिनमें दो फिल्मफेयर अवॉर्ड्स भी शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथा–कथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 नवंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रात: 09:45 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 07:59 तक
योग : सौभाग्य प्रात: 08:59 तक
करण : शकुन प्रात: 09:45 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 04:14 तक
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पितृ कार्य अमावस्या, अनुराधा में रवि रात्रि 08:56 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

घूमर फेस्टिवल आज सातों संभागों में भव्य आयोजन

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री पर्यटन और कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने घूमर फेस्टिवल 2025 को लेकर विद्याधर नगर स्टेडियम फुटबॉल ग्राउण्ड में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों का मंगलवार को निरीक्षण किया। दिया कुमारी ने बताया कि राजस्थान की लोक- संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और जनभागीदारी आधारित सांस्कृतिक मॉडल को नई दिशा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा घूमर फेस्टिवल–2025 का बुधवार को प्रदेश के सातों संभागीय मुख्यालयों पर एकसाथ भव्य आयोजन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार शाम को जयपुर विद्याधर नगर स्टेडियम के फुटबॉल ग्राउण्ड पर पहुंचीं और वहां उन्होंने राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का गहन अवलोकन किया।

दिया कुमारी ने मंच व्यवस्था, प्रवेश मार्ग, सुरक्षा प्रबंधन, रिहर्सल, तकनीकी समन्वय और दर्शक सुविधा सहित सभी आवश्यक पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने सम्बंधित अधिकारियों और टीम को निर्देश दिए कि पूरे कार्यक्रम को सुगठित, समयबद्ध और राजस्थान की सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप संपादित किया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि घूमर नृत्य राजस्थान की आत्मा है। यह उत्सव हमारी लोक-संस्कृति को नई ऊर्जा देगा और भविष्य में पर्यटन से जुड़ी व्यापक संभावनाओं को भी सशक्त करेगा।

दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सांस्कृतिक परंपराओं को जनभागीदारी और नवाचारों के साथ जोड़कर एक स्थायी मॉडल तैयार किया जाए। पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ ने बताया कि पर्यटन विभाग ने कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। घूमर महोत्सव के लिए प्रतिभागियों के साथ स्थानीय समुदाय में भी उत्साह का माहौल है।

पर्यटन आयुक्त ने बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम का दायरा उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया है। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर सातों संभागों में बुधवार शाम एक ही समय पर महोत्सव का शुभारंभ होगा। विभाग के अनुसार कई क्षेत्रों में पंजीकरण संख्या अपेक्षा से काफी अधिक रही है, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह स्पष्ट झलकता है। जयपुर और जोधपुर में 1500 से अधिक पंजीकरण प्राप्त होने पर इन दोनों शहरों को उच्च श्रेणी पुरस्कार श्रेणी में शामिल किया गया है।

अरब सागर से सीधे जुड़ेगा राजस्थान जालोर में बनेगा इनलैंड पोर्ट

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मरु प्रदेश राजस्थान अब समुद्री रास्ते से भी औद्योगिक विकास, व्यापार और आर्थिक समृद्धि का सफर तय करेगा। इसमें जालोर जिला कच्छ की खाड़ी के जरिए अरब सागर से सीधे जुड़ेगा। इसके लिए जालोर में इनलैंड पोर्ट (वाटर–वे) तैयार करने की कवायद शुरू हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार के मध्य बेहतर समन्वय से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में यह निर्माण एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी साबित हो सकेगा। यहां से उद्योग, लॉजिस्टिक्स, रोजगार और जलमार्ग कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत होगी। राजस्थान समुद्री राज्यों में शामिल होते हुए लॉजिस्टिक पावरहाउस बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इनलैंड पोर्ट निर्माण को लेकर गत माह मुम्बई में राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन आयोजना प्राधिकरण और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, केन्द्र सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत गुजरात और राजस्थान में ड्रेजिंग से अरब सागर से जालोर को जोड़ा जाएगा। इसके जरिए राजस्थान समुद्री कनेक्टिविटी के नए युग में प्रवेश करेगा। जवाई–लूनी–रन ऑफ कच्छ नदी प्रणाली को राष्ट्रीय जलमार्ग–48 घोषित होने के बाद जालोर में इनलैंड पोर्ट (वाटर–वे) विकसित करने की दिशा में यह सबसे बड़ा कदम है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना में राजस्थान प्रत्यक्ष रूप से कांडला पोर्ट (कच्छ) से जुड़ जाएगा। अभी जालोर तक जलमार्ग बनाने के लिए रास्तों पर अध्ययन किया जा रहा है। इसमें भवातरा–नवलखी मार्ग कांडला क्रिक (लगभग 262 कि.मी.) मार्ग भी शामिल है। एमओयू के अनुसार, ड्रेजिंग में 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय होगी।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि जलमार्ग की डीपीआर पर भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग विकास प्राधिकरण, नेशनल टेक्नोलॉजी फॉर पोर्ट, वाटर–वे एंड कोस्ट, आईआईटी मद्रास और जल संसाधन विभाग द्वारा सर्वे किया जा रहा है। इसमें वर्षभर जल की उपलब्धता, परियोजना के लिए जमीन और अनुमानित लागत पर गहन अध्ययन हो रहा है। फील्ड स्टडी के लिए आईआईटी मद्रास से विशेषज्ञ जल्द ही राजस्थान आएंगे। वहीं, जल संसाधन विभाग राजस्थान, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और आईआईटी मद्रास के बीच नियमित संवाद के जरिए परियोजना की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

लोहागढ़ स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की तैयारियों का एडीएम ने किया निरीक्षण

भरतपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। संभाग मुख्यालय स्थित लोहागढ़ स्टेडियम में आयोजित होने वाले 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की तैयारियों को लेकर एडीएम सिटी राहुल सैनी द्वारा बुधवार को प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला खेल अधिकारी, परियोजना निदेशक आरएसअ–रडीसी, अधिशाषी अभियंता भरतपुर विकास प्राधिकरण, अधिशाषी अभियंता नगर निगम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि गेम्स का आयोजन 23 नवम्बर से 5 दिसम्बर 2025 तक प्रस्तावित है। इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने हेतु स्टेडियम परिसर में रंग–पेंट, आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन, साफ–सफाई, मुख्य द्वारों के निर्माण, साज–सज्जा आदि कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को प्रदान किए गए। एडीएम सिटी ने कार्यक्रम के उद्घाटन हेतु अतिथियों की बैठक व्यवस्था, पाण्डाल निर्माण, खिलाड़ियों एवं अधिकारियों के आवास, जलपान तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समयपूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी कार्य नियत समय सीमा में गुण–वत्तापूर्ण रूप से पूर्ण हों।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

90 हजार रुपए का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 16 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर और पहले से प्राप्त शिकायतों के आधार पर मंगलवार को सतर्कता शाखा ने व्यापक कार्रवाई करते हुए शहर के कई प्रमुख मार्गों से अस्थायी अतिक्रमण हटाया। उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई के दौरान स्टेट हेंगर रोड, श्योपुर रोड सांगानेर, कुम्भा मार्ग, नारायणा हॉस्पिटल, इंडिया गेट, रजतपथ मानसरोवर, मध्यम मार्ग मानसरोवर, नर्सरी पार्क, नर्सरी सर्किल, त्रिवेणी पुलिया के नीचे सीके बिड़ला अस्पताल के सामने, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, जौहरी बाजार, किशनपोल बाजार, घाटगेट, शांति कॉलोनी, अंबेडकर सर्किल, आदर्श नगर, मामा होटल, साकेत कॉलोनी रोड, सामुदायिक भवन रोड, गीता भवन रोड, गीता भवन चौराहा, पिंक स्क्वायर मॉल रोड, गोविंद मार्ग, रामगंज चौपड़, न्यू गेट, भगवान दास रोड, राजधर्मा हॉस्पिटल रोड, स्टैच्यू सर्किल, बगड़िया भवन, खेतान मार्ग और सी–स्कीम क्षेत्र को शामिल किया गया। कार्रवाई के दौरान 16 केन्टर सामान जब्त किया गया और अस्थायी अतिक्रमण करने वालों से 90 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया। जब्त सामान को निगम के गोदाम में भिजवाया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों को मौके पर समझाइश कर मौखिक पाबंद किया गया कि भविष्य में अस्थायी अतिक्रमण समय रहते स्वयं हटा लें। अन्यथा नगर निगम जयपुर द्वारा भारी चालान जारी करने के साथ ही प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक गोपाल शर्मा ने बच्चो के साथ जयपुर स्थापना दिवस मनाया

जयपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर स्थापना दिवस पर मंगलवार स्कूल बच्चो के साथ विधायक गोपाल शर्मा जी एम दीपेंद्र राणा ने केक काटकर सेलिब्रेट किया, राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का चौथा सीजन आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में आयोजन चल रहा हे।

यह एग्जीबिशन 20 नवंबर तक चलेगी। मंगलवार को विधायक गोपाल शर्मा रावत पब्लिक स्कूल के बच्चों से जयपुर स्थापना दिवस पर बात की और बच्चो को जयपुर की विरासत के बारे में बताया। उन्होंने कहा जयपुर कला बेहद अदभुद हे कलाकार भी एक से बढ़ कर एक हे। बच्चो ओर सभी लोगों के साथ केक काटकर जयपुर स्थापना दिवस मनाया। लोगों ने जयपुर के कई रंग के साथ विरासत को देखा। तस्वीरों में जयपुर के हेरिटेज मॉन्यूमेंट, वॉल सिटी, मंदिर, फेस्टिवल, देख सकते हे। एग्जीबिशन में सिर्फ जयपुर की ही तस्वीरों को डिसप्ले किया गया, जिसमें जयपुर की विरासत को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया।

फेस्टिवल की संरक्षक रेणुका कुमावत ने सभी को जयपुर स्थापना दिवस पर बधाई दी।साथ सभी देखने आए विजिटर्स को जयपुर की विरासत के बारे में बताया।शहरवासी जयपुर की सुंदर तस्वीरें एक ही जगह पूरा जयपुर देख पा रहे हे। इस एग्जीबिशन को देखने के लिए सभी की एंट्री निशुल्क है। यहां हर दिन सभी विजिटर्स को गिफ्ट कूपन दिए जाएंगे।

अल फलाह विश्वविद्यालय से जुड़े ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

फरीदाबाद, 18 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली बम विस्फोट मामले में मंगलवार सुबह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी तथा उसके ट्रस्टियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। सुबह करीब 5 बजे शुरू हुई छापेमारी को लेकर ईडी की ओर से कोई अधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन, ईडी सूत्रों के अनुसार, कुल 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू हुई है। ईडी की टीमें दिल्ली के ओखला स्थित यूनिवर्सिटी के मुख्यालय, फरीदाबाद कैंपस और ट्रस्टियों के आवासों–कार्यालयों पर पहुंची हैं। दस्तावेजों की जांच और जब्ती का काम जारी है। ईडी फिलहाल इस मामले से जुड़े संभावित वित्तीय और परिचालन संबंधों की जांच कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, अल फलाह यूनिवर्सिटी के कामकाज में कई वित्तीय गड़बड़ियां सामने आई हैं। ईडी की रडार पर यूनिवर्सिटी के संस्थापक और चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी हैं। ईडी जांच कर रही है कि इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी खड़ा करने के लिए उसके पास करोड़ों रुपए कहां से आए हैं। क्योंकि, धोखाधड़ी के मामले में वे जेल भी जा चुके हैं। दिल्ली बम ब्लास्ट मामले में भी सिद्दीकी को समन भेजा जा चुका है, लेकिन वे पेश नहीं हुए। ज्ञात हो कि 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। जिसमें करीब 12 लोगों की मौत हो गई थी। कई लोग घायल हो गए थे। इस विस्फोट को आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा माना जा रहा है और इसकी जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनआईए को सौंप दी है।

हरियाणा में साइबर फ्रॉड से 850 करोड़ से अधिक का नुकसान

गुरुग्राम, 18 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में साइबर फ्रॉड का खतरा लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2024 में राज्य ने डिजिटल धोखाधड़ी के कारण ₹850 करोड़ का नुकसान झेला, जिसमें केवल गुरुग्राम ने कुल मामलों का 20 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया। यह जानकारी पीएस साइबर मानेसर के सब–इंस्पेक्टर विकास बेनीवाल ने नॉक आउट डिजिटल फ्रॉड नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम में दी, जिसे हरियाणा पुलिस और बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) द्वारा संयुक्त रूप से गवर्नमेंट कॉलेज, सिधरावली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 250 छात्र और फैकल्टी सदस्य शामिल हुए। विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी पर विस्तार से बताते हुए बेनीवाल ने कहा, लोगों के शिकार होने की सबसे बड़ी वजह है–अज्ञानता, लालच और भय। फ्रॉडस्टर डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट स्कैम और टास्क–बेस्ड फ्रॉड जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके पीड़ितों को अलग–थलग कर देते हैं, उनकी मनोविज्ञान का फायदा उठाते हैं और उनकी जीवन भर की कमाई साफ कर देते हैं। जब भी कोई व्यक्ति आपसे पैसे या बैंक डिटेल मांगता है, तो बिना किसी संदेह के समझ लें कि वह फ्रॉडस्टर है। जागरूकता ही असली सुरक्षा है। उन्होंने आगे कहा, गुरुग्राम में ही 2024 में 25,000 से अधिक साइबरक्राइम मामले दर्ज हुए हैं। साइबर फ्रॉड होने की स्थिति में पीड़ित को तुरंत साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए, क्योंकि इससे खोए हुए पैसे की रिकवरी की संभावना काफी बढ़ जाती है।

वोट चोरी में नंबर–वन हरियाणा: कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया लोकतंत्र की हत्या का आरोप

हिसार, 18 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में हरियाणा को 'वोट चोरी' और बेरोजगारी में देश का नंबर–वन राज्य बताया है। हिसार में 'वोट चोर–गद्दी छोड़' अभियान के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा ने चुनावों में व्यापक गड़बड़ी और वोट चोरी करके लोकतंत्र द्वारा चुनी गई कांग्रेस की सरकार को चुराया है। राव नरेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आगामी चुनावों में भाजपा की इस साजिश को रोकने के लिए एकजुट हों और आमजन को वोट चोरी के खिलाफ जागरूक करें। उन्होंने कहा, भाजपा के 11 साल के कार्यकाल में हरियाणा बेर–ोजगारी, कानून व्यवस्था, फिरौती, लूट और महिला उत्पीड़न में भी नंबर–वन पर पहुंच गया है, जबकि कांग्रेस के 10 साल के शासन में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणा हर क्षेत्र में नंबर–वन था। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रमाणों का हवाला देते हुए कहा कि हरियाणा में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से कहीं फर्जी वोट जोड़कर तो कहीं सही वोट काटकर जनभावना के विपरीत सरकार बनाई है।

राव नरेंद्र सिंह ने चुनाव आयोग पर सीधा हमला बोलते हुए उसे भाजपा की बी–टीम बताया और भाजपा को आयोग का प्रवक्ता करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर के नाम पर 65 लाख वोट काटे गए और 22 लाख नए वोट जोड़े गए, लेकिन चुनाव आयोग इस पर मौन है। इसके अलावा, चुनाव के दौरान बिहार में महिलाओं के खातों में पैसे डालना और दूसरे राज्यों से ट्रेन भरकर लोगों को भेजना, सरेआम आचार संहिता का उल्लंघन है, जिस पर आयोग पूरी तरह चुप्पी साधे है। राव नरेंद्र सिंह ने हिसार जिले की विधानसभाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि उकलाना में 33,891, नारनौंद में 31,342 और आदमपुर में 22,555 सहित कुल 1,58,291 फर्जी वोट पाए गए हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा के कार्यकाल को विफल बताते हुए कहा कि किसान को एमएसपी और भावांतर का लाभ नहीं मिल रहा है, और खाद–बीज के लिए उन्हें लाठियां खानी पड़ रही हैं।उन्होंने एनसीआरबी की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और फिरौती–लूट की घटनाओं में वृद्धि से जनता भयभीत है। सांसद जयप्रकाश जेपी ने कहा कि देश की चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुका है और कांग्रेस हरियाणा में हुई सत्ता चोरी और वोट चोरी के खिलाफ लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ेगी। जिला प्रधान बृजलाल बहबलपुरिया ने बताया कि हाईकमान के निर्देश पर हर विधानसभा और गांव में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। राव नरेंद्र सिंह ने अंत में कहा कि राहुल गांधी सत्ता नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसका फैसला आगामी चुनाव में जनता करेगी।

बेंगलूरु दक्षिण जिले के बिदादी में एक विश्व एआई सिटी बनाई जाएगी: डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

डीसीएम डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अगले साल से अनिवासी भारतीय निवेशकों के लिए एक अलग निदेशालय स्थापित किया जाएगा और बेंगलूरु दक्षिण जिले के बिदादी में एक विश्व एआई सिटी बनाई जाएगी। बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में 28वें बेंगलूरु टेक समिट 2025 के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि बिदादी के पास एआई सिटी में निवेश करने के लिए कई उद्यमी आगे आए हैं और उन्होंने उनके साथ इस पर चर्चा की है। बेंगलूरु दक्षिण में एक दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी शहर बेंगलूरु की बराबरी नहीं कर सकता। सरकार ग्रामीण छात्रों के लिए एक नई नीति तैयार कर रही है और उन्होंने उद्यमियों से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और अन्य सुधारों में सहयोग करने की अपील की। बेंगलूरु टेक समिट दुनिया को सर्वश्रेष्ठ देने का एक पूरक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह प्रत्येक हितधारक और निवेशक की आवाज बनकर काम करेंगे। इससे पहले, जब एस.एम. कृष्णा ने मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने शहरी विकास मंत्री के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास में सहायक परियोजनाओं को लागू किया था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का आईटी क्षेत्र में महाशक्ति बनना कोई संयोग नहीं है, बल्कि इसके पीछे कड़ी मेहनत है। कर्नाटक न केवल देश की सिलिकॉन वैली है, बल्कि एशिया की आईटी राजधानी भी है। शिक्षा, संस्कृति और विरासत सहित कई पहलुओं में बेंगलूरु अग्रणी है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में जहां 30 लाख आईटी विशेषज्ञ हैं, वहीं बेंगलूरु की आबादी 1.40 करोड़ है। यहां 25 लाख लोग आईटी क्षेत्र से जुड़े हैं। यह बेंगलूरु की क्षमता को दर्शाता है। हमें इस बात पर गर्व है। दुनिया के प्रभावशाली नेता दिल्ली की बजाय बेंगलूरु आने लगे हैं। यह हमारे शहर के प्रति विश्वास को दर्शाता है। बेंगलूरु एक जलवायु नियंत्रित शहर है। यहां 400 से ज्यादा शोध संस्थान और 500 से ज्यादा फॉर्च्यून कंपनियां हैं। अगर दुनिया में 12,000 स्टार्टअप हैं, तो उनमें से 40 प्रतिशत बेंगलूरु में हैं। इंजीनियरिंग कॉलेज बड़ी संख्या में हैं और गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन प्रदान कर रहे हैं। हम उद्यमियों और उद्योगों की समस्याओं से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में यातायात सुधार और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर एक करोड़ बीस लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मेट्रो और सड़क के लिए डबल डेकर निर्माण, परिधीय सड़क सहित कई परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, मंत्री प्रियांक खड़गे, एम.बी. पाटिल, नॉर्वे के स्वास्थ्य मंत्री जान क्रिश्चियन वेस्टर, जर्मन बवेरिया राज्य संसद की अध्यक्ष इल्से ईगनर, पोलैंड के उप मंत्री राफेल रोसिंस्की, मेलबर्न के मेयर निकोलस रीस, विधायक और कियोनिक्स के अध्यक्ष शरत बचेगौड़ा, इंफोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्ण, बायोकॉन की सीईओ डॉ. किरण मजूमदार शाह, कर्नाटक विजन ग्रुप के प्रमुख प्रशांत प्रकाश, पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. ए.एस. किरण कुमार, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के निदेशक अरविंद कुमार, कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी के प्रमुख बी.वी. नायडू, संजय त्यागी आदि उपस्थित थे।

जगदीश शेट्टर ने अधिकारियों को बेलगावी जिले में रेलवे परियोजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद जगदीश शेट्टर ने रेलवे अधिकारियों को कर्नाटक के बेलगावी जिले में परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। हुब्बल्ली में वरिष्ठ रेलवे और अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक में, उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाओं की नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि वे समय पर पूरी हों। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बेलगावी कित्तूर धारवाड़ नई रेलवे परियोजना के लिए 90 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। कर्नाटक सरकार द्वारा रेलवे विभाग को भूमि हस्तांतरित करने के बाद काम शुरू हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 16 एकड़ भूमि का अधिग्रहण लंबित है। सांसद ने कहा कि वह जल्द से जल्द भूमि हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य के अधिकारियों से संपर्क करेंगे। लोकपुरा रामदुर्गा सवादत्ती धारवाड़ के बीच एक नई लाइन बिछाने के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण का प्रस्ताव है। शेट्टर ने कहा कि इस लाइन से रामदुर्गा, सवादत्ती

और शिरासांगी के मंदिरों में जाने वाले श्रद्धालुओं को लाभ होगा। उन्होंने अधिकारियों से रेलवे बोर्ड से अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी रखने का आग्रह किया।

उन्होंने अधिकारियों को बेल-गावी में तिलकवाड़ी दूसरे गेट के पास रेलवे ओवरब्रिज की दूसरी लेन का काम पूरा करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने कार्य स्थल पर यातायात डायवर्जन सहित कुछ चुनौतियों का हवाला दिया। शेट्टर ने कहा कि वह पुलिस अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने और काम पूरा करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने को कहेंगे। सांसद ने कहा कि उन्हें बेलगावी रेलवे स्टेशन, जिसे प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उन्नत किया जा रहा है, पर काम की धीमी गति के बारे में कई शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, घाटप्रभा रेलवे स्टेशन पर फुटओवरब्रिज का काम भी शुरू करने की आवश्यकता है। शेट्टर ने कहा कि उन्हें बेलगावी मनागुरु, बेलगावी मडगांव उडुपी मंगुरु और बेल-गावी चेन्नई (तिरुपति होते हुए) मार्गों पर कई नई ट्रेनों के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा हमें बेलगावी बेंगलूरु वंदे भारत ट्रेन के समय में बदलाव के लिए भी अनुरोध मिले हैं। यात्री चाहते हैं कि ट्रेन सुबह 6 बजे चले। वे यह भी चाहते हैं कि हुब्बल्ली बेलगावी और पुणे के बीच वंदे भारत ट्रेन रोजाना चले।

अनियंत्रित कंटेनर नदी में गिरा, चालक चमत्कारिक रूप से बचा

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के करजा थाना क्षेत्र में अहले सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब तेज रफ्तार कंटेनर वैन एनएच 722 पर स्थित करजा पुल की रेलिंग तोड़ते हुए कदाने नदी में जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी की स्थिति बन गई। कंटेनर में मौजूद दोनों चालक स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शिशा तोड़कर बाहर निकाले गए। हालांकि उन्हें हल्की चोटें आई हैं, लेकिन बड़ी जनहानि होने से टल गई। घटना करजा थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर छपरा मुख्य सड़क मार्ग पर हुई, जहां एक खाली कंटेनर वैन मुजफ्फरपुर की ओर लौट रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सामने से आ रहा एक अनियंत्रित ट्रैक्टर अचानक मुड़ा, जिससे कंटेनर चालक ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया। इसी दौरान कंटेनर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नदी में गिर गया।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और किसी तरह दोनों चालकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और कई मिनटों तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। करजा थाना प्रभारी रामकृष्ण परम हंस ने बताया कि कंटेनर मुजफ्फरपुर शहर के रेवा रोड में दूध उतारकर लौट रहा था। इसी बीच करजा पुल के पास ट्रैक्टर के अचानक मुड़ने से कंटेनर अनियंत्रित हो गया और नदी में जा गिरा। उन्होंने पुष्टि की कि चालक सुरक्षित हैं और पुलिस टीम कंटेनर को क्रेन की मदद से बाहर निकालने की कवायद में जुटी है। घटना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते चालक बाहर नहीं निकलते, तो हादसा बड़ा रूप ले सकता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को बाहर निकालने का प्रयास जारी है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ की उपायुक्त दिव्या प्रभु जी.आर.जे. ने ऑनलाइन और वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर आम जनता को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया है। वह धारवाड़ में सेबी द्वारा आयोजित सरकारी कर्मचारियों के लिए क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इस तरह की धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, आम जनता, कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और पेंशनभोगियों के लिए सतर्क रहना आवश्यक हो गया है। सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है,

लेकिन यह जानना भी आवश्यक है कि कहां निवेश करना है, क्या निवेश करना है और कहां नहीं। उन्होंने कहा कि किसी को भी उच्च रिटर्न के वादों के बहकावे में नहीं आना चाहिए और निवेश करने से पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लेनी चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों और विभिन्न विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को सुरक्षित निवेश प्रथाओं के बारे में जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने कहा निवेश के बुनियादी नियमों के बारे में उन्हें शिक्षित करने के अलावा, उन्हें धोखाधड़ी वाली योजनाओं से बचने के तरीके भी बताए जाने चाहिए।

किसी भी प्रकार का वित्तीय निवेश करने से पहले, सही जानकारी जुटानी चाहिए और केवल सत्यापित स्रोतों से ही निवेश करना चाहिए। संदिग्ध योजनाओं से दूर रहना भी जरूरी है। दिव्या प्रभु ने कहा कि निवेश करने से पहले सेबी, स्टॉक एक्सचेंज, शेयर और डिबेंचर के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना जरूरी है ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। उन्होंने कर बचत प्रावधानों और नए कर नियमों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और लोगों को बिना उचित जांच के स्मार्टफोन पर मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड न करने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी बिना पूरी जांच के एप्लिकेशन डाउनलोड करने से उनका स्मार्टफोन हैक हो सकता है, जिससे डेटा चोरी हो सकता है और उनके बैंक खाते खाली हो सकते हैं। एक वर्चुअल व्याख्यान देते हुए, सेबी के वरिष्ठ अधिकारी एम.टी. वेंकटेश बाबू ने साइबर अपराधों और सुरक्षित निवेश प्रथाओं पर विस्तार से बताया। उन्होंने सेबी के नियमों, निवेशकों के अधिकारों, शिकायत निवारण प्रणाली, बाजार के नए रुझानों, कानूनी रूप से स्वीकृत निवेश के अवसरों और संबंधित मुद्दों पर भी प्रकाश डाला। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी बद्री नारायण ने ऑनलाइन धोखाधड़ी और खुद को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होने से बचाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। धारवाड़ जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश पाटिल, लेखा परीक्षक वीणा मुदिगौदर और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

कांग्रेस पार्टी में चुनावों को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं को समझाने की क्षमता नहीं: सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने लगातार चुनाव हारने वाली और क्षेत्रीय दलों से भी बदतर स्थिति में पहुंच चुकी कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा है कि उसे राष्ट्रीय पार्टी कहना शर्मनाक है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार में हार चुकी है और खंडहर में पड़ी है। क्या सदियों पुराने इतिहास वाली पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी कहा जाना चाहिए? जो लोग चुनाव हार गए और जनादेश को स्वीकार नहीं किया, वे उन पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। वे भाजपा, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे हैं कि अगर वे दिल्ली में बैठकर बोलेंगे तो खबर बन जाएगी। उन्होंने पूछा कि क्या कर्नाटक में वे वोट चोरी करके जीते हैं? लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को समझ नहीं आ रहा कि क्या बोलें। पार्टी में चुनावों को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं को समझाने की क्षमता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हारने के बाद वोट चोरी और चुनाव आयोग के दुरुपयोग का आरोप लगाना उनके पद की शोभा नहीं बढ़ाता। राज्य सरकार में इच्छाशक्ति की कमी है। सिद्धरामैया सरकार एक जिद्दी व्यवस्था में है जिसे राज्य और देश की समस्याओं का कोई अंदाजा नहीं है। इस सरकार का कोई सिर नहीं है। कोई आधार नहीं है। इसमें कोई गंभीरता ही नहीं है।

अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन में, मुझे उम्मीद नहीं थी कि सिद्धरामैया के समय में इतनी खराब व्यवस्था आएगी। यह एक निंदनीय कृत्य है। बिहार के लोगों ने मोदी को वोट दिया। उनके बारे में बात करना अप्रासंगिक है, उनके बारे में बात करने से कोई फायदा नहीं है। एक अप्रासंगिक व्यवस्था में, खजाना खाली है। सिद्धरामैया के पास कुछ भी नहीं है। उनके पास हर जगह कुछ न कुछ है। यह किसी न किसी चीज में जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब हम सरकार में थे, तब हम भी 40 प्रतिशत भ्रष्ट थे। अब 100 प्रतिशत से ज्यादा भ्रष्टाचार है। कांग्रेस विकास नहीं जानती। वे राज्य के हित नहीं जानते। वे समस्या नहीं जानते, वे नहीं जानते कि राज्य को कैसे आगे बढ़ाया जाए। मैंने इतनी विमुख और अराजक सरकार कभी नहीं देखी। कांग्रेस को राष्ट्रीय पार्टी कहलाने में शर्म आनी चाहिए। राहुल गांधी ने अपने नेतृत्व में अपने जीवन में एक भी चुनाव नहीं जीता है। आप भी इसलिए जीते क्योंकि उस समय राज्य में हमारे सामने समस्याएं थीं। राज्य में कांग्रेस का पतन शुरू हो गया है। कांग्रेस आलाकमान भी काला चंदा लेकर किसी चीज पर नियंत्रण नहीं रखता। अगर आपको लगता है कि कांग्रेस सरकार से कोई विकास होगा, तो यह एक सपना है। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि वे सत्ता की कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता से भाजपा छह राज्यों में होने वाले चुनाव जीतेगी। विकसित भारत 2047 के अंतर्गत सब कुछ विकसित होगा। तुमकुरु में मेट्रो और पोर्ट लाइन हाईवे भी आएगा, जिसके लिए एक डीप-िआर भी तैयार किया जा रहा है। सोमन्ना ने कहा कि रेलवे विभाग तुमकुरु, कोलार और रामनगर सहित बेंगलूरु की सीमा से लगे सभी जिला केंद्रों में अपना यो-गदान दे रहा है।

सड़क हादसे में कई जवान घायल

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित एनएच 28 कच्ची पक्की दीघरा के पास अहले सुबह बीएसएपी जवानों को लेकर जा रही बस एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में कई जवान घायल हो गए, जबकि चार जवानों को गंभीर चोट आई है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूत्रों के अनुसार, पश्चिम चंपारण के बगहा से चुनाव ड्यूटी पूरी कर मुंगेर जिले के जमालपुर लौट रही इडअझ की बस तेज रफ्तार में जा रही थी। इसी दौरान कच्ची पक्की दीघरा के समीप एनएच 28 पर आगे चल रहे एक ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि जवानों की बस का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और जवानों के अनुसार, हादसे का कारण बस चालक को झपकी आ जाना बताया जा रहा है। घने कोहरे और नींद की वजह से चालक नियंत्रण खो बैठा और बस सीधे ट्रक में जा भिड़ी। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और चार गंभीर रूप से घायल जवानों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बस में मौजूद अन्य जवानों को भी हल्की चोटें आई हैं, लेकिन सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। सदर थाना पुलिस ने बताया कि आज सुबह बीएसएपी जवान चुनाव ड्यूटी पूरी कर जमालपुर लौट रहे थे। इसी दौरान कच्ची पक्की दीघरा के पास उनकी बस ट्रक से टकरा गई। चार जवानों को इलाज के लिए अस्प-ताल भेजा गया है। हादसा कोहरे और चालक को अचानक नींद आने के कारण हुआ। सभी जवान सुरक्षित हैं और आगे की यात्रा की तैयारी की जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोनपुर मेला में बिहार पुलिस प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

छपरा/एजेंसियां।

सोनपुर मेला परिसर स्थित जनसंपर्क पंडाल में सोमवार को बिहार पुलिस प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने राज्य सरकार को मिले बड़े बहुमत का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सरकार और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिला से लेकर थाना स्तर तक किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को हर हाल में समाप्त किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि थाने की पुलिस का व्यवहार जनता के प्रति सौहार्दपूर्ण और फ्रेंडली होना चाहिए, क्योंकि पुलिस का पहला दायित्व जनता की सुरक्षा और उसके विश्वास को कायम रखना है। डीजीपी ने बताया कि कई मामलों में किसी घटना की सूचना आम लोगों से पहले उन्हें प्राप्त हो जाती है, जिसे वह तत्काल संबंधित जिलों के एसपी को अवगत करा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात यह दर्शाते हैं कि पुलिस को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय, पारदर्शी और संवेदनशील बनने की आवश्यकता है। ऐतिहासिक हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में हर वर्ष की तरह इस बार भी अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा बिहार पुलिस प्रदर्शनी लगाई गई है। इसका उद्देश्य पुलिस की कार्यशैली, उपलब्धियां और तकनीकी क्षमताओं को आम जनता तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान सीआईडी द्वारा बिहार पुलिस की उपलब्धियों पर आधारित एक विशेष वीडियो सीडी का विमोचन भी किया गया। अपराध अनुसंधान विभाग के एडीजी पारसनाथ ने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल पुलिस-जन सहयोग को मजबूत बनाती है, बल्कि युवाओं में कानून-व्यवस्था के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, कर्मी और आम नागरिक शामिल हुए। प्रदर्शनी में आधुनिक हथियार, साइबर क्राइम जांच तकनीक, फॉरेंसिक विज्ञान, ट्रैफिक प्रबंधन मॉडल सहित कई आकर्षक सेक्शन लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे। सीआईडी के एडीजी पारसनाथ ने मंच पर उपस्थित डीजीपी विनय कुमार, जितेंद्र गंगवार, जितेंद्र कुमार, अमित जैन सहित सभी वरीय अधिकारियों का पौधा देकर स्वागत किया। इसके बाद पुलिस विभाग के वरीय अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com